राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण सोमवार 09 अक्टूबर 2023 वर्ष–6,अंक–258 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त

इजराइल-फिलिस्तीन जंग के बीच एक दिन फंसी रहीं नुसरत

इजराइल और फिलिस्तीनी आतंकवादी ग्रुप हमास के बीच जंग जारी में एक्ट्रेस नुसरत भरूचा फंस गई थीं। बीते शनिवार 12:30 बजे अंतिम बार नुसरत की टीम ने उनसे बातचीत की थी। उसके बाद से ही उनसे जुड़ा कोई भी अपडेट सामने नहीं आया था। अब टीम ने बताया कि उनसे कॉन्टैक्ट हो गया है। दोपहर 2 बजे नुसरत मुंबई आ जाएंगी। नुसरत की टीम के एक मेंबर ने स्टेटमेंट जारी कर बताया था- नुसरत इजराइल में फंस गई हैं। वो 9 दिन पहले भारत से हायफा फिल्म फेस्टिवल में पार्टिसिपेट करने के लिए इजराइल रवाना हुई थीं। कल दोपहर 12:30 बजे टीम की उनसे अंतिम बार बात हुई थी। बातचीत में नुसरत ने बताया था कि वो एक बेसमेंट में छिपी हुई हैं और सुरक्षित हैं। टीम का कहना था कि कल से अब तक उनसे संपर्क करने की कोशिश की जा रही है, लेकिन बात नहीं हो पा रही। उनकी टीम नुसरत को सुरक्षित भारत वापस लाने की पूरी कोशिश कर रही। हर कोई प्रार्थना कर रहा था कि नुसरत सही-सलामत वापस आ जाएं। शनिवार सुबह इजराइल में 5 हजार रॉकेट्स से हमला हुआ। यह हमला इजराइल से सटे विवादित गाजा से किया गया।

इंडियन एयरफोर्स को मिला अपना

नया फ्लैग

परेड की कमान पहली बार महिला कैप्टन के हाथों में, सबसे बड़े शो में 120 विमान

प्रयागराज । एयरफोर्स अपना 91वां स्थापना दिवस मना रहा है। आज 120 विमानों का एयर शो है। इससे पहले बमरौली एयरपोर्ट में फुल ड्रेस परेड हुई। 8 हजार फीट की ऊंचाई से वायु सेना के जवानों ने जंप किया। AN-32 विमान से 10 पैराट्रूपर्स ने ऊंचाई से छलांग लगाते हुए अपना करतब दिखाया। जवानों ने मारुति जिप्सी को 5 मिनट में खोलकर बांधा। आसमान में 3 कमांडो ने हेलिकॉप्टर से लटक कर एयरचीफ मार्शल को सलामी दी। पहली बार महिला ग्रुप कैप्टन शालिजा धामी भारतीय वायु सेना दिवस की परेड का जिम्मा संभाल रही हैं। ग्रुप कैप्टन शालिजा धामी कॉम्बैट यूनिट में कमांड अपॉइंटमेंट पाने वाली पहली महिला वायुसेना अधिकारी हैं। उनके पास करीब 2800 घंटे से ज्यादा का फ्लाइंग एक्सपीरिएंस है। अदम्य साहस और शौर्य का करतब दिखाते हुए अब दोपहर ढाई बजे एयर शो शुरू होगा। संगम में एयर शो होगा। जल और थल सेना के विंटेज विमान भी इसमें भाग लेंगे। चिनूक, सूर्य किरण जैसे हेलिकॉप्टर अपने हैरतअंगेज करतबों से सभी को आश्चर्यचकित करेंगे। एयरफोर्स के नए झंडे का अनावरण किया गया। इसमें एयरफोर्स के एंबलम यानी प्रतीक चिह्न को शामिल किया गया है। एयरफोर्स की स्थापना 1932 में हुई थी। उस समय रॉयल एयर फोर्स का झंडा था। देश की आजादी के बाद 1952 में पहली बार तिरंगे और एयरफोर्स के गोल साइन को शामिल किया गया था। तब से यही फ्लैग वायुसेना की पहचान रही है। एयरफोर्स के इतिहास में पहली बार 91वें स्थापना दिवस के अवसर पर फ्लैग चेंज हुआ है। इस मौके पर चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (CDS) जनरल अनिल चौहान और एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी मौजूद रहेंगे। प्रशासन ने भी इसकी तैयारियां पूरी कर ली हैं। डायवर्जन लागू कर दिया गया है। सुरक्षा-व्यवस्था के कड़े इंतजाम हैं। एयर शो में मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल हैं। इसके अलावा तीनों सेनाओं के चीफ भी इनवाइट हैं। उट योगी के उत्तराखंड दौरे पर होने के कारण उनके प्रतिनिधि के तौर पर कैबिनेट मिनिस्टर नंद गोपाल गुप्ता नंदी एयर शो का हिस्सा होंगे। रविवार सुबह सात बजे बमरौली में फुल ड्रेस परेड शुरू हुई। कार्यक्रम में पैराट्रूपर्स 8000 फीट से नीचे जंप किए। जबकि अपाचे, चिनूक जैसे हेलिकॉप्टर्स, सुखोई, मिग, सूर्य किरण जैसे विमानों ने हैरतअंगेज प्रदर्शन किया। वायु सेना के इतिहास उसके गौरव से भी लोगों को परिचित कराया जाएगा। इसके बाद दोपहर ढाई बजे से संगम में एयर शो होगा। यहां चीफ गेस्ट के तौर पर यूपी की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल मौजूद रहेंगी। यहां 120 विमान-हेलिकॉप्टर्स अपने हैरतअंगेज करतबों से लोगों को रुबरू कराएंगे। 120 विमानों में कुछ थल और नभ सेना के विंटेज कैटेगरी के विमान भी शामिल होंगे। वायु सेना के स्थापना दिवस के अवसर पर दिल्ली में परेड और फ्लाई पास्ट होता रहा है। लेकिन, पिछले साल चंडीगढ़ और इस बार प्रयागराज में इसका आयोजन किया जा रहा है। यह दूसरा मौका है, जब दिल्ली के बाहर एयर शो हो रहा है। प्रयागराज में इस एयर शो के लिए कई दिनों से तैयारी चल रही थी। विमान अभ्यास पर निकल रहे थे।

दारुल उलूम की तर्ज पर बनेगा

सनातन वैदिक ज्ञानपीठ

गाजियाबाद। श्री पंचदशनाम जूना अखाड़ा के महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद गिरि ने कहा जैसे मुसलमानों ने दारुल उलूम और मदरसे बनाए हैं, उसी तरह हम सनातन सिखाने वाला विश्वविद्यालय बनाएंगे। ये कब बनेगा, कहां बनेगा ... ये सब चीजें बाद में तय की जाएंगी। अभी सिर्फ इसकी घोषणा हुई है। यह बातें गोविंदपुरम स्थित प्रीतम फार्म हाउस में चल रहे दो दिवसीय सनातन कॉन्क्लेव में कही। शनिवार को कार्यक्रम में यति नरसिंहानंद ने कहा कि इसके निर्माण पर मोटा बजट खर्च होगा। इसलिए संस्था के लिए दान देने की शुरूआत मैं खुद से कर रहा हूं। मेरे शुक्रताल और हरिद्वार में दो प्लॉट हैं। अगले एक सप्ताह में दोनों प्लॉट बेचकर विद्यापीठ निर्माण के लिए रुपए जमा कर दिए जाएंगे। डासना देवी मंदिर की तरफ से डॉ. उदिता त्यागी ने सवा-सवा लाख रुपए के दो चेक श्रीपंच दशनाम जूना अखाड़ा के संरक्षक को सौंपा। गाजियाबाद के ही अक्षित त्यागी ने 51 लाख रुपए चंदा देने की घोषणा की। इस तरह सभी सनातनियों के सहयोग से सनातन वैदिक ज्ञानपीठ का निर्माण होगा। इसके लिए भिक्षा यात्रा भी शुरू कर दी गई है।' महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद गिरि ने कहा, 'सौ करोड़ से ज्यादा सनातन धर्मी, विश्व की प्राचीनतम सभ्यता और संस्कृति है, लेकिन हमारे पास एक भी ऐसी संस्था नहीं है, जो समग्र में सनातन धर्म पढ़ाती हो। इसी कारण आज हमारे युवा दिग्भ्रमित हैं और वस्तुतः अपने और अपने परिवार सहित धर्म शत्रु बन जाते हैं।'

बनान ने भी किया इजराइल पर हमला, मोर्टार दागे

हमास ने 200 से ज्यादा इजराइलियों को बंधक बनाया; जंग में अब तक 556 की मौत

नई दिल्ली। हमास और इजराइल के बीच शनिवार को शुरू हुई जंग दूसरे दिन भी जारी है। इजराइल ने कहा है कि रविवार को जंग में उसके 26 सैनिक मारे गए हैं। दूसरी तरफ, रविवार सुबह लेबनान के आतंकी संगठन हिजबुल्लाह ने भी इजराइल पर मोर्टार अटैक किया है। जवाब में इजराइल ने लेबनान पर एयर स्ट्राइक शुरू कर दी है। हमास ने 7 अक्टूबर को 5 हजार रॉकेट से इजराइल पर हमला किया था। जंग के दूसरे दिन गाजा बॉर्डर पर तैनात इजराइली डिफेंस फोर्स के कमांडर नहल ब्रिगेड समेत उसके 300 लोगों की मौत हो गई है। 256 फिलिस्तीनी भी मारे गए हैं। इजराइल में 1,864 और फिलिस्तीन में 1700 से ज्यादा लोग घायल हैं। इधर, इजराइली डिफेंस फोर्स के स्पोक्सपर्सन जॉनथन कॉनरिकस ने वीडियो जारी कर आरोप लगाया कि हमास ने महिलाओं और बच्चों समेत करीब 200 इजराइली लोगों को बंधक बना लिया है। इन्हें गाजा की तरफ ले जाया गया है। जॉनथन ने आशंका जताई कि यह आंकड़ा बढ़ भी सकता है। उन्होंने कहा- हमास ने हो सकता है कि कई महिलाओं और बच्चों को मार भी दिया हो। इस बारे में हमारे कोई ठोस जानकारी नहीं है। उन्हें बचाने की कोशिश की जा रही है। दरअसल, सोशल मीडिया पर कई वीडियोज वायरल हो रहे हैं जिनमें हमास के लड़ाके इजराइली नागरिकों को जबरदस्ती गाड़ियों में बैठाकर ले जाते दिखाई दे रहे हैं। हालांकि,बीबीसी ने लोकल मीडिया की रिपोर्ट के हवाले से कहा कि कुछ बंधकों को छुड़ा लिया गया है।

केदारनाथ मंदिर में सीएम योगी ने किया दर्शन-पूजन

- जनता ने जय श्रीराम के नारे के साथ मुख्यमंत्री का किया अभिनंदन
- उत्तराखंड दौरे के तीसरे दिन सीएम ने बाबा केदारनाथ के दरबार में लगाई हाजिरी
- मुख्यमंत्री ने की देश और प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि और कल्याण की कामना

संवाददाता

रुद्रप्रयाग । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को श्रीकेदारनाथ धाम पहुंचकर दर्शन-पूजन किया। तीन दिवसीय उत्तराखंड दौरे के अंतिम दिन सीएम योगी ने सुबह ही श्रीकेदारनाथ ज्योतिर्लिंग मंदिर में विधि-विधान के साथ पूजा की। इस दौरान बाहर खड़े हजारों लोगों ने एक सुर में जय श्रीराम के जयघोष के साथ मुख्यमंत्री योगी का भव्य अभिनंदन किया।

केदारनाथ हैली पैड पर उनका स्वागत बद्री केदार मंदिर समिति के अध्यक्ष अजय अजयेंद्र, जिला पंचायत अध्यक्ष रुद्रप्रयाग अमरदेई शाह, भाजपा जिला अध्यक्ष महावीर पंवार, जिलाधिकारी डॉ सौरभ गहरवार, पुलिस अधीक्षक डॉ विशाखा समेत अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर किया। वहीं पुरोहित समाज ने परंपरागत मंत्रोच्चारण के साथ उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया। तीर्थ पुरोहितों से भेंट करने के बाद मुख्यमंत्री योगी जीएमवीएन अतिथि गृह में कुछ देर विश्राम किया। यहीं पर पार्टी कार्यकताओं एवं प्रशंसकों से भेंट करने के बाद

मुख्यमंत्री योगी बाबा केदारनाथ के दर्शन कर देश और प्रदेश वासियों के सुख समृद्धि एवं जन कल्याण की कामना की। उनके साथ उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्रा, प्रमुख सचिव गृह संजय प्रसाद और प्रमुख सचिव पर्यटन मुकेश मेश्राम भी मौजूद रहे।

बेंगलुरु में पटाखा दुकान में आग, अब तक 14 मौतें

बेंगलुरु । अनेकल तालुक के अट्टीबेले में शनिवार 7 अक्टूबर को पटाखा दुकान में आग लगने से मरने वालों की संख्या बढ़कर 14 हो गई है। हादसे में घायल 2 लोगों की मौत इलाज के दौरान रविवार सुबह हुई। पुलिस ने शुरूआत में बताया था कि दुकान मालिक समेत चार लोगों को मामूली चोटें आईं। हालांकि, आग बुझने के बाद दुकान में 12 शव बरामद हुए थे। हादसा शाम करीब साढ़े चार बजे हुआ। बताया जा रहा है कि पटाखे दशहरा-दीवाली के लिए स्टोर हो रहे थे। गाड़ी से पेटियां उतारते समय उनमें आग लग गई। मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि कैंटर गाड़ी से पटाखे की पेटियां उतारते समय बालाजी क्रैकर्स की दुकान में आग लगी। देखते ही देखते आग ने दुकान और गोदाम को अपनी चपेट में ले लिया। जिस वक्त हादसा हुआ, उस समय वहां 35 लोग काम कर रहे थे। ज्यादातर पीड़ित धर्मपुरी जिले के अम्मलपेट्टई, तिरुपत्तूर के वानियमबाड़ी और पड़ोसी तमिलनाडु के कल्लाकुरिची के रहने वाले हैं। पुलिस अधीक्षक (बेंगलुरु ग्रामीण) मल्लिकार्जुन बालादंडी ने कहा कि जब आग लगी तो कुछ कर्मचारी दुकान के अंदर काम कर रहे थे। दुकान मालिक नवरात्रि और दीपावली के मद्देनजर पटाखों को स्टोर कर रहा था। आग से आस-पास खड़ी कई गाड़ियां भी जल गईं। घायलों में गोदाम मालिक भी शामिल है। दुकान मालिक और उसके बेटे के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया है।

युवक की गर्दन काटकर हत्या

मेरठ । गर्दन रेतकर एक युवक की हत्या कर दी गई। इसके बाद शव को फंदे पर लटका दिया। युवक सुबह नमाज पढ़ने गया। वहां से लौटकर घर आया। घर के अगले हिस्से में पॉवरलूम की मशीन लगी है। वहीं, पर युवक का शव लटकता मिला। कोतवाली सीओ अमित राय ने कहा है कि शुरूआती जांच के आधार पर हत्या करके लटकाने की आशंका है। फिलहाल, पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट का इंतजार है। पूरी वारदात लोहिया नगर थाना क्षेत्र के आशियाना कॉलोनी गली नंबर-18 की है। मृतक की शिनाख्त शहजाद (26) के तौर पर हुई है। पुलिस के मुताबिक, शहजाद के घर के अगले हिस्से में पॉवरलूम की मशीन लगी है। जबकि पूरा घर पीछे की ओर रहता है। वारदात के वक्त घर के लोग अंदर ही थे। मृतक की मां ने बताया के रोजाना की तरह रविवार सुबह सुबह 6 बजे शहजाद घर से नमाज पढ़ने मस्जिद गया था। वापस आया और फिर अपने कमरे में चला गया। 8 बजे तक भी वो कमरे से बाहर नहीं निकला। हम लोग घर के दूसरे कामों में लग गए। जब उसे चाय के लिए बुलाने कमरे में गए तो दरवाजा अंदर से बंद था। खिड़की से देखा तो वो फांसी पर लटका हुआ था। फिर हमने शोर मचाकर पड़ोसियों को बुलाया। पड़ोसियों के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को पंखे से उतारा। देखा कि शव की गर्दन कटी हुई है। ऐसा लग रहा है किसी ने धारदार हथियार से पहले गर्दन को काटा है।

चीन से निपटने को भारत अपनी सेना को सिखाएगा मंदारिन, टेरिटोरियल आर्मी ने विशेषज्ञों की भर्ती की

नई दिल्ली। युद्ध और शांति के समय देश की सेवा करने वाली भारत की टेरिटोरियल आर्मी (टीए) इस साल अपना 75वां स्थापना दिवस मना रही है। इस दौरान उसने मंदारिन भाषा विशेषज्ञों की भर्ती की है। दरअसल, पूर्वी लद्दाख में पड़ोसी मुल्क चीन के साथ टकराव को देखते हुए सेना ने अपने जवानों को चीनी भाषा मंदारिन सिखाने की तैयारी कर ली है। इसके तहत सेना ने टेरिटोरियल आर्मी में मंदारिन भाषा विशेषज्ञों की भर्ती की है। इसका मकसद 3400 किमी लंबे वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर तैनात कनिष्ठ और वरिष्ठ अधिकारियों को मंदारिन भाषा में प्रवीण बनाना है ताकि वे जरूरत पड़ने पर चीनी सैनिकों का सामना होने पर उनकी भाषा समझ सकें और उन्हें उन्हीं की भाषा में जवाब में दे सकें। सूत्रों के अनुसार, पांच विशेषज्ञों का बैच सीमा बैठकों के दौरान भारत और चीन पक्षों के बीच दुभाषिए के रूप में भी भूमिका निभाएगा। इसके अलावा, प्रादेशिक सेना ने साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों की भर्ती पर भी

ध्यान दे रहा है। एक सूत्र का कहना है कि टीए की स्थापना नौ अक्टूबर 1949 को हुई थी। अब उसने 75 वर्ष में प्रवेश कर लिया है। इन दशकों में इन लोगों ने जी-जान से देश की सेवा की है। वह लगातार अपने आपको मजबूत करने के लिए कदम उठा रही है। इसी क्रम में, इस साल पांच चीनी (मंदारिन) भाषा विशेषज्ञों की भर्ती की गई है। सूत्र ने बताया कि इन विशेषज्ञों को नियुक्त करने की प्रक्रिया जनवरी में शुरू हुई थी और कुछ महीने पहले ही यह पूरी हुई है। उन्होंने बताया कि विशेषज्ञ बनने की प्रक्रिया आसान नहीं थी। मंदारिन भाषा में विशेषज्ञता रखने वाले विभिन्न उम्मीदवारों को लिखित और मौखिक परीक्षा देनी थी। जिन लोगों को चुना गया है उनकी औसत आयु 30 साल है। एक अन्य अधिकारी का कहना है कि यह विशेषज्ञ सीमा कार्मिक बैठकों के दौरान भारतीय और चीनी सेनाओं के बीच दुभाषिए के रूप में भूमिका निभाएंगे। इन्हें बीपीएम के अलावा अन्य नौकरियों में भी तैनात किया जा सकता है। दरअसल, सशस्त्र बलों ने पिछले तीन सालों के दौरान पूर्वी लद्दाख में सैन्य टकराव के चलते एलएसी पर निगरानी व्यवस्था और जवानों की तैनाती काफी मजबूत की है। पूर्वी लद्दाख में पैंगोंग झील इलाके में 5 मई 2020 को भारतीय जवानों और चीनी सैनिकों के बीच हिंसक झड़प हुई थी।

संपादकीय

सुलगते सवाल

एक न्यूज पोर्टल से जुड़े पत्रकारों पर छापे, कुछ की गिरफ्तारी और फिर आप के सांसद संजय सिंह की गिरफ्तारी के बीच लोकतांत्रिक व्यवस्था में राजनीतिक सुविधा के लिये सरकारी एजेंसियों के दुरुपयोग पर देश में सवाल तीखे हुए हैं। देश की शीर्ष अदालत गाहे-बगाहे राजनीतिक हथियार बनीं एजेंसियों की कारगुजरियों पर सवाल उठाती रही हैं। कभी कोर्ट ने एजेंसी को पिंजरे का तोता कहा तो कभी इन एजेंसियों में नियमों से इतर शीर्ष अधिकारियों के लगातार बढ़ते कार्यकाल को लेकर भी सवाल उठाए। पिछले कुछ महीनों में ऐसा विवाद शीर्ष अदालत व सरकार के बीच खासा चर्चित रहा। निस्संदेह, जब किसी खास या आम पर देश की स्थापित व्यवस्था के खिलाफ काम करने अथवा कानून, अर्थव्यवस्था या समाज के खिलाफ राष्ट्रविरोधी कार्यों में लिप्त होने के आरोप लगाये जाते हैं तो उसके खिलाफ पर्याप्त सबूत भी होने भी चाहिए। आरोप तार्किक होने चाहिए। आरोप का आधार राजनीतिक आकाओं की पसंद-नापसंद भी नहीं होनी चाहिए। फिर लोकतंत्र में विपक्ष और मीडिया के विभिन्न धाराओं से जुड़े लोगों के प्रति सहिष्णुता सत्तारूढ़ दल या सरकार की गरिमा को ही बढ़ाती है। लोकतंत्र में लोक की सर्वोच्चता होती है, तंत्र की नहीं। सत्ताधीशों को मानना चाहिए कि सतर्क विपक्ष व धारदार मीडिया भी लोकतंत्र के रक्षक ही होते हैं। लेकिन यहां राजनीतिक दलों का विरोध भी तार्किक व जनमानस के हितों के अनुरूप होना चाहिए। आरोप महज राजनीतिक लक्ष्यों के लिये सत्तारूढ़ दल को घेरने का जरिया नहीं होना चाहिए। यानी महज विरोध के लिये विरोध नहीं होना। वहीं मीडिया के लिये भी लक्ष्मण रेखा निर्धारित है। विरोध के लिये उसका आधार भी विश्वसनीय होना चाहिए और जवाबदेही जनता के प्रति होनी चाहिए। वहीं किसी राजनीतिक विचारधारा के मामले में भी उसे निरपेक्ष होना चाहिए। विडंबना यही है कि गढ़े हुए तथ्यों के आधार पर आरोप-प्रत्यारोपों का दौर जारी है। वहीं अर्द्धसत्यों को सत्य साबित करने की होड़ जारी है। यहां सवाल सरकारी एजेंसियों की पारदर्शिता व निष्पक्षता का भी है। ये सारे विवाद सभी पक्षों के नीर-क्षीर विवेक व पारदर्शी व्यवहार की जरूरत बताते हैं। वीरवार को शीर्ष अदालत में आप के पूर्व मंत्री मनीष सिसोदिया की शराब नीति में कथित भ्रष्टाचार विवाद प्रकरण में हुई गिरफ्तारी से जुड़े सवालों पर ईडी से तीखे सवाल किये गये। लगाये गये आरोपों की तार्किकता पर सवाल उठे कि जब मनीष सिसोदिया की मामले में सीधी भूमिका नहीं है तो उन्हें आरोपी क्यों बनाया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जांच एजेंसी का केस ठोस सबूतों के आधार पर होना चाहिए अन्यथा जिरह के दौरान केस दो मिनट में गिर जाएगा। कोर्ट का कहना था कि यदि मनीष सिसोदिया की भूमिका मनी ट्रेल में नहीं है तो मनी लॉन्ड्रिंग में सिसोदिया आरोपियों में क्यों शामिल हैं। कोर्ट का कहना था कि मनी लॉन्ड्रिंग अलग कानून है। यह भी कि ईडी साबित करे कि सिसोदिया केस प्रापर्टी में शामिल रहे हैं। बहरहाल, अब कोर्ट उनकी जमानत याचिका पर बारह अक्तूबर को सुनवाई करेगी। इस बीच कोर्ट ने सरकारी गवाहों की विश्वसनीयता पर भी सवाल उठाये। कोर्ट का कहना था कि केस ठोस सबूतों की बुनियाद पर तैयार होना चाहिए। अनुमान के आधार पर केस तैयार नहीं किये जा सकते। कोर्ट का कहना था कि राजनीतिक कार्यकारी के निर्देशों पर नौकरशाहों को विवेकशील ढंग से विचार करना चाहिए।

आज का राशीफल

मेष व्यावसायिक समस्या सुलझाने में आप सफल होंगे। वाणी की सौम्यता आपके लिए लाभदायी होगी। शासन सत्ता का सहयोग रहेगा। आर्थिक लाभ होगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

वृषभ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। प्रणय संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

कर्क पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। निजी संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

सिंह दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। आपके प्रभाव तथा वर्चस्व में वृद्धि होगी। तनाव व टकराव की स्थिति आपके लिए हितकर नहीं होगी।

कन्या शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। आपके पराक्रम तथा वर्चस्व में वृद्धि होगी। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

वृश्चिक बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। नेत्र विकार की संभावना है। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। व्यर्थ की उलझनें रहेंगी।

धनु व्यावसायिक योजना सफल होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

मकर जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। खान-पान में सावधानी रखें। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। किया गया पुरुषार्थ सार्थक होगा। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं।

कुम्भ पारिवारिक जनों के मध्य सुखद समय गुजरेगा। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। वाणी की सौम्यता बनाये रखें। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। नए अनुबंध मिलेंगे। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

मीन शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। भाई या पड़ोसियों से अकारण विवाद हो सकता है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा।

पूर्वजों को श्रद्धांजलि देना ही श्राद्ध है

(लेखक-रमेश सर्राफ धमोरा)

हिन्दू धर्म में माता-पिता की सेवा को सबसे बड़ी पूजा माना गया है। इसलिए हिंदू धर्म शास्त्रों में पितरों का उद्धार करने के लिए पुत्र की अनिवार्यता मानी गई हैं। जन्मदाता माता-पिता को मृत्यु-उपरान्त लोग विस्मृत न कर दें। इसलिए उनका श्राद्ध करने का विशेष विधान बताया गया है। श्रद्धया इदं श्राद्धम, अर्थात जो श्रद्धा से किया जाये वही श्राद्ध है। श्राद्ध प्रथा वैदिक काल के बाद शुरू हुई और इसके मूल में इसी श्लोक की भावना है। उचित समय पर शास्त्र सम्मत विधि द्वारा पितरों के लिए श्रद्धा भाव से मन्त्रों के साथ जो दान-दक्षिणा आदि दिया जाय वही श्राद्ध कहलाता है। भाद्रपद मास की पूर्णिमा के दिन सूर्य के कन्या राशि में प्रवेश करने पर इस दिन इसे कनायत भी कहते हैं और इसी दिन से पितृ पक्ष शुरू होता है।

श्राद्ध हिन्दू धर्म में किया जाने वाला एक कर्म है। जो पितरों के प्रति श्रद्धा और कृतज्ञता अभिव्यक्त करने तथा उन्हें याद करने के निमित्त किया जाता है। इसके पीछे मान्यता है कि जिन पूर्वजों के कारण हम आज अस्तित्व में हैं। जिनसे गुण हमें विरासत में मिलें हैं। उनका हम पर न चुकाये जा सकने वाला ऋण हैं। पितरों की आत्मा की शांति के लिए पितृ पक्ष में जो तर्पण किया जाता है। उसके पीछे धार्मिक मान्यता है कि इससे पितरों को स्वर्ग प्राप्त होता है और उनकी आत्मा को शांति मिलती है। मंदिरों और नदियों के किनारे पितरों को तर्पण देने की सदियों से चली आ रही धार्मिक परम्परा आज भी अनवरत रूप से जारी है।

श्राद्ध सूक्ष्म शरीरों के लिए वही काम करते हैं, जो कि जन्म के पूर्व और जन्म के समय के संस्कार स्थूल शरीर के लिए करते हैं। इसलिए शास्त्र पूर्व जन्म के आधार पर ही कर्मकाण्ड में श्राद्धादि कर्म का विधान निर्मित करते हैं। सभी संस्कारों विवाह को छोडकर श्राद्ध ही ऐसा धार्मिक कृत्य है, जिसे लोग पर्याप्त धार्मिक उत्साह से करते हैं। विवाह में बहुत से लोग कुछ विधियों को छोड़ भी देते हैं। परन्तु श्राद्ध कर्म में नियमों की अनदेखी नहीं की जाती है। क्योंकि श्राद्ध का मुख्य उद्देश्य परलोक की यात्रा की सुविधा करना है। भाद्रपद मास की पूर्णिमा से पितृ पक्ष शुरू होकर करीब 16 दिनों तक चलने वाले श्राद्ध में अश्विन मास की अमावस्या तक पितृ पृथ्वी पर वास करेंगे। इन 16 दिनों तक पितरों को प्रसन्न करने के लिए उन्हे यज्ञ, जल से तर्पण दिया जाएगा। इस दौरान पितरों की आत्मा की शांति के लिए जगह-जगह पिंडदान, नारायण बलि, जल तर्पण आदि कर्मकांड़ों से उन्हें प्रसन्न करने की कोशिश की जाती है।

श्राद्ध सूक्ष्म शरीरों के लिए वही काम करते हैं, जो कि जन्म के पूर्व और जन्म के समय के संस्कार स्थूल शरीर के लिए करते हैं। इसलिए शास्त्र पूर्व जन्म के आधार पर ही कर्मकाण्ड में श्राद्धादि कर्म का विधान निर्मित करते हैं। सभी संस्कारों विवाह को छोडकर श्राद्ध ही ऐसा धार्मिक कृत्य है, जिसे लोग पर्याप्त धार्मिक उत्साह से करते हैं। विवाह में बहुत से लोग कुछ विधियों को छोड़ भी देते हैं। परन्तु श्राद्ध कर्म में नियमों की अनदेखी नहीं की जाती है। क्योंकि श्राद्ध का मुख्य उद्देश्य परलोक की यात्रा की सुविधा करना है।

आश्विन कृष्ण प्रतिपदा से लेकर अमावस्या तक ब्रह्माण्ड की ऊर्जा तथा उस उर्जा के साथ पितृप्राण पृथ्वी पर व्याप्त रहता है। धार्मिक ग्रंथों में मृत्यु के बाद आत्मा की स्थिति का बड़ा सुन्दर और वैज्ञानिक विवेचन भी मिलता है। पुराणों के अनुसार पितृपक्ष में जो तर्पण किया जाता है उससे वह पितृप्राण स्वयं आप्यापित होता है। पुत्र या उसके नाम से उसका परिवार जौ तथा चावल का पिण्ड देता है। उसमें से अंश लेकर वह अम्भप्राण का ऋण चुका देता है। ठीक आश्विन कृष्ण प्रतिपदा से वह चक्र उर्ध्वमुख होने लगता है। 15 दिन अपना-अपना भाग लेकर शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से पितर उसी ब्रह्मांडीय उर्जा के साथ वापस चले जाते हैं। इसलिए इसको पितृपक्ष कहते हैं और इसी पक्ष में श्राद्ध करने से पित्तरों को प्राप्त होता है। श्राद्ध का वैज्ञानिक पहलू भी है। वेदों में, दर्शन शास्त्रों में, उपनिषदों एवं पुराणों आदि में हमारे ऋषियों-मनीषियों ने इस विषय पर विस्तृत विचार किया है। श्रीमद्भागवत गीता में भी स्पष्ट रूप से बताया गया है कि जन्म लेने वाले की मृत्यु और मृत्यु को प्राप्त होने वाले का जन्म निश्चित है। यह प्रकृति का नियम है। शरीर नष्ट होता है मगर आत्मा कभी भी नष्ट नहीं होती है। वह पुनः जन्म लेती है और बार-बार जन्म लेती है। इस पुनः जन्म के आधार पर ही कर्मकाण्ड में श्राद्धदि कर्म का विधान निर्मित किया गया है। पुराणों में इसके आयोजन को लेकर कई कथाएं हैं। जिसमें कर्ण के पुनर्जन्म की कथा काफी प्रचलित है। हिन्दू धर्म में सर्वमान्य श्री रामचरित में भी श्री राम के द्वारा राजा दशरथ और जटायु को गोदावरी नदी पर जलांजलि देने का उल्लेख है। भरत के द्वारा दशरथ हेतु दशगात्र विधान का उल्लेख भरत कीन्हि दशगात्र विधाना तुलसी रामायण में हुआ है । भारतीय धर्मग्रंथों के अनुसार मनुष्य पर तीन प्रकार के ऋण प्रमुख माने गए हैं- पितृ ऋण, देव ऋण तथा ऋषि ऋण। इनमें पितृ ऋण सर्वोपरि है। पितृ ऋण में पिता के अतिरिक्त माता तथा वे सब बुजुर्ग भी सम्मिलित हैं, जिन्होंने हमें अपना जीवन धारण करने तथा उसका विकास करने में सहयोग दिया। पितृपक्ष में हिन्दू लोग मन कर्म एवं वाणी से संयम का जीवन जीते हैं। पितरों को स्मरण करके जल चढ़ाते हैं। निर्धनों एवं ब्राह्मणों को दान देते हैं।

विष्णु पुराण के अनुसार दरिद्र व्यक्ति केवल मोटा अन्न, जंगली साग, फल और न्यूनतम दक्षिणा यदि वह भी ना हो तो सात या आठ तिल अंजलि में जल के साथ लेकर ब्राह्मण को देना चाहिए या किसी गाय को दिन भर घास खिला देनी चाहिए। अन्यथा हाथ उठाकर दिक्पालों और सूर्य से याचना करनी चाहिए कि हे प्रभु मैंने हाथ वायु में फैला दिये हैं, मेरे पितर मेरी भक्ति से संतुष्ट हों।

अपने पूर्वजों के निमित्त दी गई वस्तुएं सचमुच उन्हें प्राप्त होती हैं या नहीं, इस विषय में कुछ लोगों को संदेह है। हमारे पूर्वज अपने कर्मानुसार किस योनि में उत्पन्न हुए हैं। जब हमें इतना ही नहीं मालूम तो फिर उनके लिए दिए गए पदार्थ उन तक कैसे पहुंच सकते हैं? क्या एक ब्राह्मण को भोजन कराने से हमारे पूर्वजों का पेट भर सकता है? न जाने इस तरह के कितने ही सवाल लोगों के मन में उठते होंगे। वैसे इन प्रश्नों का सीधे-सीधे उत्तर देना सम्भव भी नहीं है। क्योंकि वैज्ञानिक मापदण्डों को इस सृष्टि की प्रत्येक विषयवस्तु पर लागू नहीं किया जा सकता। दुनिया में ऐसी कई बातें हैं। जिनका कोई प्रमाण न मिलते हुए भी उन पर विश्वास करना पड़ता है।

उल्लेखनीय है कि देश में श्राद्ध के लिए हरिद्वार, गंगासागर, जगन्नाथपुरी, कुरुक्षेत्र, चित्रकूट, पुष्कर, बद्रीनाथ सहित कई स्थानों को महत्वपूर्ण माना गया है। लेकिन गया का स्थान उसमें सर्वोपरि कहा गया है। गया में फल्गु नदी के किनारे श्राद्ध कर्म करना सबसे ज्यादा पुण्य प्रदान करने वाला माना जाता है। जो व्यक्ति गया में श्राद्ध करने जाता है उसको पूरे पितृ पक्ष वहीं रह कर श्राद्ध क्रिया पूरी करनी पड़ती है। गया में पिंडदान करने से सात पीढ़ियों का उद्धार हो जाता है। गया जी को विश्व में पितरों की मुक्ति के लिए सर्वश्रेष्ठ तीर्थस्थल माना गया है। गया जी में पूरे साल पिंडदान किया जाता है।

शास्त्रों में पितरों के लिए पितृपक्ष के दौरान पिंडदान करने का अलग महत्व बताया गया है। मान्यता है कि गया जी में श्राद्ध कर्मकांड सृष्टि के रचना काल से शुरू है। वायुपुराण, अग्निपुराण तथा रूढ पुराण में गया तीर्थ का वर्णन है। भगवान ब्रह्मा ने पृथ्वी पर आकर फल्गु नदी में प्रेतशिला पर पिंडदान किया था। त्रेता युग में भी भगवान श्रीराम भी अपने पिता राजा दशरथ के मरणोपरांत फल्गु नदी के तट पर श्राद्ध, तर्पण, पिंडदान, कर्मकांड को कर पितृऋण से मुक्त हुए थे।

(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार है। इनके लेख देश के कई समाचार पत्रों में प्रकाशित होते रहते हैं।)

कृत्रिम मानव भ्रूण के विकास की दिशा में बड़ा कदम

डॉ. शशांक द्विवेदी

पिछले दिनों एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए इस्राइल के वैज्ञानिकों ने बिना शुक्राणु या अंडों के मानव भ्रूण का मॉडल तैयार किया है। इस मॉडल के जरिये भविष्य में मानव भ्रूण को वास्तविक तरीके से विकसित किया जा सकता है। अगर यह प्रयोग सफल रहा है तो बच्चों को पैदा करने के लिए स्त्री-पुरुष के मिलन या उनके अंडों और शुक्राणु की जरूरत नहीं होगी। यह शोध वीजमैन इंस्टीट्यूट इस्राइल के वैज्ञानिकों ने किया है जिसका नेतृत्व प्रो. जैकब हन्ना ने किया। हन्ना के अनुसार, स्टेम कोशिकाओं को मिलाकर ऊतक के छोटे-छोटे गोले बनाए। इन्होंने खुद को ऐसी संरचनाओं में व्यवस्थित किया जो एक से दो सप्ताह पुराने मानव भ्रूणों में पाए जाने वाले सभी ज्ञात लक्षणों के समान दिखती हैं। वैज्ञानिकों ने 14 दिन के मानव भ्रूण का एक मॉडल बनाने हेतु स्टेम सेल और रसायनों के संयोजन का उपयोग किया। इस सफलता से मानव जिंदगी की शुरुआती अवस्था के बारे में जानकारी मिल पाएगी। इस्राइल के वैज्ञानिकों ने शुक्राणु, अंडे या गर्भाशय का इस्तेमाल किए बिना प्रयोगशाला में स्टेम सेल से मानव भ्रूण का एक मॉडल बनाया है। यह भ्रूण के विकास के शुरुआती चरणों की एक अनूठी झलक पेश करता है। वीजमैन इंस्टीट्यूट की टीम के अनुसार, यह मॉडल 14वें दिन के भ्रूण जैसा दिखता है। इसे मानव विज्ञान के क्षेत्र में बड़ा कदम माना जा रहा है। अगर यह तकनीक आगे भी कामयाब होती है तो बच्चों को जन्म देने के लिए इंसानों की जरूरत नहीं होगी। हालांकि, इस मुकाम तक पहुंचने में अभी काफी समय लग सकता है। जून में बोस्टन में इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर स्टेम सेल रिसर्च (आईएसएससीआर) की वार्षिक बैठक के दौरान प्री-प्रिंट सामने आने के बाद वैज्ञानिकों का काम नेचर जर्नल में प्रकाशित हुआ था। इस्राइली टीम ने इस बात पर जोर दिया कि वे स्क्रैच से भ्रूण बनाने में सक्षम होने से अभी बहुत दूर हैं। टीम लीडर जैकब हन्ना के अनुसार, यह काम गर्भधारण पर दवाओं के प्रभाव का परीक्षण करने, गर्भपात और आनुवंशिक बीमारियों को बेहतर ढंग से समझने और शायद प्रत्यारोपण ऊतकों और अंगों को विकसित करने के नए तरीकों का रास्ता खोल सकता है। हन्ना के मुताबिक, इनमें मानव भ्रूण से काफी अंतर है, लेकिन फिर भी यह पहली बार है। टीम ने वयस्क मानव त्वचा कोशिकाओं के साथ-साथ प्रयोगशाला में संवर्धित अन्य कोशिकाओं से प्राप्त स्टेम सेल को लिया। फिर कोशिकाओं को विभिन्न प्रकार की कोशिकाओं में विकसित होने की क्षमता के साथ प्रारंभिक अवस्था में वापस कर दिया। फिर उन्होंने संरचनात्मक रूप से एक भ्रूण जैसी किसी चीज का आधार बनाने के लिए उनमें हेरफेर किया। यह कोई वास्तविक या सिंथेटिक भ्रूण नहीं है, बल्कि यह एक मॉडल है जो दर्शाता है कि कोई कैसे काम करता है। हन्ना के मुताबिक, उनका अगला लक्ष्य 21वें दिन तक आगे बढ़ना और 50 फीसदी सफलता दर की सीमा तक पहुंचना है। कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय में विकास और स्टेम सेल के प्रोफेसर मैग्डेलेना सेर्निका-गोएट्ज ने कहा कि अध्ययन इस साल दुनिया भर की टीमों से प्रकाशित छह अन्य समान मानव भ्रूण जैसे मॉडलों में शामिल हो गया है, जिसमें उनका क्लिनिकल भी शामिल है। पिछले साल ही अमेरिका और इस्राइल के वैज्ञानिकों ने बिना नर या मादा का प्रयोग किए, प्रयोगशाला में चूहों का भ्रूण तैयार कर लिया था। इसे 'डॉली' भेड़ के पैदा होने जितनी अहम खोज माना गया था। चूहे का यह कृत्रिम भ्रूण बनाने में न नर चूहे का स्पर्म लिया गया और न मादा चूहे के अंडाणु या गर्भाशय। प्रयोगशाला में बनाए गए ये चूहों के भ्रूण बिल्कुल वैसे हैं जैसे कुदरती रूप से गर्भधारण के बाद साढ़े आठ दिन के भ्रूण दिखते हैं। शोधकर्ताओं को उम्मीद है कि भविष्य में उन्हें अपने प्रयोगों के लिए प्रयोगशालाओं में असली जानवरों को कत्ल करने की जरूरत नहीं पड़ेगी और वे यूं कृत्रिम रूप से बनाए गए जीवों पर ही शोध कर सकेंगे। कृत्रिम मानव भ्रूण का विकास एक बड़ी सफलता है लेकिन यह कई सवाल भी खड़े करती है। बड़ी चिंता इस बात को लेकर है कि भ्रूण अनुसंधान जिस दिशा में आगे बढ़ रहा है, वह भगवान की भूमिका निभाने जैसा है। इस अनुसंधान में यही सबसे बड़ी दुविधा है कि जो सबसे अच्छे रिसर्च मॉडल होते हैं, वे असली के एकदम नजदीक पहुंच जाते हैं. स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी में बॉयोसाइंस में एथिकल, लीगल, और सोशल मामलों से जुड़े जानकार हैंक ग्रीली कहते हैं कि वैज्ञानिक उद्देश्यों के लिए आप जितना संभव हो सके, उतना अपने मॉडल को वास्तविक बनाना चाहते हैं लेकिन जैसे ही वास्तविकता के नजदीक पहुंचते हैं, वैसे ही नैतिक समस्याएं या पहलू आपको दूर करने लगते हैं। देखा जाए तो हूबहू इंसानों की तरह का भ्रूण अपने आप में बड़ी बात है। इसी मुद्दे पर पिछले दिनों कैंब्रिज यूनिवर्सिटी में डेवेलपमेंटल बॉयोलॉजिस्ट जर्निका गेट्ज का एक शोध नेचर जर्नल में प्रकाशित हुआ था। शोध के नतीजे प्रकाशित होने पर गेट्ज का कहना था, 'हमारा लक्ष्य जीवन निर्माण करना नहीं है।' इस शोध से इंसान के विकास में इस ब्लैक बॉक्स पीरियड के बारे में और जानने का मौका मिलेगा।

कुल मिलाकर लैब में विकसित किया दो हफ्ते का मानव भ्रूण बनाना एक बड़ी सफलता है। शोधकर्ताओं के मुताबिक, इस सफलता से कृत्रिम गर्भाधान के उपचार को बेहतर करने में मदद मिलेगी। यह प्रजनन संबंधी दवा के क्षेत्र में प्रगति में भी सहायक होगा। लेकिन लैब में विकसित मानव भ्रूण मॉडल के सख्त नियमन की जरूरत भी है। वास्तव में इस संवेदनशील मुद्दे पर व्यापक बहस की जरूरत है।

लेखक मेवाड़ यूनिवर्सिटी में डायरेक्टर हैं।

विचार मंथन

किताबों में अलग कानून-अफसरों के कानून अलग

(लेखक- सनत जैन)

सरकारी अधिकारी किताबों में लिखित कानून के अनुसार काम नहीं करते हैं। सरकारी अधिकारी अपनी सोच से कानून और नियम बनाकर काम करते हैं। आम जनता के लिए कानून की किताबों में जो कानून और नियम लिखे हैं। ठीक उसके विपरीत अधिकारी अपने मनमाने कानून के हिसाब से काम करते हैं। हाल ही में दिल्ली हाईकोर्ट में एक मामला आया। जिसमें एक व्यक्ति को अवैध रूप से आधे घंटे तक लॉकअप में बंद करके रखा गया। दिल्ली हाईकोर्ट ने जब कानून के अनुसार समीक्षा की तो उसे गलत पाया। दिल्ली हाईकोर्ट ने जिम्मेदार पुलिस अधिकारियों पर 50000 रूपये का मुआवजा देने का आदेश दिया। हाईकोर्ट ने अपने आदेश में यह भी कहा, कि अधिकारियों का बर्ताव डरावना था। मुआवजा राशि दोषी पुलिस अधिकारियों के वेतन से काटने का आदेश हाईकोर्ट ने दिया है। आम आदमी न्याय पाने के लिए न्यायालयों तक नहीं पहुंच पाता है। जो पहुंच पाते हैं, वह वर्षों तक न्यायालय के चक्कर लगाते हैं। वकीलों को फीस देते हैं, उसके बाद अपील दर अपील न्यायालय के चक्कर लगाते हुए बुड्ढे हो जाते हैं। फिर खुद व खुद प्रताड़ना से तंग होकर उसे अपना भाग्य मानकर चुपचाप होकर बैठ जाते हैं। देश में इस तरह के हजारों मामले प्रतिदिन सामने आते हैं। जिसमें पुलिस, जांच एजेंसियां, कर विभाग के अधिकारी तथा शासकीय कार्यालय में पदस्थ अधिकारी और कर्मचारी मनमाने तरीके से आम आदमी को तरह-तरह से प्रताड़ित करते हैं। सरकार द्वारा बनाए गए कानून के ठीक विपरीत सरकारी अधिकारी और कर्मचारी काम करते हुए, भ्रष्टाचार में लिप्त हो जाते हैं। अवैध कमाई करते हैं, दिनों दिन यह कृत्य बढ़ता ही जा रहा है। कोई भी सरकार आई और गई। सुप्रीमकोर्ट और हाईकोर्ट के कितने भी निर्णय आए। लेकिन स्थितियों में कोई बदलाव देखने को नहीं मिलता है। सबसे ज्यादा प्रताड़ना पुलिस और जांच एजेंसियों की कार्रवाई से हो रही है। सीआरपीसी की धारा 41 के तहत गिरफ्तारी करने का अधिकार पुलिस के पास है। गिरफ्तारी से पहले पुलिस को धारा 154 के तहत एफआईआर करना आवश्यक है। जिस व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। उसे 24 घंटे के अंदर मजिस्ट्रेट के सामने पेश करने की बाध्यता कानून में है। एफआईआर दर्ज होने के बाद वारंट जारी करने का अधिकार न्यायालय को है। यदि मौके पर किसी आरोपी को गिरफ्तार किया जाता है, तो उसकी गिरफ्तारी की सूचना परिवारजनों को दिए जाने का प्रावधान है। भारतीय संविधान ने अनुच्छेद 21-22 के तहत नागरिकों के मौलिक अधिकार की परिभाषा दी है। यदि पुलिस अधिकारी उसका उल्लंघन करते हैं। मौलिक अधिकारों का उल्लंघन होने की दशा में नागरिकों को अधिकार है, कि वह मुआवजे के लिए अनुच्छेद 32 के तहत सुप्रीम कोर्ट अथवा अनुच्छेद 226 के तहत हाईकोर्ट में जाकर हुए नुकसान के लिए मुआवजों की मांग कर सकता है। सरकार कोई भी ऐसा कानून अथवा नियम नहीं बन सकती है, जो मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करता हो। कार्यपालिका के अधिकारी भी ऐसा कोई आदेश जारी नहीं कर सकते हैं, जो मौलिक अधिकारों का हनन करता हो। पुलिस भी किसी भी नागरिक को पूछताछ के नाम पर या हिरासत में अनावश्यक रूप से नहीं रख सकती है। उसके लिए भी नियम कानून बने हुए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने समय-समय पर अपने आदेशों द्वारा परिभाषित भी किया है। इसके बाद भी सरकारी अधिकारियों का रवैया बड़ा डरावना है। वह मनमर्जी से जो चाहते हैं, वह करते हैं। आधिकारियों द्वारा की गई कार्यवाही को ही कानून मान लिया जाता है। एनसीआरबी के अनुसार 2001 से 2020 तक पुलिस हिरासत में 1888 लोगों की मौत हुई है। पुलिस हिरासत में मौत हजारों की संख्या में हुई, लेकिन 26 पुलिस कर्मियों को ही दोषी मानकर सजा दी गई है। जो परिवार प्रताड़ित हुए, उन्हें मुआवजा के लिए अलग से लड़ाई लड़ना पड़ती है। बहुत कम मामले ऐसे होते हैं, जिनमें न्यायालय मुआवजा दिए जाने के आदेश करती हैं। पुलिस और जांच एजेंसियां कानून और नियमों का उल्लंघन करके मनमाने तरीके से लोगों को हिरासत में रखते और बाद में न्यायिक हिरासत में महीनो और वर्षों तक बंद करके रखती हैं। न्यायालय से निर्दोष साबित हो जाने के बाद जब वह बाहर तो आते हैं। इस तरह की अवैध कार्रवाई के कारण हजारों निर्दोष परिवार बर्बाद होकर आर्थिक एवं सामाजिक दृष्टि से बिखर चुका होता है। जेल जाने के कारण उन्हें आगे का जीवन जीने में भारी मुसीबतों का सामना करना पड़ता है। कहा जा सकता है, कि न्याय कानून और नियम जो कानून की किताबों में लिखे हुए हैं। वह बड़े आदमियों की रक्षा करने के लिए होते हैं। आम आदमी के लिए तो वही कानून लागू होते हैं, जो अधिकारी चाहते हैं। न्यायालय में अपने हक की लड़ाई लड़ना भी आम आदमी के लिए संभव नहीं है। वकीलों की महंगी फीस और न्यायालयों मैं लगने वाला शुल्क आम आदमी तक न्याय पहुंचने ही नहीं देता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत का कोयला आयात अगस्त में 12 प्रतिशत कम हुआ

नई दिल्ली । इस साल अगस्त में भारत का कोयला आयात सालाना आधार पर 12.08 प्रतिशत घटकर 1.82 करोड़ टन रह गया। पिछले साल अगस्त में यह आंकड़ा 2.07 करोड़ टन था। जानकारी के अनुसार ई-कॉमर्स फर्म एमजंक्शन सर्विसेज लिमिटेड के आंकड़ों की मानें तो अप्रैल से अगस्त के दौरान कुल कोयला आयात भी 10.3 प्रतिशत घटकर 10.39 करोड़ टन रह गया, जो एक साल पहले इसी अवधि में 11.59 करोड़ टन था। अगस्त में गैर-कोकिंग कोयले का आयात 1.05 करोड़ टन था, जबकि एक साल पहले यह आंकड़ा 1.38 करोड़ टन था। इस दौरान कोकिंग कोयले का आयात 46.2 लाख टन था। इस मामले में एमजंक्शन के प्रबंध निदेशक और सीईओ विनय वर्मा ने कहा कि गैर-कोकिंग कोयले के आयात में (अगस्त 2023 तक) लगभग दो करोड़ टन की भारी गिरावट आई है। हालों कि ऐसा घरेलू उपलब्धता बढ़ने के चलते हुआ। उन्होंने ये रुझान आगे भी जारी रहने की उम्मीद जताई है।

स्थानीय और वैश्विक ग्राहकों के लिए भारत में विस्तार कर रहा है एस्सार का ब्लैक बॉक्स

बेंगलुरु। प्रौद्योगिकी और खुदरा क्षेत्र में एक प्रमुख निवेश के रूप में एस्सार के ब्लैक बॉक्स ने हाल ही में बेंगलुरु में एक अत्याधुनिक सेंटर ऑफ एक्सलेंस स्थापित किया है। यह सेंटर वैश्विक ग्राहकों के लिए डिज़ाइन किया गया है और ग्राहकों की विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए उन्नत अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशाला, कमांड सेंटर, सर्विस डेस्क और कस्टमाइज्ड डिलीवरी ऑपरेशन से सुसज्जित है। ब्लैक बॉक्स कॉरपोरेशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) संजीव वर्मा ने कहा, भारत हमारे लिए एक बाजार के रूप में महत्वपूर्ण स्थान रखता है, जो भारतीय समूहों और वैश्विक ग्राहकों दोनों को सेवा प्रदान करता है। भारत में हमारी विकास क्षमता पर हमारा सकारात्मक दृष्टिकोण है और हम यहां निवेश करना जारी रखेंगे। भारत सरकार द्वारा चल रही डिजिटलीकरण पहल और डेटा सेंटर की मजबूत मांग ऐसे क्षेत्र हैं जिनका हाइपर-स्केल ग्राहकों के साथ काम करने में हमारी विशेषज्ञता को देखते हुए हम मूल्यांकन करना चाहते हैं। कंपनी विकास को गति देने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में अपने कार्यबल का विस्तार करने के लिए प्रतिबद्ध है और 500 नई नौकरियों को जोड़कर अपने बेंगलुरु सेंटर ऑफ एक्सलेंसको बढ़ाने के लिए एक स्पष्ट योजना की रूपरेखा तैयार की है। भारत में ब्लैक बॉक्स की 37 वर्षों से अधिक समय से मौजूदगी है, जो पहले एजीसी नेटवर्क्स के नाम से संचालित होता था। 35 से अधिक देशों तक फैले वैश्विक फुटप्रिंट के साथ, कंपनी भारत में बैंकिंग, वित्तीय सेवाओं, बीमा, विनिर्माण और सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी)/आईटी-सक्षम सेवाएं सहित विभिन्न क्षेत्रों में सम्मानित ग्राहकों को सेवा प्रदान करती है। वर्मा ने कहा, इनमें से कई ग्राहकों ने अच्छी ग्रोथ का अनुभव किया है और कई क्षेत्रों में अपने परिचालन का विस्तार किया है। उन्होंने हमारे मजबूत रिश्तों और हमारे द्वारा लगातार दिए जाने वाले ठोस परिणामों से प्रेरित होकर ब्लैक बॉक्स के साथ साझेदारी करना चुना है। ब्लैकबॉक्स संयुक्त राज्य अमेरिका में बैंकिंग, बीमा, स्वास्थ्य सेवा, विनिर्माण, वितरण, ऊर्जा और यूटिलिटीज सहित उद्योग क्षेत्रों की एक विस्तृत श्रृंखला के ग्राहकों को सेवा प्रदान करता है। वर्मा ने कहा, हमारा सबसे बड़ा बाजार, कई अन्य प्रौद्योगिकी कंपनियों की तरह, संयुक्त राज्य अमेरिका है। अमेरिका में, हम प्रबंधित विस्तारित पहचान और प्रतिक्रिया सेवाओं, एंडपॉइंट पहचान और प्रतिक्रिया सेवाओं और भेद्यता प्रबंधन सेवा सहित कई सेवाओं की एक श्रृंखला प्रदान करते हैं। हम राजस्व और मुनाफा बढ़ाने पर फोकस करते हुए अमेरिका में सक्रिय रूप से विस्तार और निवेश कर रहे हैं। हम अपने मजबूत बैकलॉग और पाइपलाइन के कारण दोहरे अंक की वृद्धि हासिल करने की उम्मीद करते हैं। ब्लैक बॉक्स भारत सरकार द्वारा निर्धारित डिजिटल इंडिया पहल का लाभ उठाने के लिए रणनीतिक रूप से तैयार है। कंपनी की दृढ़ प्रतिबद्धता अत्याधुनिक डिजिटल बुनियादी ढांचे समाधान प्रदान करने के लिए व्यवसायों के साथ सक्रिय रूप से सहयोग करने तक फैली हुई है, चाहे वे भारत में स्थित हों या विश्व स्तर पर संचालित हों।

कर्ज में डूबे अनिल अंबानी की कंपनी को 922 करोड़ के टैक्स का नोटिस

नई दिल्ली ।

भारी कर्ज में डूबे उद्योगपति अनिल अंबानी की मुश्किलें बढ़ गई हैं। उनकी कंपनी रिलायंस कैपिटल की रिलायंस जनरल इंश्योरेंस को डीजीजीआई ने 922.58 करोड़ रुपये टैक्स डिमांड भेजा है। कंपनी को इस बारे में कई कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं। रिलायंस कैपिटल अभी इनसॉलवेंसी में है। हिंदूजा ग्रुप ने उसके लिए सबसे बड़ी बोली लगाई है लेकिन अभी इसके लिए सुप्रीम कोर्ट की मंजूरी का इंतजार है। पहले दौर में सबसे बड़ी बोली लगाने वाली कंपनी टॉरेंट ग्रुप ने इसे सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। डीजीजीआई ने 4 अलग-अलग मामलों में रिलायंस जनरल इंश्योरेंस कंपनी को टैक्स नोटिस भेजे हैं। इनमें 478.84 करोड़, 359.70 करोड़, 78.66 करोड़ और 5.38 करोड़ रुपये टैक्स की डिमांड की गई है। ये नोटिस रि-इंश्योरेंस और को-इंश्योरेंस से आने वाले रेवेन्यू से संबंधित हैं। इस बारे में कंपनी को भेजे गए ईमेल का कोई जवाब नहीं आया है। प्रॉफिट में चल रही इस कंपनी की रिलायंस कैपिटल की कुल वैल्यू में 70 परसेंट हिस्सेदारी है। बैंकरों का कहना है कि इससे कंपनी की वैल्यूएशन पर असर पड़ सकता है। हिंदूजा ग्रुप ने 9 हजार 800 करोड़ रुपये का ऑफर दिया है। इसमें करीब 20 फाइनेंशियल सर्विसेज कंपनियां हैं। इनमें सिक्योरिटीज ब्रोकिंग, इंश्योरेंस और एक एआरसी शामिल है। आरबीआई ने कर्ज में डूबी रिलायंस कैपिटल के बोर्ड को 30 नवंबर 2021 को भंग कर दिया था और इसके खिलाफ इनसॉल्वेंसी प्रॉसीडिंग शुरू की थी। पहले राउंड में टॉरेंट इन्वेस्टमेंट ने इसके लिए 8,640 करोड़ रुपये की सबसे बड़ी बोली लगाई थी।

चीन के स्मार्टफोन बाजार में 2023 के पहले आठ महीनों में गिरावट : रिपोर्ट

नई दिल्ली। चीन के उद्योग और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा प्रकाशित आंकड़ों के अनुसार, चीन में स्मार्टफोन बाजार में इस साल के पहले आठ महीनों में गिरावट देखी गई है, जनवरी से अगस्त तक केवल 679 मिलियन डिवाइस का निर्माण हुआ, जो 2022 की इसी अवधि से 7.5 प्रतिशत कम है। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, काउंटरपॉइंट रिसर्च का कहना है कि देश में स्मार्टफोन की बिक्री भी धीमी हो गई है, 2023 के पहले आठ महीनों में 4 प्रतिशत (साल दर साल) की गिरावट आई है। जून तिमाही में, चीन की स्मार्टफोन खपत 2014 के बाद से दूसरी तिमाही की सबसे कम बिक्री के आंकड़े पर गिर गई, क्योंकि व्यापक आर्थिक प्रतिकूलताओं ने उपभोक्ता भावनाओं पर असर डाला। हालांकि, 2023 के शेष समय में बाजार के परिदृश्य में सुधार की उम्मीद है। अपकमिंग विंटर सेल्स सीजन के साथ-साथ हुवाई और एप्पल द्वारा नए 5जी स्मार्टफोन जारी करने से इंडस्ट्री को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। रिपोर्ट में कहा गया है कि हुआवेई के मेट 60 प्रो सीरीज 5जी हैंडसेट ने विशेष रूप से चीनी स्मार्टफोन बाजार का आत्मविश्वास बढ़ाया है। काउंटरप्वाइंट के अनुसार, साल के अंत तक हुआवेई के लेटेस्ट 5जी स्मार्टफोन की कुल बिक्री पांच से छह मिलियन यूनिट के बीच होगी। हुआवेई का बड़ा घरेलू हार्मोनीओएस यूजर बेस इस ऑप्टिमिस्टिक फोरकास्ट में योगदान देने वाला एक फैक्टर है। कंपनी के नए 5जी डिवाइस से नए कस्टमर्स को आकर्षित करने और अन्य ब्रांडों पर स्विच करने वाले पूर्व यूजर्स को वापस लौटने के लिए आकर्षित करने की उम्मीद है। पिछले साल की समान अवधि की तुलना में इस साल के पहले आठ महीनों में हुआवेई के स्मार्टफोन की बिक्री 41 प्रतिशत बढ़ी है।

केंद्र ने स्पष्ट किया, ई-गेमिंग कंपनियों पर जीएसटी पूर्व प्रभाव से लागू नहीं है

नई दिल्ली।

केंद्र सरकार ने राज्यों को स्पष्ट किया है कि ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों पर वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) पूर्व तिथि से नहीं लगाया जा रहा है क्योंकि पुराने कानून के तहत सट्टेबाजी में शामिल कुछ ऑनलाइन गेम पर पहले से ही 28 प्रतिशत जीएसटी लगाया जा रहा था।महाराष्ट्र के मंत्री दीपक वसंत केसरकर के अनुसार, 7 अक्टूबर को जीएसटी परिषद की बैठक के दौरान कुछ राज्यों ने ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों पर पूर्व प्रभाव से जीएसटी लगाने का मुद्दा उठाया। हालांकि, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि यह मुद्दा जीएसटी परिषद की बैठक के एजेंडे में नहीं था, लेकिन बैठक खत्म होने के बाद गोवा जैसे कुछ राज्यों ने इसे उठाया। राजस्व सचिव संजय मल्होत्रा ने बैठक के बाद संवाददाता सम्मेलन में एक सवाल के जवाब में कहा, ÷कुछ सदस्यों को सूचित किया गया था कि यह पूर्व प्रभाव से लागू नहीं है और यह पहले से ही कानून था। ये देनदारियां पहले से ही मौजूद थीं क्योंकि पैसे वाले ऑनलाइन गेम दांव के साथ खेले जाते थे... वे पहले से ही सट्टेबाजी या जुए के माध्यम से 28 प्रतिशत जीएसटी के दायरे में थे। कई ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों को कथित तौर पर 55 हजार करोड़ रुपये की कुल राशि के साथ जीएसटी चोरी के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। कई लोगों ने इसे पूर्व तिथि से प्रभावी कराधान करार दिया है और दावा किया है कि नोटिस गेमिंग प्लेटफार्मों के लिए नए कर स्लैब के लिए 1 अक्टूबर 2023 की कार्यान्वयन तिथि से पहले की अवधि से संबंधित हैं। छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री टी.एस. सिंह देव ने यह भी कहा कि परिषद ने अप्रत्यक्ष कर व्यवस्था के तहत ऑनलाइन गेमिंग पर पूर्व प्रभाव से कर लगाने के मुद्दे पर चर्चा की, जिसमें कुछ फर्मों से उनके टर्नओवर से अधिक बकाया की मांग की गई है। दिल्ली की वित्त मंत्री आतिशी ने शनिवार को यह भी कहा कि ऑनलाइन गेमिंग फर्मों पर प्रस्तावित 28 प्रतिशत वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) पूरे भारतीय स्टार्टअप क्षेत्र को खतरे में डाल सकता है, जिससे संभावित रूप से महत्वपूर्ण नौकरियां खत्म हो सकती हैं और विदेशी निवेश प्रभावित हो सकता है।

यदि युद्ध पश्चिम एशिया तक फैला, तो भारत के लिए कच्चे तेल की आपूर्ति व मुद्रास्फीति का जोखिम: अर्थशास्त्री

चेन्नई। वरिष्ठ अर्थशास्त्री इजराइल-हमास युद्ध के भारतीय अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले प्रभाव को लेकर प्रतीक्षा और निगरानी की स्थिति में हैं, जबकि इस बात पर सहमत हैं कि अगर युद्ध पूरे पश्चिम एशिया में फैल गया, तो कच्चे तेल की आपूर्ति में चुनौती हो सकती है। उन्होंने कहा कि प्रभाव पर टिप्पणी करना अभी जल्दबाजी होगी, हालांकि स्थिति पर नजर रखनी होगी। सुमन चौधरी, मुख्य अर्थशास्त्री और अनुसंधान प्रमुख, एक्यूइट रेटिंग्स एंड रिसर्च लिमिटेड ने आईएएनएस को बताया, ÷सबसे बुरी स्थिति में, इस संघर्ष के पूरे पश्चिम एशिया में फैलने और इसमें कई देशों के शामिल होने की भी संभावना है। इससे कच्चे तेल की आपूर्ति में और चुनौतियां पैदा हो सकती हैं, जहां ओपेक प्लस (पेट्रोलियम निर्यातक देशों और अन्य तेल उत्पादक देशों का संगठन) द्वारा आपूर्ति में कटौती के कारण पहले से ही वैश्विक कीमतों में वृद्धि हुई है। चौधरी ने कहा कि भू-राजनीतिक संघर्ष में वृद्धि के साथ, वैश्विक अर्थव्यवस्था और व्यापार को मुद्रास्फीति के जोखिमों के पुनरुत्थान और वैश्विक बाजारों में उच्च अस्थिरता के साथ और मंदी का सामना करना पड़ सकता है, इसके परिणामस्वरूप रुपये पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। चौधरी ने कहा, हालांकि, संघर्ष का प्रत्यक्ष प्रभाव सीमित होने जा रहा है क्योंकि भारत के साथ इजरायल का व्यापार 10 बिलियन डॉलर से थोड़ा अधिक है, वित्त वर्ष 2023 में इजरायल को निर्यात 8.5 बिलियन डॉलर और आयात 2.3 बिलियन डॉलर है। बैंक ऑफ बड़ौदा के मुख्य अर्थशास्त्री मदन सबनवीस ने आईएएनएस से कहा, आर्थिक प्रभाव पहले तेल की कीमत और उसके बाद मुद्रा के माध्यम से देखा जाएगा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की संभावित कार्रवाई पर चौधरी ने कहा कि वह केवल उभरते परिदृश्य पर नजर रखेगा और इस समय कोई कार्रवाई करने की संभावना नहीं है। सबनवीस ने कहा, ÷जैसे-जैसे आरबीआई अधिक सतर्क होगा, बांड पैदावार ऊंची रहेगी। महंगाई का असर उपभोक्ता मूल्य सूचकांक पर नहीं बल्कि थोक मूल्य सूचकांक पर दिखेगा. चूंकि खुदरा ईंधन की कीमतों में बदलाव नहीं किया जाएगा, अगर सरकार इसे अवशोषित करती है तो कच्चे तेल की ऊंची कीमतें तेल विपणन कंपनियों या राजकोषीय पर दिखाई देंगी। चौधरी ने कहा, हालांकि, यह (आरबीआई) ओएमओ (खुले बाजार परिचालन) बिक्री जैसे उपकरणों के माध्यम से सिस्टम में तरलता को सख्त बनाए रखने का प्रयास करेगा, जिसका बांड पैदावार पर असर पड़ सकता है।

भारत में अप्रैल से अगस्त तक मोबाइल फोन निर्यात लगभग दोगुना होकर 5.5 अरब डॉलर रहा

नई दिल्ली: भारत से चालू वित्त वर्ष में अगस्त तक मोबाइल फोन निर्यात लगभग दोगुना होकर 5.5 अरब डॉलर (लगभग 45,700 करोड़ रुपए) हो गया। मोबाइल उद्योग निकाय आईसीईए ने यह जानकारी दी। आईसीईए ने कहा कि भारत से मोबाइल फोन निर्यात अप्रैल-अगस्त 2023 में लगभग तीन अरब डॉलर (लगभग 24,850 करोड़ रुपए) था। नाम उजागर न करने की शर्त पर एक सूत्र ने बताया कि प्रौद्योगिकी कंपनी एप्पल ने 23,000 करोड़ रुपए के आईफोन निर्यात किए, जो कुल निर्यात के आधे से कुछ ज्यादा हैं। हालांकि, इस संबंध में पूछने पर एप्पल से कोई जवाब नहीं मिला। कुल मोबाइल फोन निर्यात पर इंडिया सेलुलर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन (आईसीईए) के चेयरमैन पंकज मोहिंद्रू ने कहा कि भारत से मोबाइल फोन निर्यात में 80 प्रतिशत से अधिक की भारी वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा, भारत जीवीसी (वैश्विक मूल्य श्रंखला) के लिए पसंदीदा स्थान बनने के लिए कड़ी मेहनत कर रहा है। इस पर काम प्रगति पर है और प्रतिक्रिया सकारात्मक है। आईसीईए के अनुमान के अनुसार, वित्त वर्ष 2022-23 में भारत से फोन निर्यात दोगुना होकर 90,000 करोड़ रुपए से अधिक यानी लगभग 11.12 अरब डॉलर हो गया, जो वित्त वर्ष 2021-22 में 45,000 करोड़ रुपए था।

अगस्त में प्लास्टिक एक्सपोर्ट 6.9प्रतिशत घटकर 34.5 अरब अमेरिकी डॉलर रहा: Plexconcil

नई दिल्ली:

कठिन वैश्विक आर्थिक हालात के कारण अगस्त में भारत का प्लास्टिक निर्यात सालाना आधार पर 6.9 प्रतिशत घटकर 34.5 अरब अमेरिकी डॉलर रहा। शीर्ष उद्योग निकाय प्लास्टिक निर्यात संवर्धन परिषद (प्लेक्सकाउंसिल) के अनुसार अगस्त 2022 में कुल प्लास्टिक निर्यात 37.0 अरब डॉलर था। आंकड़ों के अनुसार विभिन्न उत्पाद श्रेणियों में मिश्रित प्रदर्शन रहा, जैसे फ्लोरिंग, चमड़ा, लैमिनेट, मेडिकल प्लास्टिक, उपभोक्ता और घरेलू उत्पाद, फिशनेट और मोनोफिलामेंट, लेखन उपकरण और स्टेशनरी तथा मानव बाल जैसी उत्पाद श्रेणियों में निर्यात बढ़ा। प्लेक्सकाउंसिल के आंकड़ों के अनुसार बुने हुए बोरे, बुने हुए कपड़े, तिरपाल, प्लास्टिक फिल्म व चादर, प्लास्टिक पाइप आदि विविध उत्पादों तथा वस्तुओं के निर्यात में गिरावट आई। निकाय ने कहा कि भारत दुनिया में पॉलीइथाइलीन टेरेफ्थेलेट रेजिन के शीर्ष पांच निर्यातकों में से एक है। प्लेक्सकाउंसिल के कार्यकारी निदेशक श्रीबास दसमोहपात्रा ने कहा, ''फ्लोर कवरिंग, चमड़े के कपड़े और लैमिनेट में 51 प्रतिशत की महत्वपूर्ण वृद्धि देखी गई, ये आमतौर पर अच्छा प्रदर्शन करने वाले उत्पाद खंड हैं। हमें यह जानकर खुशी हो रही है कि यह गति जारी है।

मुफ्त डिलीवरी के साथ सभी प्रोडक्ट पर 150 रुपये तक की छूट देता है पेटीएम से ओएनडीसी नेटवर्क

नई दिल्ली।

पेटीएम ई-कॉमर्स प्राइवेट लिमिटेड (पीईपीएल) ने रविवार को पेटीएम से ओएनडीसी नेटवर्क पर सुपर सेवर वीकेंड ऑफर की घोषणा की। इसके तहत यूजर्स ऑर्डर देते समय डिस्काउंट और एक्सक्लूसिव डील्स पा सकते हैं। कंपनी ओएनडीसी नेटवर्क पर एक अग्रणी खरीदार ऐप है और विभिन्न श्रेणियों में 200 से ज्यादा ब्रांडों की पेशकश करते हुए तेजी से आगे बढ़ रही है। पेटीएम ओएनडीसी फूड पर कंपनी 150 रुपये का फ्लैट डिस्काउंट दे रही है जिसमें फ्री डिलीवरी भी शामिल है। इसी तरह किराना, इलेक्ट्रॉनिक्स, फैशन और एक्सेसरीज और होम एंड किचन एसेंशियल पर, यूजर 250 रुपये के न्यूनतम ऑर्डर पर 125 रुपये की छूट का लाभ उठा सकते हैं। यह ऑफर पूरे भारत में लागू है और 31 अक्टूबर तक वैध है। इसके अलावा, कंपनी 1,000 रुपये और उससे अधिक मूल्य के इलेक्ट्रॉनिक्स पर 10 प्रतिशत की छूट दे रही है। पेटीएम ओएनडीसी नेटवर्क पर लाइव होने वाली पहली कंपनी है और उसने पीईपीएल द्वारा संचालित पेटीएम ऐप पर पेटीएम से ओएनडीसी नेटवर्क लॉन्च किया। पीईपीएल के प्रवक्ता ने कहा, ओएनडीसी नेटवर्क पर सबसे लोकप्रिय खरीदार ऐप के रूप में हम यूजर्स को शीर्ष ब्रांडों पर अद्भुत ऑफ़र के साथ उनके ऑनलाइन खुदरा अनुभव को नया रूप देते हुए, निर्बाध रूप से खरीदारी करने में सक्षम बनाते हैं। इस सुपर सेवर वीकेंड डिस्काउंट सेल के साथ, हमारा लक्ष्य अपने उपयोगकर्ताओं को किफायती कीमतों पर विभिन्न प्रकार के उत्पाद पेश करना है। सरकार द्वारा समर्थित, ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स (ओएनडीसी) देश के मौजूदा ईकॉमर्स ईकोसिस्टम को लोगों तक पहुंचाने के लिए बनाया गया है। बेंगलुरु में लॉन्च होने के बाद से, ओएनडीसी ने दिल्ली-एनसीआर, मुंबई, कोलकाता, चेन्नई, कांचीपुरम, हैदराबाद, बागलकोट और लखनऊ तक अपनी मौजूदगी का विस्तार किया है।

कच्चा तेल सस्ता, पेट्रोल और डीजल में कोई बदलाव नहीं

- ब्रेंट क्रूड 84.43 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली ।

कच्चे तेल में जोरदार तेजी आने के बाद अब गिरावट देखी जा रही है। डब्ल्यूटीआई क्रूड फिलहाल 82.81 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है, जबकि ब्रेंट क्रूड 84.43 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। क्रूड में गिरावट और तेजी से पेट्रोल और डीजल की कीमतें प्रभावित होती हैं। इस बीच इंडियन ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने रविवार के लिए ईंधन की कीमतें निर्धारित कर दी हैं। हालांकि कच्चे तेल में गिरावट आने के बाद भी पेट्रोल और डीजल के भाव में कोई ज्यादा बदलाव देखने को नहीं मिला है, इसलिए देशभर में ईंधन की कीमतें स्थिर बनी हुई हैं। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 97.28 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, उत्तर प्रदेश में पेट्रोल 96.53 रुपए और डीजल 89.71 रुपए प्रति लीटर हो गया है। मध्य प्रदेश में 108.67 रुपए और डीजल 93.93 रुपए प्रति लीटर हो गया है। बिहार में पेट्रोल 107.24 रुपए और डीजल 94.04 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

राजस्थान में पेट्रोल 108.48 रुपए और डीजल 93.72 रुपए प्रति लीटर हो गया है। छत्तीसगढ़ में पेट्रोल 102.45 रुपए और डीजल 95.44 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

एक्स यूजर्स क्लिकबैट विज्ञापन से हुए परेशान, ब्लॉक और रिपोर्ट करने का नहीं हैं ऑप्शन

सैन फ्रांसिस्को।

एलन मस्क के स्वामित्व वाले एक्स कॉर्प ने कथित तौर पर क्लिकबैट विज्ञापन लॉन्च किए हैं, जिन्हें यूजर्स न तो ब्लॉक कर सकते है और न ही रिपोर्ट। ऐसे में वे प्लेटफॉर्म पर पैसे कमाने के नए तरीके से परेशान हो गए हैं। मिसरेबल ने बताया कि एक्स यूजर्स के सामने स्क्रॉल करते समय अपने फीड में बिना लेबल वाले विज्ञापन आ रहे हैं। जब यूजर्स उन विज्ञापनों पर टैप करते हैं तो वे उन्हें थर्ड-पार्टी वेबसाइट्स पर ले जाते हैं, जहां उन्हें ब्लॉक करने या रिपोर्ट करने का कोई तरीका नहीं होता है। रिपोर्ट में कहा गया है, नए विज्ञापनों से यह भी पता नहीं चलता कि विज्ञापनदाता कौन है या वे विज्ञापन भी हैं।पिछले कुछ दिनों में कई एक्स यूजर्स ने अपने फॉर यू फीड में एक नए प्रकार के विज्ञापन को देखने की रिपोर्ट करने के लिए मैशेबल से संपर्क किया है, जो पहले प्लेटफॉर्म पर उनके सामने नहीं आया था।

ये नए एक्स विज्ञापन यूजर्स को विज्ञापन पोस्ट को लाइक या रीट्वीट करने की अनुमति नहीं देते हैं।

नए विज्ञापन प्रारूप से यह भी पता नहीं चलता कि विज्ञापन के पीछे कौन है। रिपोर्ट में कहा गया है कि विज्ञापनों में प्रमोट किए जा रहे कंटेंट का प्रकार स्पैमयुक्त, लो क्वालिटी चुमबॉक्स विज्ञापन में पाए जाने वाले एडवरटाइजिंग के अनुरूप प्रतीत होता है। ये विज्ञापन अब एक्स मोबाइल ऐप्स पर यूजर्स को दिखाए जा रहे हैं। विज्ञापन राजस्व में गिरावट से निपटने के लिए, एक्स ने थर्ड-पार्टी के विज्ञापनदाताओं के साथ साझेदारी की है।सामान्य विज्ञापनों के विपरीत, जो केवल एक्स खातों से पोस्ट होते हैं और उन पर विज्ञापन लेबल होता है, इन नए विज्ञापनों में उनके साथ कोई खाता संबद्ध नहीं होता है। एक्स सीईओ लिंडा याकारिनो ने पिछले महीने कहा था कि कंपनी 2024 की शुरुआत तक लाभदायक होगी, उन्होंने कहा कि प्लेटफॉर्म पर अब 200-250 मिलियन डेली एक्टिव यूजर्स हो सकते हैं। याकारिनो ने कहा कि शीर्ष 100 विज्ञापनदाताओं में से 90 प्रतिशत अकेले पिछले 12 हफ्तों में प्लेटफॉर्म पर लौट आए हैं। उनके अनुसार, लगभग 1,500 विज्ञापनदाता प्लेटफॉर्म पर लौट आए हैं।

एक्स ने अभी तक अपने 13 वर्षों में वार्षिक लाभ की घोषणा नहीं की है, और मुनाफा बनाए रखने के लिए संघर्ष किया है।

IIFCL ने विमानन अवसंरचना के लिए 8,800 करोड़ रुपए के ऋण को दी मंजूरी

नई दिल्ली:

इंडिया इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस कंपनी लिमिटेड (आईआईएफसीएल) ने देश में हवाई अड्डों और नागरिक विमानन अवसंरचना के विकास के लिए 8,800 करोड़ रुपए के ऋण मंजूर किए हैं। आईआईएफसीएल के प्रबंध निदेशक पी आर जयशंकर ने बताया कि सरकार का देश में नागरिक विमानन क्षेत्र को विकसित करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य है और इस सपने को साकार करने के लिए बड़े निवेश की जरूरत है। उन्होंने कहा, ''अभी तक आईआईएफसीएल ने हवाई अड्डा परियोजनाओं के विकास के लिए करीब 4,000 करोड़ रुपए के वितरण के साथ करीब 8,800 करोड़ रुपए के ऋण स्वीकृत किए हैं। उन्होंने बताया कि कंपनी भारत में हवाई अड्डों के प्रमुख निवेशकों में से एक है और उसने करीब 74,000 करोड़ रुपए के कुल परियोजना परिव्यय के साथ हवाई अड्डों का समर्थन किया है। जयशंकर ने कहा कि देश के करीब सभी प्रमुख हवाई अड्डों के विकास में आईआईएफसीएल का

योगदान है। हवाई अड्डा क्षेत्र के महत्व को रेखांकित करते हुए जयशंकर ने कहा कि यह अर्थव्यवस्था और रोजगार सृजन में सकारात्मक प्रभाव डालने की क्षमता रखता है। उन्होंने कहा कि भारत में हवाई यात्रा की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए उसके बुनियादी ढांचे की क्षमता बढ़ाना जरूरी हो गया है। नेशनल इंफ्रास्ट्रक्चर पाइपलाइन (एनआईपी) के अनुसार, वित्त वर्ष 2025 तक पांच वर्षों में नागरिक विमानन क्षेत्र के लिए करीब 91,000 करोड़ रुपए के पूंजीगत व्यय की परिकल्पना की गई है।

विश्व कप में सबसे ज्यादा रन बनाएंगे शुभमन : जहीर

चेन्नई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व तेज गेंदबाज जहीर खान ने युवा बल्लेबाज शुभमन गिल की प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह इस विश्वकप में सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी बनेंगे। शुभमन के लिए यह साल अबतक काफी अच्छा रहा है और उन्होंने एकदिवसीय में जमकर रन बनाये हैं। शुभमन ने 20 एकदिवसीय मैचों में सबसे ज्यादा 1,230 से अधिक रन बनाये हैं। उनका औसत प्रभावशाली 72.35 और स्ट्राइक रेट 105.03 का है। विश्वकप से ठीक पहले हुए एशिया कप में इस बल्लेबाज ने सबसे ज्यादा रन बनाये थे। आईसीसी क्रिकेट में वह डेंगू के कारण शुरुआती मैच में शायद ही खेल पायें। पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा कि वह शुभमन को विश्व कप में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी के रूप में देखते हैं। उन्होंने कहा, उसके इस साल के अब तक के प्रदर्शन को देखें। यह साल उसके लिए अभूतपूर्व वर्ष रहा है। वह सभी प्रारूपों में शतक, दोहरे शतक बना रहा है। ऐसे में अब वह इस टूर्नामेंट में भी शीर्ष स्कोरर बनेगा। उसमें क्षमताएं हैं। उसने पिछले काफी समय से शीर्ष क्रम में बल्लेबाजी करते हुए जमकर रन बनाये हैं।

एशियाई खेलों में 107 पदकों के साथ भारत का अभियान समाप्त, अंतिम दिन जीते 12 पदक

सत्सिकसाईराज और चिराग ने बैडमिंटन में जीता स्वर्ण

हांगझोऊ ।

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों सत्सिकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीता है। सत्सिकसाईराज और चिराग ने पुरुष युगल जोड़ी बैडमिंटन स्पर्धा में ये स्वर्ण पदक जीता है। यह बैंडमिंटन में भारत का पहला स्वर्ण पदक है। वहीं इसके अलावा तीरंदाजी व कबड्डी में दो-दो पदक के साथ ही भारत ने अंतिम दिन 6 स्वर्ण सहित 12 पदक जीते है। इस प्रकार भारत ने 19 वें एशियाई खेलों में कुल 107 पदक जीतकर अपना अभियान समाप्त किया। यह पहली बार है जब भारत ने एशियाई खेलों में इतने अधिक पदक जीते हैं। भारत ने इन खेलों में इस बार 28 स्वर्ण, 38 रजत और 41 कांस्य पदक जीते है। इससे पहले भारत ने सबसे अधिक 70 पदक ही एशियाई खेलों के इतिहास में जीते थे। सत्सिकसाईराज और चिराग ने खिताबी मुकाबले में अपना पहला स्वर्ण जीतने के लिए दक्षिण कोरियाई जोड़ी को सीधे सेटों में हराया। वहीं भारतीय कबड्डी टीम ने एक अधिकारियों की एक गलती को लेकर विरोध प्रदर्शन किया जिससे खेल एक घंटे रुका।

इसके बाद अधिकारियों ने उस गलती की समीक्षा के बाद भारतीय टीम को सही पाते हुए विजेता घोषित कर दिया। जिसके बाद ईरानी टीम ने भी विरोध किया। अंत में भारतीयों को ही अंक मिला जिसेस ईरानी टीम के खिलाड़ी नाराज हो गये। इससे पहले शनिवार को भारत पदक तालिका में चौथे स्थान पर रहा, जिसमें 107 - 28 स्वर्ण, 38 रजत और 41 कांस्य शामिल थे। वहीं मेजबान चीन 382 पदकों के साथ नंबर एक पर है।

उसके 200 स्वर्ण, 111 रजत और 71 कांस्य पदक हैं। वहीं जापान 186 पदकों - 51 स्वर्ण, 66 रजत और 69 कांस्य - के साथ दूसरे स्थान पर रहा, जबकि दक्षिण कोरिया गणराज्य 190 पदकों के साथ तीसरे स्थान पर रहा, जिनमें से 42 स्वर्ण, 59 रजत और 89 कांस्य थे। वहीं कंपाउंड तीरंदाजों में सुरेखा वेन्नम और ओजस प्रवीण डिओटेबल ने महिलाओं और पुरुषों की व्यक्तिगत स्पर्धाओं में स्वर्ण पदक जीते जो ओलंपिक खेलों में नहीं है। वहीं महिला कबड्डी टीम ने भी स्वर्ण पदक जीतकर अपनी गरिमा बहाल की। इसके अलावा महिलाओं के बाद पुरुष क्रिकेट टीम ने भारत के लिए स्वर्ण पदक जीता। इस प्रकार भारत को एक ही दिन में छह स्वर्ण पदक मिले। वहीं भारतीय पहलवान दीपक पुनिया ने चार रजत पदकों में से एक जीता। वहीं तीरंदाजी में अभिषेक वर्मा को फइनल में देवताले से हारने के बाद रजत पदक मिला। शतरंज में भारत को दो रजत पदक मिले। डी. गुकेश, आर.ओ. प्रज्ञानंद, ई. अर्जुन, विदित संतोष गुजराती और पेंटाला हरिकृष्णा की पुरुष टीम ईरान के बाद दूसरे स्थान पर रही, जबकि उज्बेकिस्तान ने कांस्य पदक जीता। वहीं महिला टीम ने मेजबान चीन को हराकर रजत पदक जीता।

15 से 17 अक्तूबर तक आईओसी सत्र की मेजबानी करेगा भारत , नीता अंबानी की रही है अहम भूमिका

नई दिल्ली ।

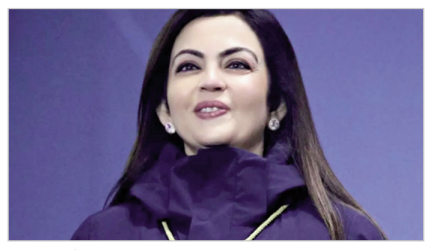

मुंबई में 15 से 17 अक्तूबर, 2023 तक अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के 141वें सत्र का आयोजन होगा। वहीं माना जा रहा है कि ये ओलंपिक खेलों को भारत में लाने की दिशा में पहला कदम है। वहीं आईओसी सत्र की मेजबानी मिलने पर इसकी पहली भारतीय निजी सदस्य नीता अंबानी ने कहा था खेल हमेशा दुनिया भर के लाखों लोगों के लिए उम्मीद और प्रेरणा के प्रतीक रहे हैं। हम आज दुनिया के सबसे युवा देशों में से एक हैं और मैं भारत के युवाओं को ओलंपिक से परिचय कराने को लेकर बेहद उत्साहित हूं। हम आने वाले समय में ओलंपिक खेलों की मेजबानी करना चाहते हैं। आईओसी सत्र इन खेलों की मेजबानी की दिशा में पहला कदम माना जाता है। गौरतलब है कि आईओसी सत्र ही ओलंपिक खेलों पर निर्णय लेने वाली शीर्ष संस्था है। इसमें ओलंपिक चार्टर को अपनाना या संशोधित करना, आईओसी सदस्यों और पदाधिकारियों का चुनाव करना और ओलंपिक के मेजबान शहर का चुनाव शामिल है। जिस प्रकार क्रिकेट को ओलंपिक में शामिल किए जाने की चर्चाएं हैं और अगर इसे 2028 के लॉस एंजिल्स ओलंपिक खेलों में शामिल करने का फैसला होता है, तो इसकी घोषणा मुंबई के ही इस आईओसी सत्र में ही होगी। आईओसी सत्र के दौरान भारत आने वाली दुनिया की जानी मानी खेल हस्तियों की एक लंबी सूची है। इसमें अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक कमेटी के प्रेसिडेंट थॉमस बाख, फुटबॉल की शीर्ष संस्था फीफा के अध्यक्ष जियानी इन्फैनटिनो, इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ एथलेटिक्स फेडरेशन के प्रेसिडेंट सेबस्टियन को, मोनाको के राजकुमार अल्बर्ट द्वितीय और पोल वॉल्ट चैंपियन येलेना इसिनबायेवा जैसी हस्तियां शामिल हैं। इससे पहले 1983 में नई दिल्ली ने आईओसी सत्र के 86वें संस्करण की मेजबानी की थी। उसके बाद भी भारत ओलंपिक में जगह हासिल नहीं कर पाया।

बीडब्ल्यूएफ विश्व जूनियर चैंपियनशिप में आयुष शेट्टी ने जीता कांस्य

स्पोकेन (अमेरिका)। बीडब्ल्यूएफ विश्व जूनियर चैंपियनशिप में आयुष शेट्टी ने अपना अभियान और शानदार प्रदर्शन रविवार को कांस्य पदक के साथ समाप्त किया। एक करीबी मुकाबले में आयुष का सामना टूर्नामेंट के चौथे वरीय इंडोनेशिया के अल्वी फरहान से हुआ। पहले गेम में भारतीय और उनके प्रतिद्वंद्वी के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला और स्कोर 16-16 से बराबर रहा। हालांकि, अंतिम क्षणों में उनके प्रतिद्वंद्वी ने बढ़त हासिल कर ली और आयुष 18-21 के स्कोर के साथ गेम हार गए। आयुष बीडब्ल्यूएफ विश्व जूनियर चैंपियनशिप में पदक जीतने वाले 10वें भारतीय और ऐसा करने वाले 8वें पुरुष एकल शटलर बने। भारत ने प्रतियोगिता में 11 पदक जीते हैं, जिसमें साइना नेहवाल ने क्रमशः 2006 और 2008 में रजत और स्वर्ण पदक का योगदान दिया था। भारत के एस शंकर मुथुसामी सुब्रमण्यम ने 2022 में स्पेन में आयोजित विश्व जूनियर चैंपियनशिप के पिछले संस्करण में पुरुष एकल में रजत पदक जीता था।

एशियाई खेल : अनहत सबसे युवा तो जग्गी सबसे उम्रदराज भारतीय पदक विजेता

हांगझोऊ ।

जैसे ही भारत शनिवार को हांगझू में 19वें एशियाई खेलों में 100 पदक के आंकड़े पर पहुंचा, स्क्वैश खिलाड़ी अनहत सिंह और ब्रिज के दिग्गज जग्गी शिवदासानी ने एक इतिहास रच दिया। 15 साल की उम्र में अनहत, हांगझोउ में पदक जीतने वाले सबसे कम उम्र की भारतीय हैं, जबकि जग्गी, 65 की उम्र में एशियाई खेलों के इस संस्करण में पदक जीतने वाले सबसे उम्रदराज भारतीय बने। अनहत, जिनका जन्म 13 मार्च 2008 को हुआ था, उस भारतीय टीम का हिस्सा थीं जिसने महिला टीम और मिश्रित युगल स्पर्धाओं में कांस्य पदक जीता था। शिवदासानी, जिनका जन्म 16 फरवरी 1958 को हुआ था, ने ब्रिज में पुरुष टीम स्पर्धा जीतने वाली भारतीय टीम के हिस्से के रूप में रजत पदक जीता। अभय सिंह के साथ मिश्रित युगल में कांस्य पदक का जीतने के बाद अनहत ने कहा, सामान्य तौर पर पदक जीतना वास्तव में बहुत अच्छा था। इतनी उम्र में कांस्य पदक जीतना बहुत बड़ी बात है। इससे मुझे थोड़ी खुशी होती है, लेकिन यह बेहतर होता अगर हम स्वर्ण पदक जीतते या रजत।

एशियाई खेलों में जग्गी का यह दूसरा पदक है। वह उस टीम का हिस्सा थे जिसने 2018 में इंडोनेशिया में कांस्य पदक जीता था जब ब्रिज ने खेलों में पदार्पण किया था। शिवदासानी ने कहा कि यह 2018 से भारत के लिए एक सुधार है और इसलिए वे फाइनल हारने से निराश नहीं हैं। उन्होंने कहा, आप बहुत निराश नहीं हो सकते। हमें पिछली बार (जकार्ता-पालेमबांग 2018 में) कांस्य पदक मिला था, और शुरुआत में, अगर आपने मुझसे कहा होता कि हमें रजत पदक मिलेगा, तब मैंने इस ले लिया होता और कहा होता चलो नहीं खेलें। दिलचस्प बात यह है कि स्क्वैश और ब्रिज दोनों ओलंपिक खेलों का हिस्सा नहीं हैं, इन दोनों खेलों को नियंत्रित करने वाले दोनों अंतरराष्ट्रीय महासंघों ने दर्जा पाने के लिए कई प्रयास किए हैं। शिवदासानी ने कहा कि ब्रिज को ओलंपिक खेल के रूप में मंजूरी मिल गई है, लेकिन वह स्लॉट का इंतजार कर रहा है। उन्होंने कहा कि उन्हें नहीं पता कि अगर ओलंपिक में जगह मिलती है, तब वह वहां मौजूद रहने वाले हैं, या नहीं। उन्होंने कहा, इस एक ओलंपिक खेल के रूप में मंजूरी दे दी गई है, लेकिन जाहिर तौर पर इसके लिए कोई जगह नहीं है। मुझे नहीं पता कि मैं अभी भी आसपास रहूंगा या नहीं। लेकिन मुझे उम्मीद है कि यह एक ओलंपिक खेल बन जाएगा। कुछ मौकों पर स्क्वैश ओलंपिक खेलों में शामिल होने के करीब पहुंच गया है। स्क्वैश 2012 लंदन गेम्स और 2016 रियो डी जेनेरो गेम्स के लिए शामिल होने से चूक गया जैसे कि गोल्फ और रग्बी सेवन्स को चुना गया। ब्यूनस आयर्स में 125वें आईओसी सत्र में, आईओसी ने स्क्वैश या बेसबॉल/सॉफ्टबॉल के बजाय कुश्ती के लिए मतदान किया।

संक्षिप्त समाचार

सचिन की तरह विश्व कप जीतना चाहते हैं रोहित

चेन्नई । भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है कि वह भी महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर की तरह विश्व कप जीतना चाहते हैं। सचिन साल 2011 की विश्वकप विजेता भारतीय टीम का हिस्सा थे। वहीं रोहित ने 2007 टी20 विश्व कप और 2013 आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी की विजेता टीम में शामिल रहे हैं पर एकदिवसीय विश्वकप विजेता टीम का हिस्सा वह नहीं रहे हैं। रोहित के अनुसान सचिन का कहना था कि जब तक वह विश्व कप नहीं जीत जाते, उनका काम अधूरा ही रहेगा। इसी से पता चलता है कि ये कितना अहम है। इसी प्रकार मैं भी ये विश्वकप जीतना चाहता हूं कयोंकि यह आपके करियर का सबसे बड़ा पुरस्कार है। साथ ही कहा कि इससे हासिल करने के लिए हमें संयम से खेलना होगा। रोहित ने कहा कि जब आप किसी चीज को हासिल करने के लिए बेसब्र होते हैं तो फिर कई अन्य चीज भी हो सकती हैं। साथ ही कहा कि खिताब जीतने की भूख होना अच्छा है पर इसके लिए आपको संतुलित रुख अपनाना होगा। रोहित ने साथ ही कहा कि दबाव से निपटना आना चाहिये तभी आप विश्वकप जैसे टूर्नामेंट जीत सकते हैं।

भारत ने कंपाउंड तीरंदाजी में रचा इतिहास, रिकर्व पर करना होगा फोकस

हांगझोऊ। सभी पांच वर्गों में स्वर्ण पदक जीतकर, भारत ने शनिवार को हांगझोऊ में एशियाई खेलों में कंपाउंड तीरंदाजी में बदलाव का संकेत दिया, जिससे एशियाई खेलों में कोरिया गणराज्य का दबदबा खत्म हो गया। शनिवार को भारत की ज्योति और ओजस प्रवीण ने महिला और पुरुष व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीते। कुछ दिन पहले, भारत ने पुरुष और महिला टीम प्रतियोगिताओं में भी स्वर्ण पदक जीते थे। गुरुवार को महिला टीम ने फाइनल में चीनी ताइपे को 159-158 से हराया जबकि पुरुष टीम ने फाइनल में कोरिया को हराया। शनिवार को, देवतले ने कंपाउंड पुरुष व्यक्तिगत फाइनल में अपने वरिष्ठ साथी अभिषेक वर्मा को हराया, जबकि ज्योति ने फाइनल में दक्षिण कोरिया की सौ चौवन को हराकर महिला व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीता। पांच स्वर्ण पदकों के अलावा, भारत ने कंपाउंड तीरंदाजी में एक रजत और एक कांस्य पदक भी जीता। मगर, देश रिकर्व के व्यक्तिगत वर्ग में पदक जीतने में असफल रहा। अतनु दास और धीरज बोम्मादेवरा धीमी शुरुआत करने और कम स्कोर बनाने के कारण शूट-ऑफ में क्वार्टर फाइनल में हार गए। हालांकि, यह कंपाउंड तीरंदाज ही थे जिन्होंने वास्तव में हांगझोऊ में 2022 एशियाई खेलों में भारतीय तीरंदाजी को एक बड़े मुकाम पर पहुंचाया। उनकी सफलता ने कंपाउंड तीरंदाजी में कोरिया गणराज्य के वर्चस्व के अंत का भी संकेत दिया, जिसने 2014 में ही एशियाई खेलों में पदार्पण किया था और पिछले दोनों संस्करणों में महिला टीम प्रतियोगिता जीती थी। कंपाउंड तीरंदाजी पेरिस 2024 के ओलंपिक कार्यक्रम का हिस्सा नहीं है, लेकिन 2028 में लॉस एंजिल्स में आयोजित होने वाले अगले संस्करण में इस इवेंट के जुड़ने की बहुत संभावना है।

एशियाई खेल: हांगझोऊ ने प्रकाश, रंग और संगीत के सम्मोहक उत्सव के साथ प्रतिभागियों को दी विदाई

हांगझोऊ।

खेलों के इतिहास में पहला डिजिटल टर्फ पेश किया गया है, जो प्रौद्योगिकी और पारिस्थितिकी का अद्भुत मिश्रण है, और प्रौद्योगिकी तथा कला को एक करता है। हांगझोऊ ने प्रकाश, ध्वनि तथा संगीत के एक और सनसनीखेज प्रदर्शन के साथ 19वें एशियाई खेलों को अलविदा कहा और खचाखच भरे हांगझोऊ ओलंपिक स्पोर्ट्स सेंटर स्टेडियम में मौजूद हर एक व्यक्ति को मंत्रमुग्ध कर दिया। एलईडी लाइटों से सुसज्जित यह टर्फ सितारों के सागर की परिवर्तनशील छवियों को रेखांकित करने में सक्षम था। टर्फ लोगों और परिदृश्य के बीच संवाद स्थापित कर रहा था जो हांगझोऊ के प्राकृतिक दृश्यों की जीवंतता, और साझा बंधन तथा निकटता से जुड़ी एशिया की प्रकृति को प्रदर्शित करता है। जब सैकड़ों एथलीट स्टेडियम में दाखिल हुए, भारतीय दल का नेतृत्व पुरुष हॉकी टीम के गोलकीपर पीआर श्रीजेश ने किया जो मनप्रीत सिंह के साथ एशियाई खेलों में हॉकी में दो स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले दो भारतीय खिलाड़ी बन गये हैं। यदि उद्घाटन समारोह विभिन्न रूपों में पानी पर केंद्रित था, तो समापन समारोह लोगों पर केंद्रित था और पूरे खेलों में एथलीटों के रोमांचक और मार्मिक क्षणों को प्रदर्शित करता था। साथ ही हजारों स्वयंसेवकों और हांगझोऊ तथा आसपास के क्षेत्रों के लाखों नागरिकों का भी प्रतिनिधित्व करता था जिन्हें होंने इन खेलों को संभव बनाया। समापन समारोह में स्पोर्ट्स विदाउट बॉर्डर्स की भावना, संस्कृति और खेल के बीच सामंजस्य और विचार तथा भावनाओं के बीच परस्पर संबंधों पर भी प्रकाश डाला गया, इस आशा के साथ कि यह एशियाई महाद्वीप में लाखों युवाओं को खेल में शामिल होने और भविष्य में इस आंदोलन को जारी रखने के लिए प्रेरित करेगा। एशिया ओलंपिक परिषद के कार्यवाहक अध्यक्ष रणधीर सिंह ने 19वें एशियाई खेलों के समापन की घोषणा की। उन्होंने हांगझोऊ में हाल के समय के सर्वश्रेष्ठ एशियाई खेलों के आयोजन के लिए हांगझोऊ के सभी हितधारकों और लोगों को धन्यवाद दिया और महाद्वीप के युवाओं को तीन साल बाद 2026 में जापान के आइची-नागोया में 20वें एशियाई खेलों के लिए इकट्ठा होने के लिए आमंत्रित किया।हांगझोऊ एशियाई खेलों की आयोजन समिति ने रणधीर सिंह की उपस्थिति में 1951 में नई दिल्ली में पहले एशियाई खेलों और ओसीए का झंडा आइची-नागोया के मेयर को सौंपा।

ओडिशा के मुख्यमंत्री ने हॉकी स्टार दीप ग्रेस एक्का के लिए 50 लाख रुपये नकद पुरस्कार की घोषणा की

भुवनेश्वर। ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने रविवार को चीन के हांगझोऊ में 19वें एशियाई खेलों में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय महिला हॉकी टीम की सदस्य और हॉकी स्टार दीप ग्रेस एक्का को 50 लाख रुपये के नकद पुरस्कार की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने एक्का के उल्लेखनीय प्रदर्शन को स्वीकार करते हुए उन्हें राज्य के युवाओं के लिए रोल मॉडल बताते हुए हार्दिक बधाई दी। पटनायक ने रविवार को कहा, दीप ग्रेस एक्का देश में महत्वाकांक्षी एथलीटों के लिए आशा और गर्व का प्रतीक बन गई हैं। दीप ने कुछ आश्चर्यजनक प्रदर्शनों के साथ अपनी दृढ़ता साबित की है और मुझे यकीन है कि वह भारत को गौरवान्वित करना जारी रखेगी और दृढ़ता और उत्कृष्टता की भावना का प्रदर्शन करेगी, जो वह प्रदर्शित कर रही है। सुंदरगढ़ जिले के लुलकिडीही गांव की रहने वाली 28 वर्षीय हॉकी स्टार ने 2011 में अर्जेंटीना में चार देशों के टूर्नामेंट के दौरान अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पदार्पण किया था। उन्होंने 250 अंतर्राष्ट्रीय कैप पूरे कर लिए हैं। वह रियो ओलंपिक खेलों में हिस्सा लेने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थीं। वह उस टीम का भी अभिन्न हिस्सा थीं, जिसने महिला एशिया कप 2013 में कांस्य पदक, 2016 एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में स्वर्ण, 2017 में एशिया कप में स्वर्ण, 2018 में एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में रजत, 18वें एशियाई खेलों में रजत पदक, जकार्ता-पालेमबांग और बर्मिंघम 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में कांस्य पदक जीता था। शीर्ष डिफेंडर ने 2022 में स्पेन में उद्घाटन एफआईएच महिला राष्ट्र कप में भारत की स्वर्ण पदक जीत में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

डेविड वॉर्नर ने तोड़ा सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड

चेन्नई। ऑस्ट्रेलियाई सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर वनडे विश्व कप इतिहास में सबसे तेज 1,000 रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। वार्नर ने रविवार को भारत के खिलाफ खेलते हुए सचिन तेंदुलकर और एबी डिविलियर्स के 20 पारियों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया और 19 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की।अपनी आक्रामक बल्लेबाजी शैली के लिए जाने जाने वाले वार्नर ने लगातार शानदार प्रदर्शन किया है, जिससे वह क्रिकेट जगत के सबसे प्रसिद्ध खिलाड़ियों में से एक बन गए हैं। हालांकि, भारतीय कप्तान रोहित शर्मा भी इस रिकॉर्ड के करीब हैं। उन्हें यह उपलब्धि हासिल करने के लिए केवल 22 रनों की जरूरत है। उन्होंने 17 वनडे पारियों में 978 रन बनाए हैं और जब दूसरी पारी में भारत के लिए रोहित ओपनिंग करने उतरेंगे तो वह यह रिकॉर्ड अपने नाम कर सकते हैं।

धनराज पिल्ले ने हरमनप्रीत को हॉकी का धोनी कह दिया

इस जीत ने 1998 की याद दिला दी

नई दिल्ली ।

एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय टीम की सफलता ने महान फॉरवर्ड खिलाड़ी धनराज पिल्ले को 1998 की जीत याद दिला दी और उन्होंने कप्तान हरमनप्रीत सिंह की तारीफ कर उन्हें भारतीय हॉकी का महेंद्र सिंह धोनी करार दिया है। भारत ने हांगझोउ में फाइनल में गत चैम्पियन जापान को 5-1 से हराकर एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीता और पेरिस ओलंपिक के लिए भी क्वालीफाई किया। 1998 बैंकाक एशियाई खेलों में स्वर्ण जीतने वाली भारतीय टीम के कप्तान रहे धनराज ने कहा, मुझे खुशी इस बात की है कि हम पूरी तरह दबदबा बनाकर चारों क्वार्टर में उनसे बेहतर खेले। फाइनल में 5-1 से जीतना आसान नहीं होता। पिछली बार इसी जापान टीम ने हमें हराया था।'' चार ओलंपिक, चार विश्व कप, चार एशियाई खेल और चार चैम्पियंस ट्रॉफी खेल चुके 55 वर्ष के इस धुरंधर ने हांगझोउ खेलों में सर्वाधिक 13 गोल करने वाले हरमनप्रीत की तारीफ कर कहा, बहुत हद तक हरमनप्रीत की कप्तानी को भी श्रेय जाता है। वह भारतीय हॉकी का धोनी है। अपना काम करता है और पीछे से गाइड करता रहता है। जज्बात उस पर हावी नहीं होते और दबाव में भी शांत रहता है। उन्होंने कहा, इस टीम में श्रीजेश (पीआर), मनप्रीत (सिंह) ,ललित (उपाध्याय), रोहिदास (अमित) जैसे सीनियर खिलाड़ियों ने बहुत अच्छा तालमेल बनाया। मुझे फाइनल देखते हुए 1998 याद आ गया। यह जीत इतिहास में लिखी जाएगी। लड़के एकजुट होकर खेल और इतने गोल किये।'' धनराज की कप्तानी में 1998 एशियाई खेलों के फाइनल में दक्षिण कोरिया को पेनल्टी शूटआउट में 4-2 से हराया था। कोरिया के बढ़त लेने के बाद निर्धारित समय में धनराज के गोल पर ही भारत ने बराबरी की थी। उन्होंने कहा, 1998 में मेरे पास ऐसी ही मजबूत टीम थी। आशीष बलाल और एबी सुबैया जैसे अनुभवी गोलकीपर थे।फुलबैक में लाजरूस बारला, दिलीप टिर्की , डिफेंस में संदीप सोमेश, बलबीर सिंह सैनी , मोहम्मद रियाज थे, तब फारवर्ड लाइन में मुकेश कुमार, मैं , समीर दाद, बलजीत ढिल्लों जैसे खिलाड़ी थे। उन्होंने कहा, जब भारतीय टीम कल पोडियम पर स्वर्ण पदक पहने खड़ी थी, तब मैं 25 साल पीछे चला गया। पदक जीतने के बाद मैं सुबैया और बलाल को पकड़कर मैं रो रहा था। धनराज ने कहा, मुझे 19 साल हो गए हॉकी छोड़े लेकिन हॉकी को फॉलो करना नहीं छोड़ा। मैंने बहुत सारे स्टेडियम में तिरंगा हाथ में लेकर मैदान का चक्कर काटा है। तिरंगे को देखते हुए टीम जब राष्ट्रगान गाती है, तब अलग ही माहौल होता है।

अनीश थापा, ज्योति गावटे ने बेंगलुरू मैराथन 2023 का खिताब जीता

बेंगलुरु। सर्विसेज स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड के अनिश थापा और महाराष्ट्र की ज्योति गावटे ने रविवार को बेंगलुरु मैराथन में जीत हासिल की। कर्नाटक के राज्यपाल थावर चंद गहलोत ने 25,000 से अधिक दौड़ने वाले और फिटनेस उत्साही लोगों को हरी झंडी दिखाकर बहुप्रतीक्षित कार्यक्रम का आगाजा किया। जिसमें तीन श्रेणियां थीं; पूर्ण मैराथन (42.195 किमी), हाफ मैराथन (21.1 किमी) और 5 किमी होप रन। इस साल की शुरुआत में एनईबी स्पोर्ट्स द्वारा आयोजित नई दिल्ली मैराथन जीतने के बाद अनीश थापा के लिए यह दोहरी जीत है।दूसरी ओर, ज्योति गावटे (3:08:53) को महिला चैंपियन बनने के लिए महाराष्ट्र की अश्विनी जाधव (3:09:00) से कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा। बेंगलुरु मैराथन के रेस निदेशक नागराज अडिगा ने कहा, साल दर साल इस तरह की उत्साही भागीदारी देखना उल्लेखनीय है। हम आने वाले संस्करणों में इस आयोजन को और भी बड़ा बनाने के लिए तत्पर हैं। यह विप्रो, पार्टनर्स, बेंगलुरु पुलिस और रनिंग समुदाय जैसे हमारे प्रायोजकों के समर्थन के बिना संभव नहीं होगा। इस अवसर पर थावर चंद गहलोत ने कहा, बेंगलुरु के नागरिकों को आज सुबह-सुबह बाहर आकर इतनी बड़ी संख्या में भाग लेते देखना खुशी की बात है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

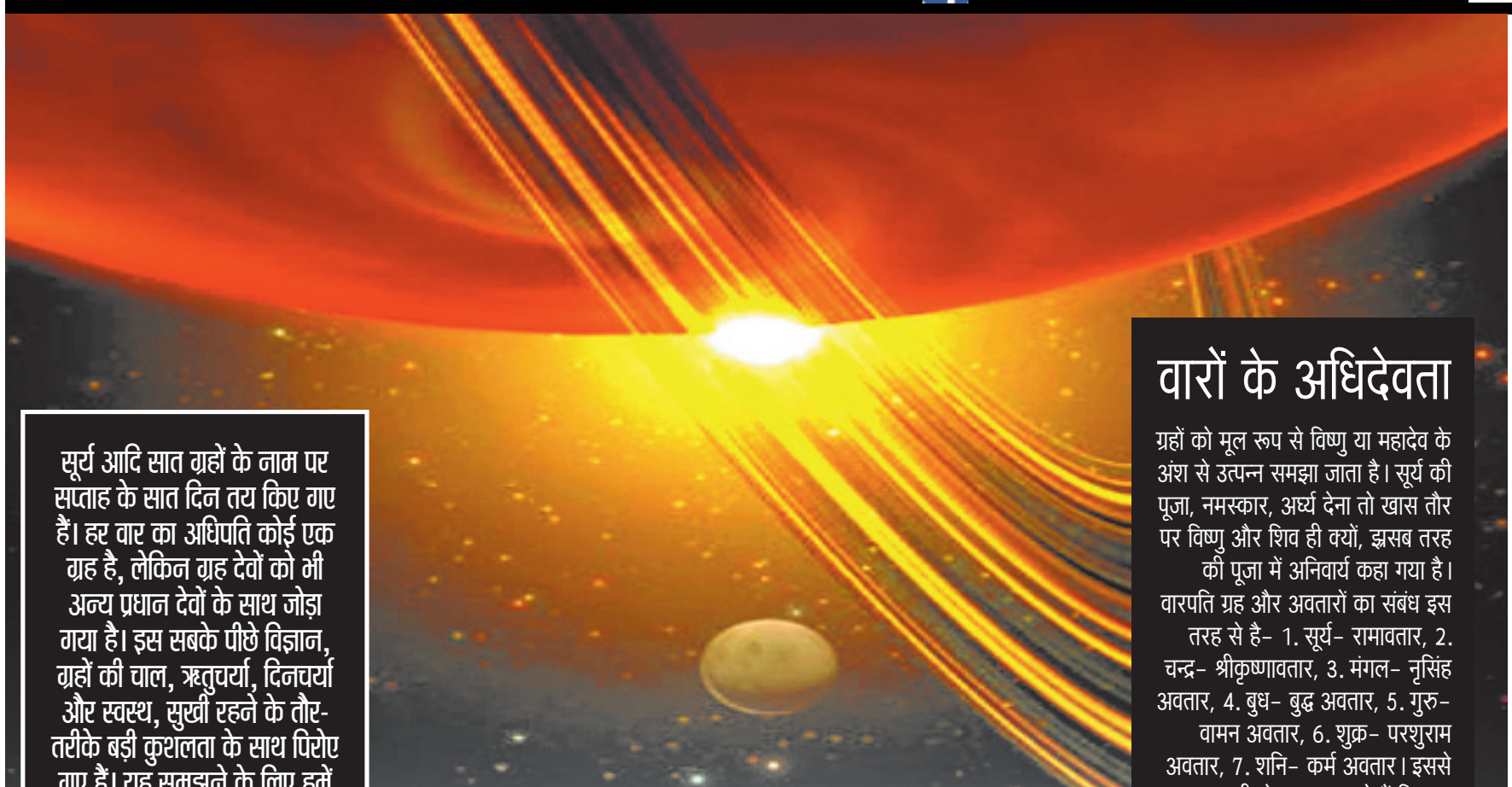

सूर्य आदि सात ग्रहों के नाम पर सप्ताह के सात दिन तय किए गए हैं। हर वार का अधिपति कोई एक ग्रह है, लेकिन ग्रह देवों को भी अन्य प्रधान देवों के साथ जोड़ा गया है। इस सबके पीछे विज्ञान, ग्रहों की चाल, ऋतुचर्या, दिनचर्या और स्वस्थ, सुखी रहने के तौर-तरीके बड़ी कुशलता के साथ पिरोए गए हैं। यह समझने के लिए हमें आसमान में ग्रहों की कक्षाओं के क्रम को समझना होगा। ये इस प्रकार हैं- 1. शनि 2. गुरु 3. मंगल 4. रवि 5. शुक्र 6. बुध 7. चंद्रमा। इनमें हर चौथा ग्रह अगले वार का मालिक होता है जैसे, रविवार के बाद उससे चौथे चन्द्रमा का, फिर चन्द्र से चौथे मंगल का क्रमशः वार आता-जाता है।

7 वारों के देवताओं को ऐसे करें प्रसन्न

रविवार

रविवार का अधिपति सूर्य स्वयं जीवन का आधार होने से विष्णु रूप कहा गया है। अतः 'आरोग्यं भास्करादिच्छेत' के नियम से रोग के प्रकोप को कम करने, स्वस्थ रहने, दवा का अनुकूल प्रभाव पैदा करने और आयु की रक्षा तथा आत्मबल, तन व मन की ताकत को देने वाला सूर्य है। जन्म का कारण होने से सविता, प्रसविता, प्रसव कराने वाला परिवार वृद्धि का देवता है। जो लोग प्रजनन अंगों के विकार के कारण, अज्ञात कमी की वजह से औलाद का सुख नहीं देख पाते हैं, उनके लिए सूर्य की उपासना बहुत मुफीद होती है। सूर्य के लिए गायत्री मंत्र, केवल ओम् नाम या 'ओम् घृणिः सूर्य आदित्यः' का जप करना, जल चढ़ाना, माता-पिता या उनके जैसे जनों को ठेस न पहुंचाना अच्छा है। सूर्य को प्रसन्न रखने के कुछ अन्य मार्ग ये हैं- सुबह मुंह को गीला रखकर सूर्य के सामने गायत्री मन्त्र या ओम् नाम का 10 या 28 बार जप करना चाहिए। घर में धूप और खुली हवा का प्रबंध, धूप सेंकना, बुजुर्गों के मन को ठेस नहीं पहुंचाना चाहिए। घर में गंगाजल या किसी कुदरती सोते का जल सहेजना चाहिए। संक्रांति, अमावस्या, पूर्णिमा, अष्टमी के दिन और दोनों वक्त मिलने के समय कलह, बहस, देर तक सोने से बचें। इनसे सारे ग्रहों की अनुकूलता बनती है।

सोमवार

सोमवार का अधिपति चंद्रमा मन, विचार, भावुकता, चंचलता, आवेग और आवेश का प्रतीक है। चंद्र की अनुकूलता से मन पर नियंत्रण, निर्णय करने की सही दिशा और दिल के बजाए दिमाग से अधिक काम लेने की आदत बनती है। सोम जल का ग्रह होने से शिव को खास प्रिय है। इस दिन शिवजी की पूजा, आराधना करना उपयुक्त है। ध्यान रखें शिव की पूजा सदा माता पार्वती के साथ ही साम्ब सदाशिव के रूप में ही सांसारिक सुखों के लिए अधिक फलदायी है।

चंद्र को प्रसन्न रखने के कुछ तरीके ये हैं- दूध, खीर, सेवइयां, मिठाई, पनीर, दान करना चाहिए और तारों की छांव या चांदनी में कुछ देर बैठना चाहिए। बड़, पीपल, गूलर की गोलियां, फल या जड़ घर में रखें। अपनी कुल प्रतिष्ठा, सम्पदा को संभालें। पानी का सेवन करना और माता-पिता से अलगाव या दूरी न रखना चन्द्रमा को प्रसन्न रखने का कारगर तरीका है। दूध में मुल्तानी मिट्टी, चोकर या बेसन मिला कर उबटन करें। किसी के सामने अपनी व्यथा का रोना न रोएं।

मंगलवार

मंगलवार का अधिपति मंगल, युद्ध और हथियारों का ग्रह है। इसके देवता वीर हनुमान, एकदंत गणेश और मलय स्वामी हैं। हनुमानजी की पूजा, प्रसाद चढ़ाना, मंगल का व्रत रखना और इस दिन शाकाहार करना अच्छा है। हनुमान चालीसा का पाठ आसान और कारगर उपाय है। अतिरिक्त शुभता के लिए- अपने सगे भाई-बहनों के लिए अपशब्द न कहें और स्त्रियों से बहस न करें। मीठी सुहाल, पूए, चीले, पूरनपूरी खाएं, खिलाएं और बांटें। भाभियों से सामान्य व्यवहार रखें और कभी विकलांगों की सहायता करें। नीम, बबूल का सेवन किसी तरह से करें और पेड़-पौधों की देखभाल करते रहें।

बुधवार

बुधवार का अधिपति बुध, बुद्धि, हास-परिहास, अभिनय और कला और वनस्पतियों का ग्रह है। इसके प्रधान देव विष्णु हैं। अतः विष्णुजी के किसी रूप की आराधना करना शुभ है। ओम् नमो भगवते वासुदेवाय या श्रीकृष्ण गोविन्द हरे मुरारे। हे नाथ नारायण वासुदेव का जप करना श्रेयस्कर है। कुछ बोनस शुभता पाना हो तो अपनाएं- मांस मदिरा, मानसिक हिंसा, पक्षियों को पालना, ससुराल से गहरे संबंध रखना आदि बातों से बचें। वनस्पति, जड़ी-बूटी पालें, प्रसाधन इस्तेमाल करना, सोना धारण करना, पौधे रखना, बहन-बेटी और उनके परिवार-जनों का आदर करना, केसर लगी मिठाई या केसरी हलुवा या मूंग दाल के पदार्थ खाना, खिलाना शुभ है। दादी को कोई भेंट देने, सांड को गुड़ रोटी खिलाने, केले और बताशे बांटने से बुध प्रसन्न रहता है। स्नान जल में चावल डालना, पीपल में जल देना, हरी सब्जी शिवजी को भेंट करना, कभी पत्ते के दोने में कुछ खाना, कभी दान करना मंगलकारक है।

गुरुवार

गुरुवार का देवता संसार का सृजनहार ब्रह्मा है। अतः विवाह, संतान सुख, परिवार सुख, ज्ञान, वाणी और हुनर के साथ बड़प्पन अधिकार का स्वामी बृहस्पति है। इसके लिए सिर्फ ओम् नाम का जप करना काफी फायदेमंद है। अधिक शुभता के लिए- किसी के साथ कपड़े शेयर न करें। चरित्र, जुबान और आचरण को मजबूत रखें। हल्दी वाली रोटी, चने की दाल, पीला वस्त्र, घी, बूरे का सेवन वितरण करें।

शुक्रवार

शुक्रवार देवी के अधीन है। अतः दुर्गा पूजा, दीपक जलाना, खेतड़ी बोकर रखना, कन्यापूजन करना और जालसाजी, झूठी गवाही से बचना अच्छा है। दुर्गाचालीसा आदि पढ़ना, खुशबू का प्रयोग, धूपबत्ती जलाना, साफ-सुथरा और आकर्षक बनने की कोशिश करना शुभ है।

शनिवार

शनिवार के अधिपति भैरव, हनुमान, महाकाली, नृसिंह हैं। भावनानुसार इनमें से किसी की पूजा आराधना करना अच्छे परिणाम देगा। बस्ती के बाहर किसी शिवमंदिर में पूजा करना भी लाभदायक है। अधिक शुभता के लिए- मजदूरों, मेहनतकशों का दिल न दुखाना, जीवन में अनुशासन रखना, साफ-सुथरा रहना, रोज नहाना और हाथ-पैर, दाढ़ी, नाखूनों को साफ सलीकेदार रखना, तेल मालिश, शनि को खुश रखने की रामबाण दवा है।

वारों के अधिदेवता

ग्रहों को मूल रूप से विष्णु या महादेव के अंश से उत्पन्न समझा जाता है। सूर्य की पूजा, नमस्कार, अर्घ्य देना तो खास तौर पर विष्णु और शिव ही क्यों, झसब तरह की पूजा में अनिवार्य कहा गया है। वारपति ग्रह और अवतारों का संबंध इस तरह से है- 1. सूर्य- रामावतार, 2. चन्द्र- श्रीकृष्णावतार, 3. मंगल- नृसिंह अवतार, 4. बुध- बुद्ध अवतार, 5. गुरु- वामन अवतार, 6. शुक्र- परशुराम अवतार, 7. शनि- कर्म अवतार। इससे हम आसानी से समझ सकते हैं कि सब ग्रह आदिदेव विष्णु या शिव जो भी नाम दें, उसी से निकले हैं।

श्राद्ध कर्म और तर्पण का महत्व

पितरों में अर्यमा श्रेष्ठ है। अर्यमा पितरों के देव हैं। अर्यमा को प्रणाम। हे! पिता, पितामह, और प्रपितामह। हे! माता, मातामह और प्रमातामह आपको भी बारंबार प्रणाम। आप हमें मृत्यु से अमृत की ओर ले चलें।

पितरों के लिए श्रद्धा से किए गए मुक्ति कर्म को श्राद्ध कहते हैं तथा तृप्त करने की क्रिया और देवताओं, ऋषियों या पितरों को तंडुल या तिल मिश्रित जल अर्पित करने की क्रिया को तर्पण कहते हैं। तर्पण करना ही पिंडदान करना है। श्राद्ध पक्ष का माहात्म्य उत्तर व उत्तर-पूर्व भारत में ज्यादा है। तमिलनाडु में आदि अमावसाई, केरल में करिकडा वावुबली और महाराष्ट्र में इसे पितृ पंधरवडा नाम से जानते हैं।

हे अग्नि! हमारे श्रेष्ठ सनातन यज्ञ को संपन्न करने वाले पितरों ने जैसे देहांत होने पर श्रेष्ठ ऐश्वर्य वाले स्वर्ग को प्राप्त किया है वैसे ही यज्ञों में इन ऋचाओं का पाठ करते हुए और समस्त साधनों से यज्ञ करते हुए हम भी उसी ऐश्वर्यवान स्वर्ग को प्राप्त करें।- यजुर्वेद

श्राद्ध और तर्पण का अर्थ

सत्य और श्रद्धा से किए गए कर्म श्राद्ध और जिस कर्म से माता, पिता और आचार्य तृप्त हो वह तर्पण है। वेदों में श्राद्ध को पितृयज्ञ कहा गया है। यह श्राद्ध-तर्पण हमारे पूर्वजों, माता, पिता और आचार्य के प्रति सम्मान का भाव है। यह पितृयज्ञ संपन्न होता है संतानोंत्पत्ति और संतान की सही शिक्षा-दीक्षा से। इसी से पितृ ऋण भी चुकता होता है। वेदानुसार यज्ञ पांच प्रकार के होते हैं-(1) ब्रह्म यज्ञ (2) देव यज्ञ (3) पितृयज्ञ (4) वैश्वदेव यज्ञ (5) अतिथि यज्ञ। उक्त पांच यज्ञों को पुराणों और अन्य ग्रंथों में विस्तार दिया गया है। उक्त पांच यज्ञ में से ही एक यज्ञ है पितृयज्ञ। इसे पुराण में श्राद्ध कर्म की संज्ञा दी गई है।

श्राद्ध कर्म का समय

पितृयज्ञ या श्राद्धकर्म के लिए अश्विन माह का कृष्ण पक्ष ही नियुक्त किया गया है। सूर्य के कन्या राशि में रहते समय आश्विन कृष्ण पक्ष पितर पक्ष कहलाता है। जो इस पक्ष तथा देह त्याग की तिथि पर अपने पितरों का श्राद्ध करता है उस श्राद्ध से पितर तृप्त हो जाते हैं।

कन्या राशि में सूर्य रहने पर भी जब श्राद्ध नहीं होता तो पितर तुला राशि के सूर्य तक पूरे कार्तिक मास में श्राद्ध का इंतजार करते हैं और तब भी न हो तो सूर्य देव के वृश्चिक राशि पर आने पर पितर निराश होकर अपने स्थान पर लौट जाते हैं।

श्राद्ध कर्म के प्रकार

नित्य, नैमित्तिक, काम्य, वृद्धि, पार्वण, सपिंडन, गोष्ठ, शुद्धि, कर्मांग, दैविक, यात्रा और पुष्टि।

तर्पण कर्म के प्रकार

पुराणों में तर्पण को छह भागों में विभक्त किया गया है - 1. देव-तर्पण 2. ऋषि-तर्पण 3. दिव्य-मानव-तर्पण 4. दिव्य-पितृ-तर्पण 5. यम-तर्पण 6. मनुष्य-पितृ-तर्पण।

श्राद्ध के नियम

श्राद्ध पक्ष में व्यसन और मांसाहार पूरी तरह वर्जित माना गया है। पूर्णत पवित्र रहकर ही श्राद्ध किया जाता है। श्राद्ध पक्ष में शुभ कार्य वर्जित माने गए हैं। रात्रि में श्राद्ध नहीं किया जाता। श्राद्ध का समय दोपहर साढ़े बारह बजे से एक बजे के बीच उपयुक्त माना गया है। कौओं, कुत्तों और गायों के लिए भी अन्न का अंश निकालते हैं क्योंकि ये सभी जीव यम के काफी नजदीकी हैं।

श्राद्ध कर्म का लाभ

।।श्रद्धया दीयते यस्मात् तच्छ्राद्धम।।

भावार्थ- श्रद्धा से श्रेष्ठ संतान, आयु, आरोग्य, अतुल ऐश्वर्य और इच्छित वस्तुओं की प्राप्ति होती है।

व्याख्या - वेदों के अनुसार इससे पितृऋण चुकता होता है। पुराणों के अनुसार श्रद्धायुक्त होकर श्राद्धकर्म करने से पितृगण ही तृप्त नहीं होते, अपितु ब्रह्मा, इंद्र, रुद्र, दोनों अश्विनी कुमार, सूर्य, अग्नि, अष्टवसु, वायु, विश्वेदेव, ऋषि, मनुष्य, पशु-पक्षी और सरीसृप आदि समस्त भूत प्राणी भी तृप्त होते हैं। संतुष्ट होकर पितर मनुष्यों के लिए आयु, पुत्र, यश, स्वर्ग, कीर्ति, पुष्टि, बल, वैभव, पशु, सुख, धन और धान्य देते हैं।

जल व पिंडदान से पितृ को मिलती है ऊर्जा

पितरों की पद वृद्धि तथा तृप्ति के लिए स्वयं श्राद्ध करना चाहिए। पितरों के लिए श्रद्धा से क्रमानुसार वैदिक पद्धति से शांत चित्त होकर किया कर्म श्राद्ध कहलाता है। शास्त्र में सुस्पष्ट है कि नाम व गौत्र के सहारे स्वयं के द्वारा किया श्राद्ध पितरों को विभिन्न योनियों में प्राप्त होकर उन्हें तृप्त करता है। पं. अमर डब्बावाला के अनुसार यम स्मृति तथा निर्णय सिंधु के आधार पर जब सूर्य कन्या राशि में अवस्थित हो, तब पितृ अपने पुत्र-पौत्र की ओर देखते हैं। अपनी तृप्ति व पद वृद्धि के हेतु जल व पिंडदान की आशा करते हैं। सूर्यसंहिता के आधार पर पितृ वर्ष में साढ़े दस महीने अपनी ऊर्जा द्वारा पुत्र-पौत्रों को शुभ-आशीष प्रदान करते हैं। पुत्र पौत्रों द्वारा दिए गए जल व पिंडदान से उन्हें ऊर्जा मिलती है। जब पितरों के निमित्त जल व पिंड दान नहीं किया जाता है, तब पितृ क्लेश करते हैं। कर्तव्य स्वरूप स्वयं द्वारा पितरों के निमित्त श्राद्ध करने से वह सीधे पितरों को प्राप्त हो जाता है। तृप्त होकर पितृ अपने वंशजों को आशीर्वाद, सुख-समृद्धि प्रदान करते हैं। यह जिज्ञासा स्वाभाविक है कि श्राद्ध में दी गई अन्न आदि सामग्री पितरों को कैसे प्राप्त होती है। विभिन्न कर्मों के अनुसार मृत्यु के बाद जीव को भिन्न योनियां प्राप्त होती हैं। कोई देवता, पितृ, प्रेत, हाथी, चींटी तथा कोई चिनार का वृक्ष या तृण बनता है। श्राद्ध में दिए गए छोटे से पिंड से हाथी का पेट कैसे भर सकता है। छोटी-सी चींटी इतना बड़ा पिंड कैसे खा सकती है और देवता तो अमृत से तृप्त होते हैं। पिंड से उन्हें कैसे तृप्ति मिल सकती है। इन प्रश्नों का शास्त्र में उत्तर दिया गया है कि नाम व गौत्र के सहारे विश्वदेव एवं अग्नि ख्वाता आदि दिव्य पितरों को हव्य (हवन) तथा काव्य (पितरों के निमित्त ब्रह्मभोज) के द्वारा पदार्थ प्राप्त करा देते हैं। इसका प्रमाण मार्कंडेय पुराण, वायु पुराण तथा श्राद्ध कल्पलता में मिलता है।

पितृ पक्ष विशेष

श्राद्ध कीजिये पुण्य कमाईये

श्राद्ध का अर्थ है, श्रद्धा, आस्था व प्रेम के साथ कुछ भी भेंट किया जाय। पितृ पक्ष पूर्वजों की मृत्यु तिथि के दिन जल, जौ, कुशा, अक्षत, दूध, पुष्प आदि से उनका श्राद्ध सम्पन्न किया जाता है। पितृ पक्ष में श्राद्ध करने से पितृ दोष से मुक्ति मिलती है तथा पूर्वज प्रसन्न होकर पूरे वर्ष आपके दीर्घायु तथा प्रगति की कामना करते है। एक मास में दो पक्ष होते है। कृष्ण पक्ष और शुक्ल पक्ष, एक पक्ष 15 दिन का होता है। आश्विन मास के कृष्ण पक्ष के पन्द्रह दिन पितृ पक्ष के नाम से प्रचलित है। इन 15 दिनों में लोग अपने पूर्वजों/पितरों को जल देते है तथा उनकी मृत्यु तिथि पर श्राद्ध करते है। पितरों का ऋण श्राद्धों के द्वारा उतारा जाता है। पितृ पक्ष श्राद्धों के लिए निश्चित पन्द्रह तिथियों का कार्यकाल है। वर्ष के किसी महीना या तिथि में स्वर्गवासी हुए पूर्वजों के लिए कृष्ण पक्ष की उसी तिथि को श्राद्ध किया जाता है। विशेष मुहूर्त- शास्त्रों के अनुसार गृहस्थ को अपने पूर्वजों की निधन तिथि के दिन तृतीय प्रहर (अपरान्हकाल) में श्राद्ध करना चाहिए। इसलिए पितृकर्म में अपरान्हव्यापनी तिथि ग्रहण करनी चाहिए। इस वर्ष पितृ पक्ष 30 सितम्बर से प्रारम्भ होकर 15 सितम्बर तक रहेंगे। तर्पण-प्रत्येक दिन मध्यान्ह 12 बजे से 1-30 मि0 के मध्य तर्पण करना उत्तम रहेगा। निर्णय सिन्धु में- 12 प्रकार के श्राद्धों का उल्लेख मिलता है। 1- नित्य श्राद्धः कोई भी व्यक्ति अन्न, जल, दूध, कुशा, पुष्प व फल से प्रतिदिन श्राद्ध करके अपने पितरों को प्रसन्न कर सकता है। 2- नैमित्तक श्राद्ध- यह श्राद्ध विशेष अवसर पर किया जाता है। जैसे- पिता आदि की मृत्यु तिथि के दिन इसे एकोदिष्ट कहा जाता है। इसमें विश्वदेवा की पूजा नहीं की जाती है, केवल मात्र एक पिण्डदान दिया जाता है। 3- काम्य श्राद्धः किसी कामना विशेष के लिए यह श्राद्ध किया जाता है। जैसे- पुत्र की प्राप्ति आदि। 4- वृद्धि श्राद्धः यह श्राद्ध सौभाग्य वृद्धि के लिए किया जाता है। 5- सपिंडन श्राद्ध- मृत व्यक्ति के 12 वें दिन पितरों से मिलने के लिए किया जाता है। इसे स्त्रियां भी कर सकती है। 6- पार्वण श्राद्धः पिता, दादा, परदादा, सपत्नीक और दादी, परदादी, व सपत्नीक के निमित्त किया जाता है। इसमें दो विश्वदेवा की पूजा होती है। 7- गोष्ठी श्राद्धः यह परिवार के सभी लोगों के एकत्र होने के समय किया जाता है। 8- कर्मागं श्राद्धः यह श्राद्ध किसी संस्कार के अवसर पर किया जाता है। 9- शुद्धयर्थ श्राद्धः यह श्राद्ध परिवार की शुद्धता के लिए किया जाता है। 10- तीर्थ श्राद्धः यह श्राद्ध तीर्थ में जाने पर किया जाता है। 11- यात्रार्थ श्राद्धः यह श्राद्ध यात्रा की सफलता के लिए किया जाता है। 12- पुष्टयर्थ श्राद्धः शरीर के स्वास्थ्य व सुख समृद्धि के लिए त्रयोदशी तिथि, मघा नक्षत्र, वर्षा ऋतु व आश्विन मास का कृष्ण पक्ष इस श्राद्ध के लिए उत्तम माना जाता है। पितृ पक्ष के विशेष दिन- 1- प्रतिपदा तिथि को नाना का श्राद्ध किया जाता है। 2- चतुर्थी या पंचमी तिथि में उसका श्राद्ध किया जाता है जिसकी मृत्यु गतवर्ष हुयी है। 3- अपने जीवन काल में मरने वाली स्त्री का श्राद्ध नवमी तिथि को किया जाता है। 4- युद्ध, दुर्घटना या आत्महत्या आदि में मृत व्यक्तियों का श्राद्ध चतुर्दशी तिथि में किया जाता है। 5- आमावस्या तिथि को सभी पितरों का श्राद्ध किया जा सकता है।

पितृपक्ष अमावस्या पर करें पितृ श्राद्ध

झपितृपक्ष की अमावस्या को सर्वपितृ अमावस्या कहते हैं। इस तिथि पर कुल के सर्व पितरों को उद्देशित कर श्राद्ध करते हैं। वर्षभर में सदैव व पितृपक्ष की अन्य तिथियों पर श्राद्ध करना संभव न हो, तब भी इस तिथि पर सबके लिए श्राद्ध करना अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि पितृपक्ष की यह अंतिम तिथि है। उसी प्रकार, शास्त्र में बताया गया है कि श्राद्ध के लिए अमावस्या की तिथि अधिक योग्य है, जबकि पितृपक्ष की अमावस्या सर्वाधिक योग्य तिथि है। आश्विन के कृष्ण पक्ष को पितृपक्ष कहते हैं। यह पक्ष पितरों को प्रिय है। पितृपक्ष की कालावधि में पितर पृथ्वी के निकट आते हैं। इन अतृप्त आत्माओं को (पितरों को) शांत करने के लिए इस काल में श्राद्ध विधि की जाती है। इस पक्ष में पितरों का महालय श्राद्ध करने से वे वर्षभर तृप्त रहते हैं।

गोलीबारी के जवाब में 'लेबनान के क्षेत्र' में किया जा रहा है हमला : आईडीएफ

बेरूत। इज़राइल रक्षा बल (आईडीएफ) ने रविवार को कहा कि वह क्षेत्र से गोलीबारी के जवाब में 'लेबनान के क्षेत्र' पर हमला कर रहा है। आईडीएफ ने टेलीग्राम पर कहा, 'आईडीएफ आर्टिलरी वर्तमान में लेबनान के उस क्षेत्र पर हमला कर रही है जहां से गोलीबारी की गई थी, 'आईडीएफ ने कहा कि वह 'इस प्रकार की संभावना के लिए तैयारी के उपाय कर रही है और सभी क्षेत्रों में और किसी भी स्थान पर काम करना जारी रखेगी।' इजरायली नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए समय आवश्यक है।' लेबनानी प्रसारक अल मयादीन ने बताया कि दक्षिणी लेबनान में कफ़रचौबा गांव इज़रायल की गोलबारी का शिकार हुआ। आईडीएफ ने यह भी कहा कि उसने 'आतंकवादी फंडिंग के लिए हमास आतंकवादी संगठन से संबंधित दो बैंकों पर हमला किया है, उनमें इस्लामिक नेशनल बैंक शामिल है जो आतंकवादी गतिविधि को वित्त पोषित करके संगठन की सेवा करता है, और संगठन से संबंधित फर्स्ट बैंक।卐 आईडीएफ ने गाजा शहर में इस्लामिक जिहाद आंदोलन द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले हवाई हथियार उत्पादन स्थल और हथियारों और सैन्य उपकरणों के भंडारण के लिए इस्तेमाल की जाने वाली एक इमारत पर भी हमला किया है। आईडीएफ ने कहा कि उसने गाजा पट्टी में हमास आंदोलन के खुफिया मुख्यालय और एक सैन्य परिसर पर हमला किया है।

तिब्बत में माउंट शिशापंगमा हिमस्खलन के बाद दो की मौत, दो लापता

ल्हासा। दक्षिण पश्चिम चीन के तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र में माउंट शिशापंगमा में शनिवार दोपहर को हिमस्खलन हुआ, जिससे दो पर्वतारोहियों की मौत हो गई, दो लापता हैं और एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया, क्षेत्रीय खेल ब्यूरो ने यह जानकारी दी। बचावकर्मियों के अनुसार, हिमस्खलन 7,600 मीटर से अधिक की ऊंचाई पर हुआ। प्रारंभिक जांच से पता चला कि एक अमेरिकी पर्वतारोही और एक नेपाली पर्वतारोही की मौत हो गई, एक अन्य अमेरिकी पर्वतारोही और नेपाली पर्वतारोही लापता है। एक नेपाली पर्वतारोही गंभीर रूप से घायल हो गया। हिमस्खलन के तुरंत बाद बचावकर्मियों को माउंट शिशापंगमा के आधार शिविर में भेज दिया गया और सभी चढ़ाई गतिविधियों को निलंबित कर दिया गया है। शनिवार शाम तक गंभीर रूप से घायल नेपाली पर्वतारोही खतरे से बाहर बताया जा रहा है और बचाव दल उसे नीचे ले जा रहा है। शिगाज़े के अंतर्गत न्यालम काउंटी में स्थित, माउंट शिशापंगमा 8,000 मीटर से अधिक ऊंचा एकमात्र पर्वत है जो पूरी तरह से चीन के भीतर स्थित है।

अफगानिस्तान में भूकंप से मरने वालों की संख्या संख्या 2 हजार हुई

इस्लामाबाद । पश्चिमी अफगानिस्तान में आए शक्तिशाली भूकंप में मरने वाले लोगों की संख्या 2 हजार तक पहुंच गई है। तालिबान के प्रवक्ता ने बताया कि 465 मकान जमींदोज हो गए हैं और 135 क्षतिग्रस्त हो गए हैं। कुछ लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका की खबरों के बीच तलाश व बचाव अभियान के कारण मृतकों की संख्या बढ़ने का अनुमान। आपदा प्राधिकरण के प्रवक्ता मोहम्मद अब्दुल्ला जन ने बताया कि भूकंप और उसके बाद आए झटकों का सबसे ज्यादा असर हेरात प्रांत के 4 गांवों पर पड़ा है। अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षण ने बताया कि भूकंप का केंद्र हेरात से करीब 40 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में था। इसके बाद 6.3, 5.9 और 5.5 तीव्रता के 3 झटके महसूस किए गए। इस क्षेत्र में 7 भूकंप आए हैं। हेरात के रहने वाले अब्दुल समदी ने कहा कि भूकंप इतना घातक था कि लोग अपने घरों से बाहर आ गए। इसी वजह से सभी घर और दुकानें खाली हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा कि उसने घायलों को अस्पताल पहुंचाने के लिए 12 एंबुलेंस भेजी हैं। भूकंप से टेलीफोन लाइन ठप हो गई हैं। सोशल मीडिया पर दिख रहा है कि लोग घरों के बाहर सड़कों पर हैं। तालिबान ने इस भूकंप में मारे गए लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। पिछले दो दशकों में आया यह सबसे तगड़ा भूकंप है। सूचना एवं संस्कृति मंत्रालय के प्रवक्ता अब्दुल वाहिद रेयान ने कहा कि हेरात में भूकंप से मरने वालों की जो संख्या बताई जा रही है वह आंकड़ों से ज्यादा है। उन्होंने कहा कि करीब 6 गांव नष्ट हुए हैं और सैकड़ों लोग मलबे में दबे हैं। इससे पहले पिछले साल अफगानिस्तान में पाकिस्तान सीमा के करीब भूकंप आया था।

हमास के बड़े हमले में मारे गए 100 से अधिक इजरायली

तेल अवीव। इजरायल पर शनिवार सुबह से हमास के रॉकेट और घुसपैठ के हमले के दौरान कम से कम 100 इजरायली मारे गए हैं, जबकि 900 से अधिक लोग घायल हुए हैं, जिनमें से दर्जनों गंभीर रूप से घायल हैं। स्थानीय मीडिया ने इजरायली स्वास्थ्य मंत्रालय का हवाला देते हुए बताया कि शनिवार तड़के से हमास द्वारा इज़राइल में लगभग तीन हजार रॉकेट दागे गए। इज़रायली सेना के एक बयान के अनुसार, उसने हाल के घंटों में हमास के 20 से अधिक ठिकानों पर हवाई हमले किए। गाजा में फिलिस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार इजरायली हवाई हमलों में फिलिस्तीनी क्षेत्र में कम से कम 198 फिलिस्तीनियों की मौत हो गई और 1,610 अन्य घायल हो गए। शनिवार को भी इज़रायली नौसेना ने घोषणा की कि उसने इज़रायल में नौसैनिक घुसपैठ के प्रयास को विफल कर दिया, जिसमें दर्जनों आतंकवादी मारे गए। इज़रायली सेना रेडियो ने यह भी कहा कि दोपहर में दक्षिणी शहर निरिम में झड़प के दौरान इज़रायली सैनिकों ने नौ हमास आतंकवादियों को मार गिराया।

सैन फांसिस्को में आसमान से होने लगी मकड़ियों की बारिश

लंदन । आसमान से बारिश, बिजली और ओले गिरना आम है, लेकिन अगर कोई भयानक चीज आकाश से टपकने लगे? सोचकर भी रोंगटे खड़े हो जाते हैं। दरअसल, सैन फांसिस्को खाड़ी के एक छोटे क्षेत्र में मकड़ियों के आसमान से गिरने और जमीन पर पहुंचते ही सतहों पर चिपक जाने की कई चौंकाने वाली रिपोर्ट और तस्वीरें सामने आई हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, यहां के एक छोटे से क्षेत्र में लोगों ने आसमान से गिरते सफेद जाल के टुकड़े देखे हैं जिनमें बेबी स्पाइडर हैं। पेसिफिक ग्रोव की एक निवासी, ब्रुक शैडवेल ने बताया कि उनके घर के आसपास पर हर जगह जाल दिखाई दे रहे थे। ये जाल जमीन, झाड़ियों से चिपके हुए, बिजली लाइनों पर और लगभग हर जगह हैं। ये नजारे काफी डरावने हैं। उन्होंने कहा, ये नकली मकड़ी के जाले जैसे दिखते हैं, जिसे हैलोवीन स्टोर से खरीदा गया हो। छोटी मकड़ियों के साथ ये जाले बहुत रेशमी और चिपचिपे हैं। इन्हें देखकर डर लग रहा है। जीव विज्ञान के असिस्टेंट प्रोफेसर ने प्रकृति के खौफनाक नजारे को लेकर कहा, ये जाल के वे गुच्छे हैं, जिसमें मकड़ी अपने बच्चों को रखती हैं। जहां मकड़ी के बच्चे मूल रूप से पैदा हुए थे, वहां से दूर जाने के लिए, वे इन जालों को घुमाते हैं और रहने के लिए हवा के सहारे एक नई जगह पहुंचते हैं। जब हवा चलती है, तब मकड़ियों को ऊंची सतह पर जाने में मदद मिलती है। इस प्रक्रिया से पहले, मकड़ियां अपने निवास स्थान में सबके ऊंचे बिंदू तक रेंगती हैं और फिर अपने जालों को घुमाकर एक त्रिकोणीय पैराशूट बनाती हैं। इससे थोड़े से क्षेत्र में आकाश मकड़ियों से भरा हुआ दिखता है। वहीं अगर मौसम की स्थिति बदलती है, तब ये मकड़ियां जमीन पर गिरने लगती हैं और ऐसा लगता है कि मकड़ियों की बारिश हो रही है। इसतरह कुछ समय पहले अचानक से तूफान के बाद अमेरिका के टेक्सास में मछलियों की बारिश ने हैरान किया था। दरअसल, बीते साल यहां स्थित एक कस्बे में ऐसा ही हुआ था। कस्बे में हुई बारिश के साथ आसमान से पानी के साथ मछलियां भी गिर रही थीं। यह कस्बा अरकन्सास की सीमा पर स्थित है। लोगों ने मौके का फायदा भी उठाया। मछलियों को जमा करके घर ले गए। आसमान से जब मछलियों की बारिश शुरु हुई तब पहले सभी को लगा कि ओला गिर रहे हैं। इसलिए कोई बाहर नहीं निकला। लेकिन जब बारिश थमी, तब लोगों ने देखा कि यह कोई सामान्य बारिश नहीं थी। पूरे टेक्सारकाना कस्बे में चारों तरफ मछलियां पड़ी थीं।

इज़रायल में तनाव बढ़ने के बाद मरने वालों की संख्या 300 से अधिक हुई

तेल अवीव। फिलिस्तीनी-इजरायल संघर्ष के बढ़ने के बीच इज़राइल में मरने वालों की संख्या 300 से अधिक हो गई है, और 1,500 से अधिक लोग घायल हो गए हैं। इजरायली मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गयी। इजराइली अखबार जेरूसलम पोस्ट ने देश के स्वास्थ्य मंत्रालय के हवाले से खबर दी है कि अब तक हुए संघर्ष में मरने वालों की संख्या 300 से ज्यादा हो गई है और 1,500 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं.

कैलिफोर्निया के गवर्नर ने जातिगत भेदभाव पर रोक लगाने वाले विधेयक पर वीटो किया

वाशिंगटन (एजेंसी)। कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसम ने प्रांतीय असेंबली द्वारा हाल ही में पारित जातिगत भेदभाव विरोधी विधेयक पर शनिवार को वीटो कर दिया। न्यूसम ने अपने फैसले के समर्थन में तर्क दिया कि कैलिफोर्निया में जातिगत भेदभाव पर रोक लगाने वाले कानून पहले से मौजूद हैं।

भारतीय-अमेरिकी समुदाय के एक बड़े वर्ग ने न्यूसम के कदम का स्वागत किया है। ये लोग इसी तर्क के आधार पर इस विधेयक का विरोध कर रहे थे। न्यूसम ने एक बयान में कहा, 'कैलिफोर्निया में हमारा मानना है कि हर किसी से गरिमा और सम्मान के साथ व्यवहार किया जाना चाहिए, चाहे वह कोई भी हो, कहां से भी आया हो, किसी से भी प्यार करता हो या कहीं भी रहता हो।'

उन्होंने कहा, 'यही कारण है कि कैलिफोर्निया लिंग, नस्ल, रंग, धर्म, वंश, राष्ट्रीय मूल, विकलांगता, लैंगिक पहचान, यौन झुकाव और अन्य विशेषताओं के आधार पर भेदभाव को से ही प्रतिबंधित करता है। साथ ही प्रांत का कानून निर्दिष्ट करता है कि इन नागरिक अधिकारों की उदारतापूर्वक सुरक्षा की जाए। चूंकि इन मौजूदा श्रेणियों के तहत जाति के आधार पर भेदभाव पहले से ही निषिद्ध है, इसलिए यह विधेयक अनावश्यक है।' न्यूसम ने दावा किया कि वह इसी कारण से उस विधेयक पर 'हस्ताक्षर नहीं कर सकते', जिसे 'एसबी403' के नाम से जाना जाता है और जो कैलिफोर्निया की प्रतिनिधि सभा और सीनेट में भारी मतों से पारित किया गया था। विधेयक निष्पक्ष रोजगार और आवास अधिनियम, अनरूह अधिनियम और शिक्षा संहिता के प्रयोजनों के लिए 'वंश' को परिभाषित करता है, जिसमें 'जाति' और वंश के अन्य आयामों को शामिल किया गया है। विधेयक के विरोधियों ने फैसले को ऐतिहासिक बताया और कहा कि गवर्नर न्यूसम के इस तरह के कदम ने प्रांत में दक्षिण एशियाई समुदाय और हिंदुओं को निशाना बनाने के कई लोगों के प्रयासों को नाकाम कर दिया है।

इज़राइल के रक्षा मंत्री ने पूरे इज़राइल में 'विशेष सुरक्षा स्थिति' बढ़ाई

तेल अवीव। इजरायली रक्षा मंत्री योव गैलेंट ने आदेश दिया है कि फिलिस्तीनी-इजरायल संघर्ष के बढ़ने के बीच देश के पूरे क्षेत्र में 'विशेष सुरक्षा स्थिति' का दर्जा बढ़ाया जाए। इजरायली रक्षा मंत्रालय ने एक विज्ञप्ति में यह जानकारी दी। विज्ञप्ति में कहा गया है, 'परिचालन आकलन के बाद, रक्षा मंत्री योव गैलेंट ने आज शाम (शनिवार, 7 अक्टूबर 2023) 'विशेष सुरक्षा स्थिति' का विस्तार किया है - यह स्थिति अब इज़राइल के संपूर्ण क्षेत्र पर लागू होती है।' यह उपाय इज़राइल रक्षा बलों (आईडीएफ) को 'नागरिकों को सुरक्षा निर्देश प्रदान करने और सुरक्षा आवश्यकताओं के अनुसार सार्वजनिक साइटों को बंद करने' में सक्षम करेगा। आईडीएफ ने रविवार को कहा कि नाहल ब्रिगेड के कमांडर, 42 वर्षीय कर्नल जोनाथन स्टाइनबर्ग संघर्ष के दौरान मारे गए। आईडीएफ ने 'उनके परिवार के प्रति हार्दिक संवेदना' व्यक्त की और 'इस कठिन समय' में उनका समर्थन करने का वादा किया। इस बीच हारेत्ज़ अखबार ने बताया कि दक्षिणी इज़राइल में बेरी के किबुत्ज़ में फिलिस्तीनी बलों द्वारा बंधक बनाए गए इजरायली नागरिकों को कई घंटों के बाद रिहा कर दिया गया। अखबार ने यह भी बताया कि आईडीएफ द्वारा गाजा पट्टी के बाहरी इलाके में कई बस्तियों पर नियंत्रण हासिल करने की घोषणा के बाद इजराइल में पांच स्थानों पर झड़पें जारी थीं। ग्रीक अखबार काथिमेरिनी ने बताया कि संघर्ष के बढ़ने के बीच इज़राइल ग्रीस से 5 हजार रिजर्व सैनिकों को घर लाने की योजना बना रहा है और कहा कि ऐसा करने के लिए इज़राइल के लिए 20 उड़ानों की योजना बनाई गई है।

बाइडन ने इजराइल को 'ठोस' समर्थन देने का आह्वान किया

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा कि इजराइल को अपनी और अपने लोगों की रक्षा करने का अधिकार है। उन्होंने हमास के 'आतंकवादी हमलों' के जवाब में इजराइल को 'ठोस और अटूट' समर्थन देने का आह्वान किया।

फलस्तीन के चरमपंथी समूह हमास ने शनिवार को इजराइल में रॉकेट हमले शुरू किए, जिसमें कम से कम 250 लोगों की मौत हो चुकी है। मीडिया में आई खबरों में अधिकारियों के हवाले से कहा गया है कि इजराइल ने भी जवाबी कार्रवाई करते हुए गाजा पट्टी पर हवाई हमले किए, जिसमें 230 से अधिक लोग मारे गए हैं। अमेरिका ने इजरइल के लिए समर्थन जुटाने और हमास के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई शुरू करने के लिए एक बड़ा कूटनीतिक अभियान शुरू किया।

बाइडन ने शनिवार शाम को व्हाइट हाउस से कहा, 'आतंकवादी हमलों के मद्देनजर इजराइल को अपनी और अपने लोगों की रक्षा करने का अधिकार है। यह इजराइल के किसी भी शत्रु के लिए इन हमलों का फायदा उठाने का वक्त नहीं है। दुनिया देख रही है।' उन्होंने कहा कि वह जॉर्डन के शाह के संपर्क में हैं और कांग्रेस (अमेरिकी संसद) के कई सदस्यों से भी बात की है। बाइडन ने अपने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार दल को इजराइली समकक्षों से बातचीत करने का निर्देश दिया है, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि इजराइल के पास सभी आवश्यक साधन उपलब्ध हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, 'मैंने अपने दल को मिस्र, तुर्किये, कतर, सऊदी अरब, जॉर्डन, ओमान, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) समेत क्षेत्र के सभी देशों के नेताओं व हमारे यूरोपीय साझेदारों तथा फलस्तीनी प्राधिकारियों के साथ लगातार संपर्क में रहने का भी निर्देश दिया है।' उन्होंने हमले में मारे गए लोगों के संदर्भ में कहा कि यह मानवीय स्तर पर भी एक भयानक त्रासदी है।

बाइडन ने कहा कि दुनिया ने भयावह तस्वीरें देखी हैं। इजराइली शहरों पर कुछ ही घंटों के भीतर हजारों रॉकेट बरसाए गए। इससे पहले, बाइडन ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) जेक सुलिवन, विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन और रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन समेत अपने राष्ट्रीय सुरक्षा दल के साथ कई बैठकें कीं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, 'राष्ट्रपति को हालात और घटनाक्रम की पूरी जानकारी दी गई है। उन्होंने इजराइली और क्षेत्रीय समकक्षों के साथ बातचीत करने का निर्देश दिया है। इसके तुरंत बाद राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को फोन किया। प्रधानमंत्री ने स्पष्ट रूप से कहा कि यह इजराइल के लिए अभूतपूर्व दिन है।'

अधिकारी के मुताबिक, बाइडन ने इजराइल को पूरा समर्थन देने और सेना तथा खुफिया दलों के बीच करीबी समन्वय पर जोर दिया। एक सवाल के जवाब में अधिकारी ने कहा कि अमेरिका इस अहम वक्त में इजराइल को सहयोग देना जारी रखेगा। उन्होंने कहा, 'हमारी इजराइल के साथ बहुत करीबी साझेदारी है। हम हमेशा इजराइल और अन्य साझेदारों के साथ क्षेत्र में खबरों के बारे में वक्त-वक्त पर खुफिया जानकारी साझा करते हैं। राष्ट्रपति ने अपने दल को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि इजराइल को जिस तरह के भी सहयोग की जरूरत हो, उसे वह मुहैया कराया जाए।'

बांगलादेश: पीएम हसीना ने ढाका हवाईअड्डे के तीसरे टर्मिनल का किया उद्घाटन

लंदन (एजेंसी)। ढाका-बांगलादेश में प्रधानमंत्री शेख हसीना ने शनिवार को राजधानी ढाका में विश्व स्तरीय यात्री सेवा और सुरक्षा प्रदान करने के लिए देश के विमानन क्षेत्र में क्रांति लाने के लिए तैयार हजरत शाहजलाल अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के नवनिर्मित तीसरे टर्मिनल का उद्घाटन किया। नागरिक उड्डयन और पर्यटन राज्य मंत्री महबूब अली, जापान के विदेश मामलों के उप मंत्री मासाहिरो कोमुरा, सचिव नागरिक उड्डयन और पर्यटन मोकमेल हुसैन और बांग्लादेश के नागरिक उड्डयन प्राधिकरण के अध्यक्ष एयर वाइस मार्शल एम मोफिदुर रहमान के अलावा जापान के भूमि, बुनियादी ढांचा, परिवहन और पर्यटन मंत्रालय के सैतो तेत्सु भी उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री हसीना ने बाद में टर्मिनल-3 के विभिन्न खंडों का दौरा किया और इसके विभिन्न विभागों का निरीक्षण किया और सुविधाओं के बारे में जानकारी दी गई। कार्यक्रम में तीसरे टर्मिनल पर एक वीडियो डॉक्यूमेंट्री दिखाई गई। नागरिक उड्डयन प्राधिकरण की गतिविधियों पर एक अन्य वीडियो वृत्तचित्र भी दिखाया गया। ढाका एयरपोर्ट के नए टर्मिनल का लगभग 90 फीसदी काम पूरा हो चुका है और बाकी काम जोरों पर चल रहा है। सिस्टम एकीकरण और अंशांकन के पूरा होने के बाद तीसरा टर्मिनल अगले साल के अंत तक यात्री उपयोग के लिए पूरी तरह से चालू हो जाएगा।

कलेक्टेड तीसरे टर्मिनल के डबल एंट्री ब्रिज सहित बारह बोर्डिंग गेट अगले साल तक चालू होने और अन्य 14 बोर्डिंग ब्रिज बाद में स्थापित होने की उम्मीद है। 21,300 करोड़ रुपए की लागत से तीसरी टर्मिनल परियोजना 28 दिसंबर, 2019 को शुरू हुई। इसमें से सरकार ने 5,000 करोड़ रुपए खर्च किया और शेष राशि जापान इंटरनेशनल कोऑपरेशन एजेंसी प्रदान कर रही है। 5,42,000 वर्ग मीटर के क्षेत्र को कवर करने वाले तीसरे टर्मिनल में 2,30,000 वर्ग मीटर का फर्श होगा जिसमें 115 चेक-इन काउंटर, 66 प्रस्थान आव्रजन डेस्क, 59 आगमन आव्रजन और तीन वीआईपी आव्रजन डेस्क होंगे।

प्रतियोगिता जीतने युवक ने लगा दी जान की बाज़ी

- शराब पीने की थी प्रतियोगिता, 2 लाख से भी ज्यादा का था इनाम

बीजिंग (एजेंसी)। पड़ोसी देश चीन के गुआंगडॉन्ग प्रोविंस में मौजूद शेनज़ेन शहर में एक कर्मचारी ने ऑफिस की एक प्रतियोगिता में जीतने के लिए अपनी जान की बाज़ी लगा दी। ये प्रतियोगिता भी कोई बड़ी चीज़ नहीं बल्कि शराब पीने की थी। जो जल्दी शराब पीता, उसे इनाम मिलता।ये घटना जुलाई की बताई जा रही है, जब कंपनी की ओर से एक डिनर कर्मचारियों के लिए आयोजित किया गया था। इसमें कंपनी के बॉस ने ड्रिंकिंग कॉम्पटीशन रखा, जिसमें जीतने वाले को 20 हज़ार युआन यानि 2 लाख 20 हज़ार से भी ज्यादा का इनाम दिया जाना था। जांग सरनेम वाले कर्मचारी से ज्यादा शराब पीने पर बॉस ने 5000 युआन की घोषणा की। जब इनाम की राशि 10 हज़ार तक बढ़ी, तो कुछ लोगों ने इसमें दिलचस्पी दिखाई। साथ ही शर्त ये थी कि अगर जांग को कोई हरा नहीं पाया तो उसे 2 लाख रुपये मिलेंगे और अगर वो हार गया तो वो 1 लाख की ट्रीट लोगों को देगा।

पूर्व राष्ट्रपति करजई ने पाकिस्तान के अफगान शरणार्थियों को निष्कासित करने के फैसले का किया विरोध

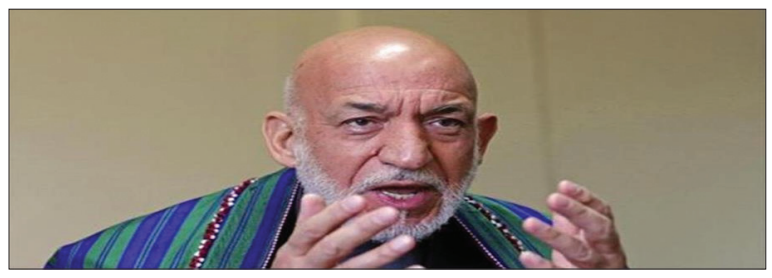

इंटरनेशनल डेस्क। अफगानिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति हामिद करजई ने पाकिस्तान द्वारा अफगान शरणार्थियों के व्यापक निष्कासन की कड़ी आलोचना की है। खामा प्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने इसे अच्छे पड़ोसी और मानवीय मूल्यों के सिद्धांतों के साथ अनुचित और असंगत करार दिया है। करजई ने जोर देकर कहा कि पाकिस्तान की समस्याओं का अफगानिस्तान और अफगान प्रवासियों से कोई संबंध नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि पाकिस्तान की कार्रवाई अफगान प्रवासियों को भाईचारा और आतिथ्य प्रदान करने के देश के चार दशक लंबे इतिहास के बिल्कुल विपरीत है।

उन्होंने पाकिस्तान के आर्थिक और सामाजिक क्षेत्रों पर अफगान प्रवासियों के महत्वपूर्ण सकारात्मक प्रभाव पर प्रकाश डाला। इसके बाद करजई ने पाकिस्तान से अपने द्विपक्षीय संबंधों में अधिक दूरदर्शी और विवेकपूर्ण दृष्टिकोण की वकालत करते हुए अफगानिस्तान के प्रति अपने रुख का पुनर्मूल्यांकन करने का आग्रह किया। इस बीच, खामा प्रेस के अनुसार, एमनेस्टी इंटरनेशनल ने भी पाकिस्तानी सरकार से अफगान प्रवासियों के लिए अपना ÷ऐतिहासिक समर्थन÷ जारी रखने और उन्हें पाकिस्तान से बाहर निकालने की अपनी धमकी को पूरा नहीं करने का आग्रह किया है।

छात्रों के हित में काम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं : टोंरटो विश्वविद्यालय ने भारत-कनाडा विवाद के बीच कहा

टोरंटो (एजेंसी)। भारत और कनाडा में जारी कूटनीतिक गतिरोध के बीच यहां एक प्रमुख विश्वविद्यालय ने छात्र समुदाय को आश्वस्त किया और उनके हित में काम करने की प्रतिबद्धता जताते हुए कहा कि भारत द्वारा वीजा प्रक्रिया निलंबित किए जाने से आपसी संपर्क बाधित होगा।

टोरंटो विश्वविद्यालय के अंतरराष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रोफेसर जोसेफ वोंग ने यहां 'पीटीआई-भाषा' से कहा, 'हम जानते हैं कि टोरंटो विश्वविद्यालय समुदाय के कई सदस्य कनाडा और भारत की सरकारों के बीच संबंधों पर चिंताजनक रूप से नजर रखे हुए हैं। स्थिति तेजी से बदल रही है, जिससे अनिश्चितता और तनाव पैदा हो रहा है। हमारे पास अभी तक कई गंभीर सवालों के जवाब नहीं हैं।' वोंग ने कहा कि टोरंटो विश्वविद्यालय को 'भारत के 2,400 से अधिक छात्रों का घर होने पर गर्व है, जो हमारी कक्षाओं और कैंपस जीवन को समृद्ध बनाते हैं' तथा कई और छात्रों, संकाय सदस्यों, पुस्तकालय कर्मियों और पूर्व छात्रों के भारत से रिश्ते हैं। उन्होंने कहा, 'हम अपने समुदाय के सभी प्रभावित सदस्यों और खासतौर से अंतरराष्ट्रीय छात्रों को आश्वस्त करना चाहते हैं कि आपका यहां स्वागत है और हम आपके कुशलक्षेम का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।'

वोंग ने कहा कि विश्वविद्यालय भारत के साथ अपनी 'दीर्घकालीन साझेदारी' के प्रति प्रतिबद्ध है, जो विभिन्न क्षेत्रों में अकादमिक सहयोग का समर्थन करती है और अपने छात्रों के सीखने के लिए अमूल्य वैश्विक अवसर मुहैया कराती है। उन्होंने कहा, 'हम स्थानीय और वैश्विक स्तर पर बदलाव लाने के हमारे पारस्परिक लक्ष्य के अनुरूप इन संबंधों को जारी रखने और गहरा करने के लिए तत्पर हैं। अल्पावधि में कनाडा के यात्रियों के लिए वीजा प्रक्रिया के निलंबन से आपसी संपर्क में बाधा आएगी, लेकिन हम ऑनलाइन संपर्क के जरिये इन संबंधों का निर्माण करते रहेंगे।'

वोंग ने कहा कि विश्वविद्यालय भारत और कनाडा के बीच बदलते रिश्तों का टोरंटो विश्वविद्यालय समुदाय पर पड़ने वाले असर पर नजर बनाए रखेगा और 'जैसे-जैसे हमें जानकारियां मिलती जाएंगी, हम सूचना देते रहेंगे।' जून में खालिस्तानी अलगाववादी नेता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंट की भूमिका संबंधी कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के आरोप के बाद भारत और कनाडा के बीच कूटनीतिक गतिरोध पैदा हो गया है। इस विवाद के बीच भारत ने पिछले सप्ताह कनाडा से नयी दिल्ली में अपने राजनयिकों की संख्या कम करने के लिए कहा था।

भारत ने कहा कि कनाडा को संख्या में समानता हासिल करने के लिए देश में अपनी राजनयिक उपस्थिति कम करनी चाहिए और आरोप लगाया कि कनाडा के कुछ राजनयिक

नयी दिल्ली के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करने में शामिल हैं। भारत ने कनाडा में अपनी वीजा सेवाओं को भी 'अगले आदेश तक निलंबित' कर दिया है। वैश्विक शिक्षा उद्योग के लिए एक बाजार सूचना संसाधन 'आईसीईएफ मॉनिटर' के अनुसार, दिसंबर 2022 के अंत तक 3,20,000 भारतीय छात्रों के पास कनाडा में पढ़ाई का परमिट था।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मध्यप्रदेश में 9 अक्टूबर को हो सकता है चुनाव की तारीखों का ऐलान

भोपाल। मध्यप्रदेश सहित देश के पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव के लिए चुनाव आयोग सोमवार, 9 अक्टूबर को तारीखों का ऐलान कर सकता है। इसके बाद पूरे प्रदेश में आदर्श आचार संहिता लागू हो जाएगी। इस बार भी एक चरण में ही मतदान होगा। मध्य प्रदेश में नवंबर के तीसरे या चौथे सप्ताह में मतदान हो सकता है। हम बता दें कि मप्र सरकार का कार्यकाल 6 जनवरी 2024 को खत्म हो रहा है। हम बता दें कि पिछली बार 2018 में मध्य प्रदेश में 6 अक्टूबर को चुनाव की तारीखों का ऐलान हुआ था। जबकि 28 नवंबर को एक चरण में चुनाव हुए थे। इसके अलावा 2013 में 4 अक्टूबर, 2008 में 14 अक्टूबर और 2003 में 12 अक्टूबर को चुनाव की तारीखों का ऐलान हुआ था।

-लागू हो जाएगी आचार संहिता

प्रदेश में चुनाव की तारीखों के ऐलान के साथ ही आदर्श आचार संहिता लागू हो जाएगी। इसके बाद सार्वजनिक लोकार्पण और शिलान्यास प्रतिबंध हो जाएंगे। किसी भी नए काम या योजना को स्वीकृति नहीं दी जा सकेंगी। सरकार अपनी उपलब्धियों के न होर्डिंग्स लगा सकेगी और न उपब्धियों के विज्ञापन मीडिया में दे सकेंगी।

मेघालय के 27 नागरिक फलस्तीन में फंसे, सुरक्षित वापसी की कोशिश

नई दिल्ली। यरुशलम की पवित्र तीर्थयात्रा के लिए गए मेघालय के 27 नागरिक इजरायल और फलस्तीन के बीच तनाव के कारण बेथलहम शहर में फंस गए हैं। यहां पर इजरायल और आतंकी संगठन हमास के बीच जंग जारी है। मेघालय के सीएम कोनराड संगमा ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा ?कि यरुशलम की पवित्र तीर्थयात्रा के लिए गए मेघालय के 27 नागरिक इजरायल और फलस्तीन के बीच तनाव के कारण बेथलहम में फंस गए हैं। मैं उनकी सुरक्षित घर वापसी सुनिश्चित करने के लिए विदेश मंत्रालय के संपर्क में हूं। गौरतलब है कि आतंकी संगठन हमास ने शनिवार को स्वतंत्र फलस्तीन की मांग करते हुए इजरायल के सात शहरों पर अचानक हमला कर दिया। इस दौरान उसने हजारों रॉकेट दागे, जिसमें शारनेगेव शहर के मेयर समेत 300 से अधिक लोग मारे गए। हमास के आतंकियों ने कई विदेशी नागरिकों को भी बंधक बना लिया है। हमास के हमले का जवाब देते हुए इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भी युद्ध का एलान कर दिया। उन्होंने कहा कि हमास के सभी ठिकानों को मलबे में तब्दील किया जाएगा। उसे भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। वहीं अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने इजरायल का समर्थन करते हुए हमास के हमले की निंदा की और हर संभव सहायता देने का भरोसा दिया। ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी और जापान समेत अन्य देशों ने भी इजरायल का समर्थन किया है, जबकि सऊदी अरब, मिस्र और रूस ने युद्धविराम की अपील की है। इजरायल के जवाबी हमले में अब तक हमास के 230 आतंकी मारे गए हैं। हमास ने यह हमला तब किया, जब यहूदी धर्म मानने वाले लोग अपना त्योहार मना रहे थे। ऐसा हमला 50 साल पहले 1973 में इजरायल पर किया गया था। यह हमला मिस्र और सीरिया की सेनाओं ने किया था। दोनों देश 1967 के युद्ध में इजरायल द्वारा कब्जा की गई अपनी जमीन छुड़ाना चाहते थे।

सिक्किम बाढ़ की स्थिति की समीक्षा के लिए पहुंचे केंद्रीय मंत्री

गंगटोक। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय कुमार मिश्रा ने सिक्किम में बाढ़ की स्थिति को एक बड़ी त्रासदी बताते हुए कहा है कि मानव जीवन को बचाना अब प्राथमिकता है। श्री मिश्रा ने शनिवार को एक उच्च स्तरीय बैठक में राज्य में बाढ़ की स्थिति का जायजा लिया। ताशिलिंग सचिवालय में विचार-विमर्श के दौरान मुख्य सचिव वीबी पाठक और राज्य सरकार और भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, सीमा सड़क संगठन, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस, भारतीय सेना और राष्ट्रीय जलविद्युत ऊर्जा निगम के अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। श्री मिश्रा ने अक्टूबर के बाद से राहत और पुनर्वास के लिए उठाए गए कदमों के बारे में जानकारी ली और मुख्य सचिव पाठक ने उन्हें जानकारी दी। उन्होंने कहा कि राज्य की मांगें तुरंत पूरी की जाएंगी। मंत्री मिश्रा ने कहा, 'सामान्य जीवन बहाल करने के लिए हमें (केंद्र और राज्य) मिलकर काम करना होगा। हम प्राथमिकताओं की पहचान पर काम कर रहे हैं और यह सुनिश्चित करने के लिए कि जनता की आवश्यकताएं पूरी हों।' उन्होंने स्थिति की देखभाल करने और प्रभावितों तक पहुंचने में सीएम पीएस तमांग के उत्साह और समर्पण की सराहना की। श्री मिश्रा ने कहा कि अचानक आई बाढ़ से हुए नुकसान का आकलन करने और जहां भी आवश्यक हो सहायता प्रदान करने के लिए गठित एक अंतर मंत्रालयी समिति रविवार से प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करने जा रही है। राज्य मंत्री ने राज्य सरकार के अधिकारियों को जल्द से जल्द पुनर्निर्माण के लिए अल्पकालिक और दीर्घकालिक योजनाएं तैयार करने का निर्देश दिया।

पंजाबी गायिका जैस्मीन सैंडलस को दिल्ली में एक कार्यक्रम से पहले मिली जान से मारने की धमकी

नई दिल्ली। पंजाबी गायिका जैस्मीन सैंडलस ने आरोप लगाया है कि एक कार्यक्रम के लिए दिल्ली पहुंचने के बाद उन्हें जान से मारने की धमकी मिली है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि फोन करने वाले व्यक्ति ने गायिका को धमकी देते हुए जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई का जिक्र किया था। उन्होंने बताया कि अमेरिका की रहने वाली सैंडलस को जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में प्रस्तुति देनी है। अधिकारियों ने बताया कि सैंडलस को जिस फोन से धमकी दी गई वह अंतरराष्ट्रीय नंबर है। गायिका के स्टाफ ने तत्काल उत्तरपश्चिमी दिल्ली की पुलिस से संपर्क किया। उन्होंने बताया कि सैंडलस को होटल में सुरक्षा उपलब्ध कराई गई है और मामले में जांच जारी है।

बेंगलुरु : पटाखे की दुकान में आग से मरने वालों की संख्या 14 हुई

बेंगलुरु/चेन्नई। बेंगलुरु के अनेकल तालुक के अट्टीबेले इलाके में स्थित पटाखे की एक दुकान में आग लगने से दो और लोगों की मौत के बाद घटना में मरने वाले लोगों की कुल संख्या रविवार को 14 हो गई। पुलिस सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि शनिवार को दुकान में आग लगने से 12 लोगों की जलकर मौत हो गई थी, जबकि दो अन्य लोगों ने रविवार को इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने शनिवार को घटनास्थल का दौरा किया था और घटना में मारे गए लोगों के परिजनों को पांच-पांच लाख रुपये का मुआवजा देने की घोषणा की थी। मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने घटना में लोगों की मौत पर संवेदना प्रकट की है। पुलिस के मुताबिक, मृतकों में ज्यादातर पटाखे की दुकान में काम करने वाले कर्मचारी शामिल हैं, जिनकी पहचान सुनिश्चित करने के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस ने बताया कि घटना शनिवार दोपहर साढ़े तीन बजे हुई, जब एक वाहन से पटाखों के डिब्बों को उतारने का काम जारी था। पुलिस अधीक्षक (बेंगलुरु देहात) मल्लिकार्जुन बालादंडी ने कहा, 'जिस वक्त आग लगी, उस वक्त कुछ कर्मचारी दुकान के अंदर काम कर रहे थे। दमकल की नौ से ज्यादा गाड़ियों को मौके पर भेजा गया और आग पर काबू पा लिया गया।' पुलिस के अनुसार, नवरात्रि और दीपावली के मद्देनजर दुकान में लाखों रुपये के पटाखे रखे हुए थे, जिनमें आग लगने से विस्फोट होने लगा। उसने बताया कि आग की वजह से दुकान के आस-पास खड़े वाहन जलकर खाक हो गए। यह घटना तमिलनाडु सीमा से कुछ दूरी पर हुई। पुलिस के मुताबिक, ज्यादातर मृतक पड़ोसी राज्य तमिलनाडु के धर्मपुरी जिले के अम्मलपेट्टई, तिरुपत्तूर जिले के वानियमबाड़ी और कल्लाकुरिची जिले के रहने वाले हैं। उसने बताया कि घायलों में दुकान का मालिक भी शामिल है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने गंभीर रूप से घायलों को एक-एक लाख रुपये और मामूली रूप से घायलों को 50-50 हजार रुपये मुआवजा देने की घोषणा की है।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह 9 से 12 अक्टूबर तक इटली व फ्रांस के दौरे पर

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 09 से 12 अक्टूबर तक इटली और फ्रांस का दौरा करेंगे। अपनी दो देशों की यात्रा के पहले चरण के दौरान रक्षा मंत्री का रोम में इतालवी रक्षा मंत्री गुइडो क्रिसेटो से मिलने का कार्यक्रम है। रक्षा मंत्रालय ने रविवार को एक विज्ञप्ति में यह जानकारी दी। मार्च 2023 में इतालवी प्रधानमंत्री की भारत यात्रा के दौरान भारत और इटली के बीच संबंधों को रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाया गया था। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक दूसरे और अंतिम चरण के दौरान राजनाथ सिंह पेरिस में अपने समकक्ष फ्रांसीसी सशस्त्र बल मंत्री सेबेस्टियन लेकोर्नू के साथ 5वीं वार्षिक रक्षा वार्ता का संचालन करेंगे।

राजस्थान सरकार जाति आधारित सर्वेक्षण करवाएगी, आदेश जारी

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान सरकार जाति आधारित सर्वेक्षण करवाएगी जिसके लिए आदेश शनिवार रात जारी कर दिया गया। सामाजिक न्याय व अधिकारिकता विभाग की ओर से जारी इस आदेश में कहा गया है कि राज्य सरकार अपने संसाधनों से जाति आधारित सर्वेक्षण करायेगी। देर रात जारी आधिकारिक बयान के अनुसार सभी वर्गो के सर्वांगीण विकास के लिए संकल्पित राज्य सरकार अपने संसाधनों से जाति आधारित सर्वेक्षण कराएगी।

इसके अनुसार प्रस?तावित सर्वेक्षण में राज्य के समस्त नागरिकों के सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षणिक स्तर के सम्बंध में जानकारी एवं आकंड़े एकत्रित किए जाएंगे। इसके अनुसार राज्य सरकार द्वारा इनका विशेष अध्ययन कराया जाकर वर्गों के पिछड़ेपन की स्थिति में सुधार लाने के लिए विशेष कल्याणकारी उपाय और योजनाएं लागू की जाएगी।

बयान के अनुसार इससे सभी वर्गों के जीवन स्तर में सुधार आएगा। इसके अनुसार राज्य मंत्रिमंडल के निर्णय की अनुपालना में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के शासन सचिव डॉ. समित शर्मा द्वारा इस सम्बंध में आदेश जारी किया गया है। इसके अनुसार सर्वेक्षण कार्य आयोजना (आर्थिक एवं सांख्यिकी) विभाग द्वारा नोडल विभाग के रूप में सम्पादित किया जाएगा। इसके अनुसार साथ ही, सभी जिला कलेक्टर सर्वेक्षण के लिए नगर पालिका, नगर परिषद, नगर निगम, ग्राम एवं पंचायत स्तर पर विभिन्न विभागों के अधीनस्थ कार्मिकों की सेवाएं ले सकेंगे।

इसके अनुसार कार्य के लिए नोडल विभाग द्वारा प्रश्नावली तैयार की जाएगी जिसमें उन समस्त विषयों का उल्लेख होगा, जिससे प्रत्येक व्यक्ति की सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षणिक स्तर की सम्पूर्ण जानकारी प्राप्त हो सके। बयान के अनुसार सर्वेक्षण से प्राप्त सूचनाएं एवं आंकड़ें ऑनलाइन फीड किए जाएंगे। बयान के अनुसार इसके लिए सूचना, प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग द्वारा पृथक से विशेष सॉफ्टवेयर एवं मोबाइल ऐप बनाया जाएगा। इसके अनुसार सर्वेक्षण से प्राप्त संकलित की गई सूचनाएं विभाग सुरक्षित रखेगा।

कांग्रेस पार्टी के आधिकारिक एक्स एकाउंट पर इस आदेश की प्रति साझा करते हुए लिखा गया, ''राजस्थान की कांग्रेस सरकार जाति आधारित सर्वेक्षण कराएगी। कांग्रेस जिसकी जितनी भागीदारी-उसकी उतनी हिस्सेदारी के अपने संकल्प पर काम कर रही है।'' उल्लेखनीय है कि इससे पहले दिन में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा था कि राज्य सरकार बिहार के मॉडल को अपनाते हुए राज्य में जातिगत सर्वेक्षण करवाएगी और यह भी एक बड़ा फैसला है। गहलोत ने कहा, ''जनगणना तो भारत सरकार ही करवा सकती है, यह केवल परिवारों का सर्वेक्षण हो रहा है जिसमें उनकी आर्थिक स्थिति भी पता चल जाएगी। मैं समझता हूं कि बहुत बड़ा निर्णय हुआ है। हमारी पार्टी की प्रतिबद्धता है, हम इसे आगे बढ़ाएंगे।

राम मंदिर निर्माण पर अब तक खर्च हुए 900 करोड़ रुपये : चंपत राय

अयोध्या। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सचिव चंपत राय ने कहा है कि उत्तर प्रदेश के अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण पर 5 फरवरी, 2020 से 31 मार्च, 2023 के बीच 900 करोड़ रुपये की राशि खर्च की गई है। राय ने कहा कि मंदिर ट्रस्ट के बैंक खातों में अभी भी 3,000 करोड़ रुपये से अधिक है। राय ने बताया कि शनिवार को ट्रस्ट की बैठक में कुल 18 बिंदुओं पर चर्चा हुई। इनमें विदेशी मुद्रा में दान लेने की कानूनी प्रक्रिया भी शामिल थी। ट्रस्ट ने एफसीआरए के तहत विदेशी योगदान की अनुमति के लिए आवेदन किया है। राय ने कहा कि सरयू तट पर स्थित राम कथा संग्रहालय एक कानूनी ट्रस्ट होगा और वहां राम मंदिर का 500 साल का इतिहास और 50 साल के कानूनी दस्तावेज रखे जाएंगे। प्रतिष्ठा समारोह के लिए एक धार्मिक समिति का गठन किया गया है। पैनल रामानंदी परंपरा के अनुसार भगवान के श्रृंगार, कपड़े और देवता की पूजा पद्धति पर निर्णय लेगा। पैनल में नृत्य गोपाल दास, गोविंद देवगिरी, तेजावर स्वामी, चंपत राय, अनिल मिश्रा और अयोध्या के रामानंद परंपरा के चार संत शामिल होंगे।

वायु सेना को हर तरह के युद्ध में हावी होने के लिए रणकौशल बढाना होगा: वायु सेना प्रमुख

प्रयागराज (एजेंसी)। वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वी आर चौधरी ने कहा है कि आधुनिक युद्धों की कोई सीमा नहीं है इसलिए वायु सेना को हर तरह के युद्ध में हावी होने के लिए अंतरिक्ष, साइबर और जमीनी क्षमताओं के तालमेल को बढाते हुए अपने रणकौशल को बढाना होगा।

एयर चीफ मार्शल चौधरी ने रविवार को यहां 92 वें वायु सेना दिवस के मौके पर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि मल्टी-डोमेन ऑपरेशन से लेकर हाइब्रिड युद्ध तक, वायु सेना को यह पहचानने की जरूरत है कि आधुनिक युद्ध पारंपरिक सीमाओं से परे है। उन्होंने कहा कि इसे ध्यान में रखते हुए, 'हमें युद्ध क्षेत्र पर हावी होने के लिए वायु, अंतरिक्ष, साइबर और जमीनी क्षमताओं को सहजता से एकीकृत करना होगा। हमें खुद से यह सवाल पूछना चाहिए कि, मैं और क्या कर सकता हूं? अपने आप को आज की जरूरतों तक सीमित न रखें। आज से आगे सोचें और आपको एहसास होगा कि अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है।'

प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल अनिल चौहान और नौसेना तथा थल सेना प्रमुखों की मौजूदगी में वायु सैनिकों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि पिछले नौ दशकों में भारतीय वायुसेना की ताकत लगातार बढी है और यह दुनिया की बेहतरीन वायु सेनाओं में से एक बन गई। उन्होंने सवाल किया, 'लेकिन क्या इतना काफी है? यदि भारत 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनने की राह पर है, तो 2032 में जब हम 100 वर्ष पूरे करेंगे, तब तक भारतीय वायुसेना को सर्वोत्तम नहीं तो सर्वोत्तम में से एक होना चाहिए।'

वायु सेना प्रमुख ने कहा,'सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण बात, मैं आपसे यह आग्रह करना चाहूंगा कि आप जो कुछ भी करते हैं उसमें उत्कृष्टता के लिए प्रयास करें। यह समझौता योग्य नहीं है. हमें अपने संचालन, प्रशिक्षण, रखरखाव और प्रशासन के हर पहलू में खुद को उच्चतम मानकों पर रखना चाहिए। हमें प्रौद्योगिकी और नवाचार में अग्रणी बनने का प्रयास करना चाहिए। हमें तकनीकी श्रेष्ठता बनाने के लिए अत्याधुनिक अनुसंधान, विकास और अधिग्रहण में निवेश करना चाहिए। नवाचार हमारे डीएनए का हिस्सा बनना चाहिए, जिससे हम उभरते खतरों और चुनौतियों से आसानी से निपट सकें। हमें स्वयं का ईमानदारी से मूल्यांकन करने और परिवर्तन में आने वाली किसी भी बाधा का समाधान करने की आवश्यकता है। हमें जिस बल संरचना को विकसित करने की आवश्यकता है वह भविष्य के लिए तैयार होनी चाहिए।'

उन्होंने कहा कि सभी को नवाचार को बढ़ावा देते हुए प्रत्येक वायु योद्धा को वायु सेना को बेहतर बनाने में योगदान का अवसर देना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस जटिल और बहुआयामी रणनीतिक माहौल में रणनीति को परिष्कृत करना और हर क्षेत्र में क्षमताओं को बढाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि हवाई क्षेत्र और अंतरिक्ष में बड़ी ताकत बनने के लिए हमें अंतरिक्ष क्षेत्र के महत्व को पहचानना चाहिए और अपनी अंतरिक्ष क्षमताओं का विकास जारी रखना चाहिए।

हमारी रगों में बहता है सनातन धर्म, अगर हिंदू भावनाएं आहत हुईं तो चुप नहीं रहेंगे : बसवराज बोम्मई

हावेरी (कर्नाटक) (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता बसवराज बोम्मई ने कर्नाटक में गणेपति महोत्सव को रोकने का प्रयास करने वालों को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर किसी ने भी हिंदू भावनाओं को आहत किया तो वह चुप नहीं रहेंगे। उन्होंने कहा कि महान सनातन धर्म उनकी रगों में बहता है। बोम्मई ने कहा, 'अगर हमारे सनातन धर्म की तुलना मलेरिया से की जाएगी तो क्या हमें चुप रहना चाहिए? सनातन धर्म हमारी रगों में बहता है। अगर किसी ने हमारी भावनाओं को आहत करने का प्रयास किया तो हम चुप नहीं रहेंगे।' हावेरी जिले के बंकापुर में शनिवार को आयोजित हिंदू जागृति सम्मेलन को संबोधित करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि गणपति महोत्सव को रोकने का प्रयास किया जा रहा है। बोम्मई के कार्यालय की ओर से जारी एक बयान में उनके हवाले से कहा गया है, 'हम उस सनातन धर्म से ताल्लुक रखते हैं, जो इस दुनिया में मानव जाति के कल्याण का प्रसार करता है। पाकिस्तान या अफगानिस्तान के विपरीत यहां सभी धर्मों के लोग रहते हैं।' बोम्मई ने कहा, 'यहां सभी स्वीकार्य हैं। यह सनातन धर्म की खूबसूरती है और कुछ लोग इसे डेंगू व मलेरिया बता रहे हैं। क्या उनमें इतनी हिम्मत है कि वे दूसरे धर्मों की तुलना इन बीमारियों से कर सकें? अगर वे ऐसा करेंगे तो क्या होगा?' उन्होंने दावा कया कि जब भाजपा राज्य की सत्ता में थी, तो कोई दुश्मन ताकत ऐसी नहीं थी, जो अपना सिर उठा सके।

एस्टेरॉयड के 159 सालों के बाद पृथ्वी से टकराने का अनुमान

-नासा ने कहा- 22 परमाणु बमों के बराबर है एस्टेरॉयड बेन्नू

नई दिल्ली (एजेंसी)। (ईएमएस)। अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा के अनुसार बेन्नू नाम के एस्टेरॉयड के 159 सालों के बाद पृथ्वी से टकराने का अनुमान है। इस एस्टेरॉयड के टकराने के बाद पृथ्वी पर तबाही का मंजर होगा और चारों ओर प्रलय आएगी। वायरल भविष्यवाणियों के बीच नासा जैसे संगठन सालों से अंतरिक्ष की निगरानी कर रहे हैं।

उन्होंने अब एक तारीख बता दी है जब एक विशाल एस्टेरॉयड के पृथ्वी से टकराने का अनुमान है।इस रहस्य का उद्घाटन इंस्टाग्राम अकाउंट 'इनसाइड हिस्ट्री' पर शेयर किया गया है। वैज्ञानिकों ने इसकी तुलना 22 परमाणु बमों के ताकत के बराबर की है। हालांकि नासा ने इस बात पर जोर दिया कि जोखिम तो है, लेकिन 159 साल बाद 24 सितंबर, 2182 को बेन्नू के वास्तव में पृथ्वी से टकराने की आशंका बहुत कम है। यह देखते हुए कि यह डेट 22वीं शताब्दी के अंत में आती है तो चिंता का कोई तत्काल कारण नहीं है। बेन्नू जो हर छह साल में पृथ्वी के पास से गुजरता है, उस एस्टेरॉयड के आधे आकार का है जिसके बारे में माना जाता है कि यही डायनासोर के विलुप्त होने का कारण बना था। जबकि बेन्नू के प्रभाव से दुर्घटना स्थल के 600 मील के दायरे में तबाही मच सकती है, लेकिन दुनिया विलुप्त हो जाए इसकी उम्मीद कम है। नासा बेन्नू का रास्ता बदलने और टकराव को रोकने के लिए सक्रिय रूप से रणनीति तैयार कर रहा है। मिशन फिलहाल अपने अंतिम चरण में है।

वहीं वायरल पोस्ट के जवाब में एक यूजर ने मजाकिया ढंग से कमेंट किया, 'मैं शायद तब तक चला जाऊंगा, लेकिन सचेत करने के लिए धन्यवाद।' एक अन्य ने चुटकी लेते हुए कहा, 'ठीक है, जो कोई भी उस समय होगा उसके लिए शुभकामनाएं। उन्हें भविष्य में दोबारा पोस्ट करने के लिए इस पोस्ट को सुरक्षित रखना चाहिए।'बता दें कि बता दें कि इस तरह की खबरें और भविष्यवाणियां अक्सर लोगों के मन में डर पैदा करती हैं। हालांकि कई लोग इन्हें अस्पष्ट और अविश्वसनीय कहकर खारिज कर देते हैं। लेकिन जब अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा की ओर से ऐसी भविष्यवाणियां आती हैं, तो उनमें अधिक वजन और विश्वसनीयता होती है।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने किए केदारनाथ और बद्रीनाथ में दर्शन, कहा-

आस्था के साथ-साथ राष्ट्रीय एकात्मता के आधार हैं हमारे तीर्थस्थल

रुद्रप्रयाग। (एजेंसी)। हमारे तीर्थस्थल आस्था के साथ साथ राष्ट्रीय एकात्मता के आधार हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में विरासत के प्रति सम्मान का भाव नये भारत की नई आभा को प्रस्तुत कर रहा है। ये बातें उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को यहां श्री केदारनाथ मंदिर में दर्शन-पूजन के उपरांत कही। तीन दिवसीय उत्तराखंड दौरे के अंतिम दिन श्री केदारनाथ मंदिर पहुंचे योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सन् 2013 में केदारपुरी एक आपदा की चपेट में चुकी थी, लेकिन स्थानीय लोगों के आत्मविश्वास और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृढ़संकल्प और उनकी प्रेरणा व मार्गदर्शन से आज उत्तराखंड के दोनों तीर्थ श्री केदारनाथ और श्री बद्रीनाथ नये भारत की नई आभा को प्रस्तुत कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि विरासत के प्रति सम्मान का भाव यही है। लाखों की संख्या में तीर्थयात्री यहां आ रह हैं, यह हमारे लिए एक नई प्रेरणा है। यह एक नये भविष्य की ओर हमारा ध्यान आकर्षित करती है। समयबद्ध ढंग से मानक की गुणवत्ता को बनाये रखते हुए पूरी तत्परता के साथ यहां कार्य चल रहा है। ये श्रद्धा का उमड़ता हुआ जनसैलाब नये भारत की नई तस्वीर को प्रस्तुत करता है। इसमें दृष्टि और दूरदर्शिता है। इसमें पर्यटन भी है और श्रद्धालुजन की जनआस्था का सम्मान का भाव है। इन सबको समेटे हुए केदारनाथ का नव निर्माण बहुत अच्छे ढंग से आगे बढ़ रहा है।

पुष्कर में इजरायली यहूदियों के धार्मिक स्थल की बढाई सुरक्षा

अजमेर,। इजरायल और फिलिस्तीन के बीच युद्ध के मद्देनजर राजस्थान के अजमेर में तीर्थराज पुष्कर स्थित इजरायली यहूदियों के धार्मिक स्थल 'खबाद हाऊस' की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। प्राप्त जानकारी के इजरायल-फिलिस्तीन युद्ध के बाद पुष्कर के खबाद हाऊस पर अजमेर प्रशासन-पुलिस प्रशासन की खास नजर है और अजमेर पुलिस की स्पेशल टीम जहां सादी वर्दी में निगरानी कर रहे हैं वहीं 'मेवाड़-भील कोर' के सशस्त्र जवानों को तैनात किया गया है। पुष्कर में डेरा डालकर खबाद हाऊस में प्रार्थना में मशगूल रहने वाले इजरायली पर्यटकों ने पुष्कर से अपने देश की ओर रवानगी लेनी शुरू कर दी है। उल्लेखनीय है कि पुष्कर के खबाद हाऊस पूरे साल पुलिस के पहरे में रहता आया है लेकिन युद्ध के मद्देनजर अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किया गया है।

मंजूरी के बिना जिलों, संस्थानों का नाम बदलना दंडनीय: मणिपुर सरकार

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर सरकार ने मंजूरी लिए बिना जिलों और संस्थानों के नाम बदलने के खिलाफ एक अधिसूचना जारी की है, जिसमें कहा गया है कि इस तरह का कदम समुदायों के बीच संघर्ष की स्थिति पैदा कर सकता है तथा कानून-व्यवस्था की मौजूदा स्थिति को बिगाड़ सकता है।

अधिसूचना में कहा गया है कि यदि किसी को दिशा-निर्देशों का उल्लंघन करते पाया गया, तो उसके खिलाफ संबंधित कानूनों के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी। मुख्य सचिव विनीत जोशी की ओर से जारी अधिसूचना के मुताबिक, 'राज्य सरकार की मंजूरी के बिना कोई भी जानबूझकर जिलों, उप-मंडलों, स्थानों, संस्थानों के नाम बदलने का कार्य नहीं करेगा या करने का प्रयास नहीं करेगा।'

इसमें कहा गया है, 'मणिपुर सरकार को विश्वसनीय सूत्रों से पता चला है कि नागरिक समाज से जुड़े कई संगठन, संस्थान, प्रतिष्ठान और व्यक्ति जानबूझकर जिलों का नाम बदल रहे हैं या नाम बदलने की कोशिश कर रहे हैं जो आपत्तिजनक है। इससे राज्य में रहने वाले समुदायों के बीच विवाद और संघर्ष की स्थिति पैदा हो सकती है। खासतौर पर कानून-व्यवस्था के समक्ष मौजूद वर्तमान संकट के मद्देनजर।' अधिसूचना के अनुसार, इस मामले को 'अत्यधिक संवेदनशीलता के साथ देखा जा रहा है, क्योंकि इस चलन से राज्य में विभेद पैदा हो सकता है या कानून-व्यवस्था की स्थिति खराब और हो सकती है।'

यह कदम तब उठाया गया है, जब चुराचांदपुर में ज़ो समुदाय के संगठन ने जिले को 'लमका' नाम दिया है। मणिपुर में अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा देने की मेइती समुदाय की मांग के विरोध में पर्वतीय जिलों में जनजातीय एकजुटता मार्च के आयोजन के बाद तीन मई को जातीय हिंसा भड़क गई थी। हिंसा की घटनाओं में अब तक 180 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है और सैकड़ों लोग घायल हुए हैं।

मणिपुर की आबादी में मेइती समुदाय के लोगों की हिस्सेदारी लगभग 53 प्रतिशत है

और वे ज्यादातर इंफाल घाटी में रहते हैं। वहीं, नगा और कुकी आदिवासियों की आबादी करीब 40 प्रतिशत है और वे ज्यादातर पर्वतीय जिलों में रहते हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

डिंडोली में सरेआम सीटी बस के ड्राइवर-कंडक्टर की पीटाई, ड्राइवर गंभीर रूप से घायल

बाईक को साईट नही देने पर बस चालक और कंडक्टर को पीटा, तीन के खिलाफ शिकायत दर्ज

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत। सूरत के डिंडोली इलाके में एक सीटी बस के ड्राइवर समेत कंडक्टर को कुछ लोगों ने सरेआम पीटा, जिससे ड्राइवर गंभीर रूप से घायल हो गया और उसे इलाज कराना पड़ा। जब पूरा मामला डिंडोली पुलिस स्टेशन में पहुंचा तो ने पुलिस तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की।

सूरत शहर में अनियमित रूप से चल रहे सिटी बस चालकों के खिलाफ लोगों का गुस्सा अब सड़क पर नजर आ रहा है। मामला तब तूल पकड़ गया जब बाईक चालकने सूरत के डिंडोली इलाके में एक सिटी बस के ड्राइवर को सिर्फ साइड देने की वजह से पीटाई की। सीटी बस के ड्राइवर-कंडक्टर की पिटाई के बाद अन्य बस चालक भी घटनास्थल पर आ गए और बस को सड़क पर खड़ा कर विरोध प्रदर्शन किया।

हालांकि, बस चालक की पिटाई के बाद बाइक सवार समेत हमलावर मौके से भाग गए। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले को नियंत्रण में लिया। सड़क पर खड़ी सीटी बस को रवाना किया गया। घायल बस चालक को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। अस्पताल द्वारा प्राथमिक उपचार के बाद ड्राइवर को छुट्टी दे दी गई। सिटी बस के चालक की पिटाई की घटना को लेकर सिटी बस के अन्य चालक भी आक्रोशित थे। घायल बस चालक की शिकायत पर डिंडोली पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की। घटना के संबंध में सीटी बस के घायल चालक देवेन्द्र मराठे ने बताया कि वह डिंडोली के मधुरम सर्किल से स्टेशन जाने वाले मार्ग पर यात्रियों से भरी बस लेकर गुजर रहा था। इसी बीच बस नवागाम डिंडोली में यात्री को उतारने के लिए स्टेन्ड पर बस रुकी। एक यात्री बस से उतर रहा था, जबकि बाइक चालक बार-बार हॉर्न बजा रहा था। बाइक चालक को जल्दी साइड नही मिलने पर बस चालक से झगडने लगा। बाइक चालक और उसके साथ मौजूद अन्य लोगों ने बस चालक और कंडक्टर पर हमला कर दिया। हमले के बाद बाईक चालक सहित तीनों लोग मौके से भाग गए। घटना को लेकर डिंडोली पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है।

नवरात्रि महोत्सव : शहर में दस दिनों तक रात 12 बजे तक ही बजा सकेंगे लाउड स्पीकर

सूरत सिटी पुलिस कमिश्नर अजय कुमार तोमर ने शहर में नवरात्रि समारोह के लिए आवश्यक साउंड सिस्टम बजाने के नियम तैयार कर एक अधिसूचना जारी की

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत। नवरात्रि पर सूरत पुलिस ने लाउड स्पीकर बजाने पर विशेष अधिसूचना प्रकाशित की है। पुलिस ने नियम लागू कर समय सीमा तय कर दी है। सूरत में 10 दिनों तक पुलिस शहर में सुरक्षा के लिए नजर भी रखेगी और कान भी खुला रखेगी। सूरत में नवरात्रि के नौ दिन और दशहरा के एक दिन कुल मिलाकर 10 दिन रात 12:00 बजे तक लाउड स्पीकर, डीजे सिस्टम बजाने के नियम तैयार किए गए हैं। इसके अलावा अस्पतालों, शैक्षणिक संस्थानों, अदालतों जैसी जगहों के 100 मीटर के दायरे में किसी भी तरह के माइक्रोफोन सिस्टम का इस्तेमाल नहीं किया जा सकता है।

सूरत में खिलाड़ियों में नवरात्रि को लेकर खासा उत्साह है। शहर के अलग-अलग इलाकों में बड़े-बड़े गरबा का आयोजन किया जाता है और नवरात्रि मनाने के लिए गली-गली में गरबा का आयोजन किया जाता है। ऐसे समय में शहर की सुरक्षा की जिम्मेदारी पुलिस पर अधिक हो जाती है। पुलिस हर साल नवरात्रि पर साउंड सिस्टम बजाने के लिए विशेष नियम तैयार करती है। इस साल भी सूरत पुलिस ने नवरात्रि के लिए समय सीमा तय कर दी है। समय सीमा के अनुसार सभी गरबा आयोजक एवं सड़क पर बजने वाले लाउड स्पीकर से गरबा खेला जा सकेगा। इसलिए, नवरात्रि के दौरान, सूरत पुलिस न केवल सुरक्षा के लिए अपनी आँखें खुली रखेगी, बल्कि समय सीमा से ऊपर की घोषणा के उल्लंघन में बजने वाले लाउड स्पीकरों के लिए भी अपने कान खुले रखेगी।

सूरत सिटी पुलिस कमिश्नर ने शहर में नवरात्रि समारोह के लिए आवश्यक साउंड सिस्टम बजाने के नियम तैयार कर एक अधिसूचना जारी की है। पुलिस कमिश्नर अजय कुमार तोमर के मुताबिक, सूरत में रात बारह बजे तक ही लाउड स्पीकर या माइक्रोफोन सिस्टम बजाया जा सकेगा। रास गरबा या अन्य आयोजनों में रात 12 बजे के बाद माइक्रोफोन सिस्टम या लाउड स्पीकर बजाने पर सूरत सिटी पुलिस कानूनी कार्रवाई करेगी। पुलिस आयुक्त का यह नियम 15 अक्टूबर से 24 अक्टूबर तक प्रभावी रहेगा। जिसके अनुसार नवरात्रि के नौ दिन और दशहरा के एक दिन दस दिन तक रास गरबा के लिए रात बारह बजे तक ही डीजे या अन्य लाउड स्पीकर सिस्टम बजाया जा सकेगा।

लाउड स्पीकर के लिए वर्जित क्षेत्र तय कर दिए गए हैं

सूरत पुलिस आयुक्त ने एक अधिसूचना जारी कर कुछ निर्दिष्ट क्षेत्रों के आसपास साउंड सिस्टम बजाने पर प्रतिबंध लगा दिया है। जिसमें अस्पतालों, शैक्षणिक संस्थानों, अदालतों और धार्मिक स्थलों के आसपास 100 मीटर के दायरे में लाउड स्पीकर बजाने पर प्रतिबंध लगाया गया है। ऐसे क्षेत्रों को शांत क्षेत्र माना जाता है ताकि इन सभी क्षेत्रों में एक प्रणाली का उपयोग नहीं किया जा सके।

दो दिन पहले उधना इलाके में हिट एंड रन की घटना हुई थी

उधना पुलिस ने बस के ड्राइवर चिराग कसुभाई वसैया को गिरफ्तार किया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत। दो दिन पहले उधना इलाके में हिट एंड रन की घटना हुई थी। सूरत नगर निगम द्वारा संचालित सीटी बस के एक चालक ने उधना-नवसारी मुख्य मार्ग पर बीआरटीएस सड़क पार कर रहे एक पैदल यात्री को टक्कर मार दी और 25 फीट तक घीसटकर ले गया। इस घटना में सुनील होंजी वलवी नाम के युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। इस घटना के बाद बस चालक बस लेकर मौके से भाग गया। पुलिस ने बस चालक को पकड़ने के लिए जांच शुरू कर दी। पुलिस ने आठ किलोमीटर तक सीसीटीवी कैमरे की फुटेज जांची। इसके अलावा सचिन डिपो, अमरोली कोसाड डिपो, कापोद्रा डिपो सहित वेसू डिपो का निरीक्षण किया गया।

जांच के दौरान पुलिस को सीसीटीवी कैमरे की फुटेज में दिखी बस वेसू डिपो की मिली। पुलिस ने इस बस को कब्जे में ले लिया है और बस के ड्राइवर चिराग कसुभाई वसैया को गिरफ्तार कर लिया है।

उधना पुलिस ने इस मामले में आगे की कार्रवाई की है।

भारत-पाकिस्तान मैच पर आतंकी हमले का साया, गुजरात पुलिस ने किए सुरक्षा के तगड़े इंतजाम

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

अहमदाबाद। भारत व पाकिस्तान के बीच 14 अक्टूबर को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होने वाले मैच के दौरान आतंकी हमले की धमकी के चलते गुजरात पुलिस ने अतिरिक्त सुरक्षा के इंतजाम किये हैं। पुलिस ने यह आश्वासन दिया है कि सुरक्षा को लेकर किसी भी तरह की चिंता करने की जरुरत नहीं है। मैच देखने बडी संख्या में वीवीआईपी मूवमेंट के साथ 5 दर्जन से अधिक चार्टर्ड फ्लाइट आने की संभावना के चलते भी सुरक्षा चाक चौबंद हो रही है। अहमदाबाद के मोटेरा में स्थित नरेंद्र मोदी स्टेडियम में क्रिकेट विश्व कप के मैच शुरु हो गये हैं, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त चिराग कोराडिया ने बताया कि 14 अक्टूबर को भारत-पाकिस्तान मैच के लिए अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था की गई है। क्रिकेट मैदान पर चिर प्रतिद्वंदी टीमों के आमने-सामने होने से भारी भीड़ जुटने की उम्मीद है। मैच के दौरान आतंकी हमले की धमकी पर उन्होंने कहा कि लोगों को ऐसी धमकी से डरने ने की कोई जरूरत नहीं है, गौरतलब है कि एक अज्ञात व्यक्ति ने मेल कर प्रधानमंत्री को नुकसान पहुंचाने और नरेंद्र मोदी स्टेडियम को उड़ाने की धमकी दी थी। कोराडिया ने बताया अन्य मैचों की तुलना में आगामी भारत-पाकिस्तान मैच के लिए सघन सुरक्षा व्यवस्था की गई है। 5 अक्टूबर को खेले गए पहले मैच के दौरान, पुलिस ने पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था की और होटलों, ढाबों और गेस्ट हाउसों के साथ-साथ वाहनों की भी सघनता से जाँच की। लोगों की आवाजाही पर बारीकी से नजर रखी जा रही है तथा सीसीटीवी के जरिए भी निगरानी की जा रही है। गुजरात पुलिस 11 अक्टूबर से सुरक्षा व्यवस्था को बढाऐगी, स्टेडियम के प्रमुख दरवाजों, होटलों और गेस्ट हाउसों की जांच की जाएगी, संदिग्ध लोगों पर नजर रखी जा रही है। धमकी भरा मेल करने वाले ने 500 करोड़ रुपये और कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई को जेल से रिहा करने की भी मांग की थी।

चैंबर प्रतिनिधिमंडल ने नई दिल्ली में व्यापार सलाहकारों और राजदूतों के साथ बैठक की

सूरत। दक्षिण गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एसजीसीसीआई) के अध्यक्ष रमेश वघासिया के नेतृत्व में एसजीसीसीआई ग्लोबल कनेक्ट मिशन 84 के तहत मिशन 84 प्रोजेक्ट के प्रमुख परेश भट्ट और समिति सदस्य कोमल कुमार शाह सहित एक प्रतिनिधिमंडल ने नई दिल्ली में विभिन्न देशों के महावाणिज्य दूतों, राजदूतों और व्यापार सलाहकारों के साथ आमने-सामने बैठक की। चैंबर अध्यक्ष रमेश वघासिया ने एशिया अफ्रीका ग्रामीण विकास संगठन (एएआरडीओ) के भारत कार्यालय में कार्यरत महासचिव मनोज नारदोसिंघ और भारत चैप्टर प्रमुख संजीब बेहरा से मुलाकात की और उनके सामने मिशन 84 परियोजना प्रस्तुत की। वे मिशन 84 प्रोजेक्ट से काफी प्रभावित हुए और प्रोजेक्ट के बारे में विस्तार से जानकारी भी ली। एशिया अफ्रीका ग्रामीण विकास संगठन 30 से अधिक अफ्रीकी और एशियाई देशों का एक संघ है। इस संगठन के दोनों पदाधिकारियों ने चैंबर अध्यक्ष से

कहा कि वे अपने अधिकार क्षेत्र में आने वाले प्रत्येक देश से चैंबर ऑफ कॉमर्स के मिशन 84 प्रोजेक्ट में शामिल होने का अनुरोध करेंगे। चैंबर ऑफ कॉमर्स के एक प्रतिनिधिमंडल ने मॉरीशस के उच्चायुक्त हेमांडोयल डिलम सीएसके से मुलाकात की। फिर गिनी के प्रथम ट्रेड काउंसलर और मामलों के प्रभारी डॉ. अमिनाता थायम के साथ, हंगरी के आर्थिक और व्यापार मामलों के प्रथम व्यापार परामर्शदाता डॉ. फ़ेरेन टोथ और आर्थिक और वाणिज्यिक व्यापार सलाहकार लेवांटे कार्दोस, म्यांमार के राजदूत मोई क्याव आंग और आर्थिक अताशे मायो म्यिंट मांग, घाना के व्यापार सलाहकार मुनीरू कादरी, आइवरी कोस्ट वाणिज्यिक व्यापार सलाहकार एंज गेब्रियल अकाफू, श्रीलंकाई वाणिज्यिक मंत्री व्यापार परामर्शदाता एल.जी. दिशानायके, मालदीव के प्रथम वाणिज्यिक व्यापार परामर्शदाता मोहम्मद नाज़ील, बुर्किना फासो के राजदूत देसरी बोनी ने फेस मोन, वियतनामी राजदूत गुयेन था हये और अताशे गुयेन लुंग डुक से मुलाकात की। उपरोक्त सभी देशों के राजदूतों और व्यापार सलाहकारों ने चैंबर ऑफ कॉमर्स प्रतिनिधिमंडल को मिशन 84 परियोजना में अपना पूर्ण समर्थन देने का आश्वासन दिया। दोनों देशों के उद्योगपतियों के बीच व्यापारिक संबंध स्थापित करने के उद्देश्य से बैठकें आयोजित करने पर भी सहमति बनी।

उधना पुलिस ने मोबाइल स्नैचिंग गैंग को पकड़ने में सफलता हासिल की

पुलिस ने मोपेड सवार तीन लोगों का पीछा कर गिरफ्तार किया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत। सूरत शहर में हो रही मोबाइल स्नैचिंग की वारदातों को रोकने के लिए गश्त पर निकली सूरत की उधना पुलिस ने मोबाइल स्नैचिंग गैंग को पकड़ने में सफलता हासिल की है। उधना थाने के पीआई एस.एन. देसाई से मिली जानकारी के अनुसार उधना में दक्षेश्वर मंदिर के पास कुछ लोग राहगीर के हाथ से मोबाइल छीनकर भागने की कोशिश कर रहे थे तभी पुलिस टीम ने गिरफ्तार किया।

इसी दौरान गश्त पर निकली उधना पुलिस ने मोपेड सवार तीन लोगों का पीछा कर गिरफ्तार किया जो मोबाइल फोन छीनकर भागने की कोशिश कर रहे थे। उधना पुलिस ने यासीन उर्फ इमरान इरफान अंसारी के साथ नसीर उर्फ शाहरुख रशीद शेख, मेजान उर्फ निजाम उर्फ बाबू अब्दुल अली शेख को हिरासत में लिया और आगे की पूछताछ की। पुलिस जांच के दौरान आरोपियों के पास से शहर के अलग-अलग इलाकों से छीने गए कुल 24 मोबाइल फोन बरामद हुए। उधना पुलिस को आरोपियों के पास से एक मोपेड और कुल 25 मोबाइल फोन बरामद हुए और 2.50 लाख रुपये की संपत्ति जब्त की गई। आरोपियों से पूछताछ के दौरान उधना, डिंडोली और पांडेसरा पुलिस ने पुलिस बुक में दर्ज मोबाइल स्नैचिंग की सात वारदातों को सुलझाया था। उधना पुलिस ने मोबाइल छीनने का कारण जानने के लिए आरोपियों से गहन पूछताछ की। पूछताछ में पता चला कि पकड़े गए आरोपी नए-नए मोबाइल फोन इस्तेमाल करने के शौकीन हैं। इसलिए वे उन राहगीरों को निशाना बनाकर मोबाइल फोन छीन लेते थे, जिनके पास नया मोबाइल दिखता था। इसके अलावा आरोपी छीने गए इन मोबाइलों को सस्ते दाम पर बेचकर अपना शौक पूरा करते थे।

फिलहाल उधना पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और आगे की जांच कर रही है। इससे शहर पुलिस की किताब में दर्ज मोबाइल स्नैचिंग के अन्य अपराध भी सुलझने की संभावना है।

श्राद्ध पक्ष जीवन दीप अंगदान फाउंडेशन के नेता समाज में अंगदान के प्रति जागरूकता पैदा करने का प्रयास कर रहे हैं

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत। जीवन में रक्तदान और मृत्यु के बाद अंग दान के अच्छे इरादे से, सूरत में जीवनदीप अंग दान फाउंडेशन विभिन्न अंग दान जागरूकता गतिविधियों का संचालन करता है। चाहे गणेश उत्सव हो या श्राद्ध पक्ष जीवन दीप अंगदान फाउंडेशन के नेता समाज में अंगदान के प्रति जागरूकता पैदा करने का प्रयास कर रहे हैं। लाठी बाबरा के विधायक जनकभाई तडाविया और परेशभाई तडाविया के पिता पुनाभाई लवजीभाई तडाविया का श्राध्द शनिवार को शहर के मोटा वराछा रिवरव्यू रेजीडेंसी के सामने वाल्केश्वर की वाडी में किया गया। जीवनदीप अंगदान फाउंडेशन के नेता विपुलभाई तडाविया, पीएम गोंडलिया ने उपस्थित गणमान्य लोगों के सामने समाज में अंगदान की आवश्यकता के बारे में बताया। वहीं, जीवनदीप अंगदान फाउंडेशन ने अंगदान की प्रतीक्षा सूची को शून्य करने का निर्णय लिया है, इसकी जानकारी दी गई। इस संकल्प पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए अंगदान को सर्वोत्तम दान के रूप में साकार करने के लिए तडाविया परिवार के बुजुर्ग स्व. पुनाभाई

लवजीभाई तडाविया के पहले श्राद्ध तर्पण के अवसर पर, परिवार के सभी सदस्यों और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने अंग दान करने का संकल्प लिया और सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर सूरत के महापौर दक्षेशभाई मवाणी, गुजरात विधानसभा के उप दंडक कौशिक वेकारिया, अमरेली के सांसद नारणभाई काछड़िया, धारी के विधायक जे.वी. काकड़िया, सावर कुंडला विधायक महेश कसवाला, वराछा विधायक कुमारभाई कानानी, करंज विधायक प्रवीणभाई घोघारी, अमरेली जिला पंचायत अध्यक्ष भरतभाई सुतरिया, प्रमुख मनुभाई जरखिया, रमेशभाई पिपरडी, संजय वघासिया, धनजीभाई जरखिया, राजूभाई विसावदार, जे.जे. , गोपाल चमारडी, नानूभाई सावलिया, संजय तडाविया, बिपिन तडाविया सहित अन्य उपस्थित थे। जीवनदीप अंगदान फाउंडेशन लगातार सामाजिक कार्यक्रमों के साथ-साथ धार्मिक कार्यक्रमों में भी समाज में अंगदान के प्रति जागरूकता पैदा करने का प्रयास कर रहा है। जिससे लोगों में जागरूकता आ रही है और अंगदान के क्षेत्र में काफी नेक सेवा कार्य हो रहे हैं।